

प्राधिकार से प्रकाशित १७६८/ऽसहरू हुए ४०७ स्टूडिंग

सं॰ 47] नई विस्लो, शनिवार, नवम्बर 19, 1983 (कार्तिक 28, 1905) No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 19, 1983 (KARTIKA 28, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-वन्द्र 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली—110011, दिनांक 19 अगस्त 1983 सं० ए० 19014/7/82-प्रशा०—I—श्री ए० जे० बजाज, आई० आई० एस० को राष्ट्रपति द्वारा 29-6-83 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सिचव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

> एम० पी० जैनः अवर सचिव (प्रशासन) संघ लोक सेवा भागोण

नई विल्ली-110011, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

सं• ए० 32011/1/83-प्रशा०-I--कार्मिक एवं प्रशासिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/2/83-सी० एस० II, दिनांक 30-7-83 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग के० स० स्टे० से० संवर्ग में दीर्घकालीन अवधि पर स्थानापन्न व० वै० स० श्री पी० पी० सिक्का को 30-7-1983 (पू०) से सं० लो० सेवा आ० के के० सं० स्टे० से० संवर्ग में व० वै० स० (के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख'') की चयन सूची में सम्मलित कर लिया गया है।

श्रीमती भवानी त्यागराजन, अवर सचिव, संघ सोक सेवा आयोग नई विल्ली-110011, दिनांक 15 सितम्बर 1983

सं० ए० 32018/1/83-प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-5-1983 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्दारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई वरिष्ठ प्रोप्रामर श्री जे० के० खन्ना को 18-8-1983 से तीन मास की अग्रेत्तर अवधि के लिए अथवा भर्ती नियमों के अधिसूचित होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबन्ध (इ० डी॰ पी०) (ग्रुप 'क"—इ० 1500-60-1800) के पर परस्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. प्रबन्धक (इ० डी॰ पी॰) के पर पर श्री जे॰ के॰ खन्ना की नियुक्ति पूर्णतः लदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें प्रबन्धक (ई० डी॰ पी॰) के पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> विजय भस्ला, अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष संच लोक सेवा घायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 सितम्बर1983

सं० ए० 35014/2/80-प्रशासन II (I) — इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-6-1983 के अनुक्रम में सिवन, संघ लोक सेवा आयोग एतदृद्वारा निष्निकित अधि कारियों को 1-9-1983 से 30-11-1983 से तीन मास की अग्रेसर अवधि के लिए अथवा आगामि आदेशों सक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर सदर्थ आधार स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०

नाम और पंदनाम

- 1. श्री सुदर्शन कुमार, अनुभाग अधिकारी (के०सं०संवर्ग)
- 2. श्री वी० सी० काजला, अनुभाग अधिकारी (के०स० सें०संवर्ग)
- 3. श्री ए० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी (के०स०सं०संवर्ग)

2. उपर्युक्त अधिकारी लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहें के और उनका बेकन समय-समय पर यथासंशोधित विंत मंत्रालय, व्यय विभाग के का॰ जा॰ सं॰ एफ॰ (11)-ई॰ III (ख)/75, दिनांक 7-11-1975 में सिन्निह्स अनुदेशों की शतों के अनुसार विनियमित रहेगा।

विजय भस्ला, अंतुर्भाग अधिकारी, कृतै सचिव संघ सींकं सेवा आयींग

गृह मंम्रलव

महातिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 अक्तुवेर 1983

मं० ओ० दो० 1756/82-स्थापना → महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विजय कुमार डागडे को 26 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उम पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में अनिष्ठ चिकरिसा अधिकारों के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० वो० 1765/82-स्थापन(—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर प्रफुल्ला कुमार बोहरा को 12 अगस्त, 1983 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले ही उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कंनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर सवर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1808/83-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर काशी प्रसाद दास्का को 16 सितम्बर, 1983 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमिस नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्स। अधिकारी के पद पर तवर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1823/83—स्थापना—-राष्ट्रपति, डाक्टर अशोक त्यागी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड—II (डी० एस० पी०/कम्पनी क्यांडर) के पद पर 22 सितम्बर, 1983 पूकील से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1885/83-स्थापना—-राष्ट्रपति, डा० सतेन्द्र कुमार को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने सक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड II (डीं० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर 30 सितम्बर, 1983 अपराह्म से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 अक्तूबर 1983

सं० ओ० दो० 1759/82-स्थापन।—महानिदेशक केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विनय कुमार को 22 सितम्बर, 1983 पूर्वीह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप स नियुक्त किया है।

विनांक 27 अक्तू बर 1983

सं० ओ० दो० 1259/75-स्थापना — राष्ट्रपति ने श्री एस० सत्यम रेडी, पुलिस उप-अधिक्षक के० रि० पु० बल का त्याग पत्र विनांक 10-10-1983 (अपराहन्) से स्वीकार कर लिया है।

विनांग 20 अन्तू घर 1983

सं० ओ० वो० 42/78-स्था०-श्री बी० एन० प्रसाव बिहार संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी जो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति पर महानिरिक्षक सेक्टर ्यू शिलांग के वद पर थे, विनांक 30-9-83 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गये।

(ए० के० सूरी, सहायक निवेशक (स्थापना)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, केरल स्रिवेन्द्रम, दिनांक 24 अक्तूबर, 1983

सं० स्थापना/हकदारी/6/10/3/43—महालेखाकार का कार्यालय, केरल के निम्नलिखित लेखा/लेखा परीक्षा अधिकारी अधिकारिक के कारण उनके सामने लिखित तिथियों से सेवा निवृक्त हो गए ।

- 1. श्री टी॰ गोपालकृष्णन नायर, लेखा अधिकारी, 30-4-83 (अपराह्म)
- श्री सी० एम० रामचन्द्रन, लेखा अधिकारी 30~6~83 (अपराह्न)
- 3. श्री एस० रासय्या, लेखा परीक्षा अधिकारी, 31-7-83 (अपराह्न)

(ह०) भ्रपङनीय महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार-I, महाराष्ट्र

बम्बई-400020, दिनांक 22 अक्तूबर 1983

सं० प्रशासन 1/सामान्य/31-खण्ड-III/सीं०-1(1)/14--महालेखाकार महाराष्ट्र (1) बम्बर्ध, लेखा संवा के सदस्य श्री डी० बी० क्षीर सागर, कक्षा अधिकारी, को दिनांश <math>25-7-1983 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० ए० रामनारायणन, व० उप महालेखाकार/ प्रशासन

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अन्तूबर, 1983

सं० ऐ-12025 (1) /1/81- प्रणासन 11 (क)— राष्ट्रपति, श्री रामचन्द्र को 5 सितम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशो तक केलिए भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिक संस्थान, गोहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (बुनाई) के पद पर बियुक्त करते हैं।

> एम०पी० पिण्टो, अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

आरोशिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लम्नु उद्योग) का कायलिय नई दिल्ली, दिनोक 26 अक्तूबर 1983

सं० 12(84)/61-प्रशा० (राज०) खण्ड III-कामनुबेद्ध सिख्वालय, लन्दन के साथ विदेश में प्रतिनियुक्ति तथा आई० की० यू०/सी० एफ० टी० सी० के अक्षीन मलेशिया में नियुक्ति हो जाने पर, श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने दिनांक 9-9-1983 (अप्राह्म) से विकास आयुक्त (लधु उद्योग) का कार्यव्यय नई विस्ती में निवेशक, ग्रेड-2 (सहायक उद्योग) का कार्यव्यय हुई विस्ती में

सं० 1,2(591)/61-प्रशासन (राज०)/खण्ड-III-राष्ट्रपति, लम् उस्कोन सेवा संस्थान, कानपुर के उप निदेशक (कांच मृत्तिका), श्री जी० सी० अप्रवाल को दिनांक 22-7-1983 (पूर्विका) से असले अध्येगों तक प्रक्रिया सह उत्पाद विसास केन्द्र, रांची में निदेशक (ग्रेड 2) (काच/मृत्तिका) के रूप में निम्निका आक्षार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1,2(4,9,9),/65-प्रशासन (राज०) खण्ड 2--कामन-वेल्क स्विच्छलस्न, लब्बन के साथ विदेश में प्रति नियुक्ति तथा आर्ष्ट्व स्वीव यूव/सी० एफा० टी० सी० के अधीन मलेणिया में नियुक्ति हो जाने प्रत् श्री एम० के० क्मी ने विनांत 9-9-83 (अपनाह्म) से ल० उ० से० सं० करनाल में, प्रभारी उप निवेशक, पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/(659)/82-प्रशासन (राज०) — विकास आयुक्त (लामू उद्योग). लघु उद्योग सेत्रा संस्थान, हैदराबाद के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (रसायन) श्री जी० एल० वागरे को उसी संस्थान में, दिनांक 13-6-1983 (पूर्वाह्म) से तदय आधार पर, सहायक निदेशक (ग्रेड II) (रसायन) नियुक्त करते हैं।

सो० सी० राय, उपनिदेश ह (प्रशत्०)

पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अस्तूबर 1983

सं० प्र० 6/247 (435)/65—भो डो० एस० चौबरो स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियाविकी) और जो निरीक्षण निरेक्षक, मलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभियांबिकी) (भारतीय निरीक्षण सेना के ग्रेड:—III ग्रुप 'ए' अभियांतिकी गान्या) के रूप में स्थानापन रूप से कार्य कर रहे हैं, निकुत्तामसन मायू प्राप्त होने पर दिनाक 30 सितम्बर, 1983 के अप्रयस्त्व से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एम० एल० कपूर, उन निदेश है (प्रशत्सन), इन्ते महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई विल्ली, दिनांक 19 अक्तूबर 1983

सं० प्र० 1/1(1221)—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एसद्दारा पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय नई दिल्ली के सर्वेश्री फिलिप खालखी, कानिष्ठ प्रगति अधिकारी, एम० पी० सक्सेना और एष० बी० बोहरा, कानिष्ठ क्षेत्र अधिकारो तथा ए० पी० खुराना, कानिष्ठ प्रगति अधिकारो को दिनांक 1-10-83 के पूर्वाह्म से दिनांक 29-2-1984 तक अथवा सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड 1) के नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, इसी महानिवेशालय में पूर्णतः सदर्थ आधार पर स्थानापत्र रूप से सहायक निदेशक (ग्रेड 2) के रूप में नियुक्त करते हैं।

- 2. सर्वश्री फिलिप खालखो, एम० पी० सक्सेना, एच० बी० बोहरा और ए० पी० खुराना की तवर्ष आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड 2) के रूप में नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का वावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा सदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता तथा पदोक्रति और स्थायीकरण हेतु नहीं गिनी जाएगी।
- 3. सर्वश्री फिलिप खालखों और ए० पी० खुराना ने कनिष्ठ प्रगति अधिकारी और सर्वश्री एम० पी० सक्सेना और एच० बी० बोहरा ने कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी के पद का कार्यभार पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 1-10-1983 के पूर्वाह्म से छोड़ दिया हैं और इस महानिदेशालय में दिनांक 1-10-1983 के पूर्वाह्म से छोड़ दिया हैं और इस महानिदेशालय में दिनांक 1-10-1983 के पूर्वाह्म से सहायक निदेशक (ग्रेड 2) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० बालासुनामनियम, उन्निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 अन्तूबर 1983

सं० 4640 डो०/ए० 19012(3-एगवी० आर०)/
83-19बो०--महानिदेश ह, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एम० वो० रमैय्या को सहायक रसायनज्ञ के पव पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 र० के न्यूनतम वेतन पर जसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आवेश होने तक 30-8-1983 के पूर्वीह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

विनांक 20 प्रक्तूबर 19 3

सं 867 6वी 0-19012) 3-बी बी बी भार)/83-19बी महानिदेशक, भारतीय भूब जानिक सर्वेक्षण श्री बी वि वी बी राष्ट्र को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो 0-35-880-

40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 5-9-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 8687 बी०/ए० 19012(3-एच० सी० एल०)/83-19 बी०--महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेकण भी एच० सी० लोहानी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भूवैज्ञानिक सर्वेकण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ४० के न्यूनतम वेतन पर जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 5-9-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुगारी, निदेशक (कार्मिक), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनोक 28 अक्तूबर 1983

सं० ए० 19011(333)/83-स्था० ए०--श्री सी० गंकरराव, भारतीय सांखियकी सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारी ने निरीक्षण निदेशालय (अनुसंधान सांख्यिकी धौर जन सम्पर्क) नई दिल्ली में सांख्यिकी विद के पद से कार्यमुक्त होकर भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में दिनांक 12-9-1983 के पूर्वाह्म से सहायक खनिज अर्यशास्त्री (सांख्यिको) का पद भार ग्रहण कर लिया है।

आशाराम करपव, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, भारतीय खान अ्युरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 24 अक्तूबर 1983

सं० सी०-6010/724-एस० भ्रो० एस० (ए०)(1)-श्री ससाधर दत्ता, भण्डार सहायक (सिले० ग्रेड), जिन्हें इस
कार्यालय की अधिसूचना सं० सी० 5866/724-एस० भ्रो०,
एस० (ए०)(1) दिनांक 24 सितम्बर, 1982 के अन्तर्गत
पूर्वोत्तर सिकल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, शिलांग में सहायक
भण्डार अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप 'बी') के पद पर
तवयं आधार पर नियुक्त किया गया था, अब दिनांक 27
सितम्बर, 1983 से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित
आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

जी० सी० अग्रवाल, भेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

दूर-दर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्तूबर 1983

सं० ए०-12026/4/82-एस०-2-खाश्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (नागरिक आपूर्ति विभाग) नई दिल्ली के वैतन एवं लेखाअधिकारी के कार्यालय के लेखा प्रधिकारी श्री हरचरण सिंह को दिनांक 2-9-1983 (पूर्वाह्म) से 2 वर्षे की अवधि के लिए ब्रिकी नियन्त्रक के कार्यालय, दूरवर्गन विज्ञापन सेवा, नई दिल्ली में ६० 840-12/ के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

2. श्री हरचरण सिंह के वेतन एवं भते वित्त मंत्रालय (च्यय विभाग) के दिनांक 4 मई, 1961 के का० जा० 10 (24) ई०-III/60 (समय-समय पर ययासंशोधित) में निहित शर्ती द्वारा नियंत्रित होंगे।

बलबीर सिंह सन्धू, प्रशासन उप निदेशक, कृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० 4/80/82-एस०--एक-महानिदेशक आकाशवाणी एतद्द्वारा कुमारी सुतषा सेन को 21 सितम्बर, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 र० के वेतनमान में आकाशवाणी, कलकता में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करने हैं।

विनोक 26 अक्तूबर, 1983

सं० 6/108/63-एस० एक--निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री के० आर० दलवी, कार्यक्रम निष्पादक, आकाश-वाणी, बड़ौदा, 31 जुलाई, 1983 की अपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 29 अक्तूबर, 1983

सं० 4(15)/76-एस०-І--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतड्द्वारा श्री राजभिण राय जो वर्तमान में दूरदर्शन महा- निदेशालय में कार्यक्रम नियन्त्रक के रूप में कार्य कर रहे हैं को 6-10-1970 से स्थाई क्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री राय की यह स्थाई क्षतना इस गार्ग पर है कि उसे किसी भी सत्र पिन क कारगोरेगन में स्थानाक्तरिन किया जा सकता है ग्रीर इस स्थानाक्तरण पर उन्हें उप कारगोरेगन के कर्मचारियों के चिए नियम गर्नी के अध्योग काम करना होगा।

| पद के विवरण को दर्शाने वाला विवरण:- | पव | ⁵ विवरण | व | को | दर्शाने | वाला | विवरण: | _ |
|-------------------------------------|----|--------------------|---|----|---------|------|--------|---|
|-------------------------------------|----|--------------------|---|----|---------|------|--------|---|

| ऋम सं० | नाम | केन्द्र जहां पर | स्थाई करने की | अभ्युक्तित |
|--------|-----|-----------------|---------------|------------|
| | | स्याई किया गया | की निधि | - |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------|-------|------------------|---------|---|
| 1. श्री र राय | ाजमिण | आकाशवाणी पणजी | 6-10-70 | 1-3-63 से स्थाई पद में परा- वर्तित किया गया । |

हरीशचन्द्र जयाल, प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, विनांक 25 अक्तूबर, 1983

स० ए० 12025/10/82-एन० आई० सी० डी०/प्रशासन— 1/पी० एच० (सी० डी० एल०) — - राष्ट्रपति ने श्री सी० जगननाथ को राष्ट्रीय संचारी रोग सस्थान, बंगलोर में 17 सितम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आदेशों तक उप सहायक निदेशक (सूक्ष्मजीव विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> बी० के० जाना, उप निदेशक प्रशासन (पी० ए**च**०)

नई दिल्ली दिनांक 26 अक्तूबर 1983

सं० ए० 12025/2/83/सफदर जंग अस्पताल/एम० एघ०----स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती रेणु सिंघल को 6 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्न से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में 550-25-750-द० रो० 30-900 रुपए के वेतनमान में आहार-विद् के पव पर नियुक्त कर दिया है।

> पी० के० घई, उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

बम्बई-400039, दिनांक 5 अक्तूबर, 1983 सं 21/4(6)/83-सी सी एस | 1281--राष्ट्रपति राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी सहायक लेखा अधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी-।। श्री एच एल व् चौपड़ा को उसी परियोजना में रु 1100-1600 के वेतनमान में लेखा अधिकारी-।।। के पद पर 16-5-1983 के पूर्वाह्म से 1-8-1983 के अपराह्म तक तदर्थ आधार पर नियक्त करते है। यह नियुक्ति विग कमाडर चतुर्वेदी, जिन्हे छूट्टी संस्वीकृत की गई है। उनके मूल कार्यालय को वापिस भेजा गया है, के स्थान पर की गई है।

> बी० एम० ओझा, निदेशक

क्रय और भंडार निदेशालय बम्बई-400001, 6 अक्तूग्नर, 1983 शुद्धि-पत्र

सं0 दी० पी० एस०/41/16//83-प्रकार०/31299--इस निवेशालय में स्थायी सहायक लेखापाल श्रीमती एस० एस० धारेण्वर की स्थानापन्त रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर खिताक 2-8-1983(पूर्वाह्म) से तदर्थ आधार पर नियुक्ति के सम्बन्ध में, समसंख्यक राजपत्र अधिसूचना दिनांक 15 सित-म्बर, 1982 का सन्दर्भ देखें।

2 कुपया बेतनमान रु० 650-30-70-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बजाए रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960- पढ़ा जाए।

> बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनाक 27 अक्तूबर, 1983 सं० डी० पी० एस०/41/4/83-प्रशा०/33835--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भण्डार निवेशालय के निवेशक ने सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बी० जोगोफ को आई० एस० टी० एम०, नई दिल्ली मे पुनष्चर्या पाठ्यश्रम के लिए प्रतिनियुक्ति किए जाने पर, स्थायी वरिष्ठ आणुलिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि आणुलिपिक श्री एम० के्णुगोमालत को रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान मे तारीख 12-9-83 (पूर्वाह्न) से 21-10-83 (अपाह्न) तक के लिए तदर्थ प्राधार पर इसी निवेशालय मे स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० डी० पी० एस०/2/1(26)/83-प्रणा०/33840-इस निवेशालय की तारीख 12-8-1983 की अधिसूचना स०
डी० पी० एस०/41/1/83-प्रणा०/26264 के ऋम मे, परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भण्डार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी ऋय सहायक श्री बसन्त कुमार गिरधारी लाल जोबनपुत्र को स्थाप 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे और आगे तारीख 6 अक्तूझर, 1983 (अपराह्म) तक के लिए तवर्ष आधार पर तथा अग्रिम आदेश होने तक तारीख 7 अक्तूबर, 1983 (पूर्वाह्म) से नियमित आधार पर इसी निवेशालय मे स्थानापन्न सप से सहायक ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासनिक अधिकारी-!!!

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनाक अक्तूबर, 1983

स० प०ख ०प्र०-1/52/82-भर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री नरेण चन्द्र शर्मा को परमाणु खनिज प्रभाग मे 17 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्म से लेकर अगले आवेण होने तक अस्थायी हम से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्तर ग्रेड "एस० बी०", नियुक्त करते है।

स० य० गोखले, **कृते** , वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीयर

महाराष्ट-401504, दिनांक 17 अक्तूबर, 1983

स० दी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-आर०---मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग इस ब्रिजलीघर में स्याची सहायक लेखापाल श्री य० रा० वेलणकर को तद्यं आधार पर इसी बिजलीघर में दिनां क 12 अक्तूबर, 1983 क्री पूर्वाह्म से 11 नवम्बर, 1983 तक के लिए ६० 650-30-740--35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में सहायक लेखा अधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री पी० के० श्रीधरन, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए है।

द० वि० मरक हे, प्रशासनिक अधिकारी—।।।

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो : शार केन्द्र

कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग

नेह्लूर, दिनांक 20 अक्तूबर, 1983

सं० एस० सी० एफ०/का और सा० प्र०/स्थाप०/3.1.
72—शार केन्द्र के निदेशक ने निम्माकित कर्मचारियों को शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में वैज्ञानिक/इजीनियर एस० बी० के पद पर पदोन्नित द्वारा नियुक्ति करने के लिए अपनी प्रसन्नता प्रकट की है। ये सभी कर्मचारी निर्देशित तारीखों से और अगले आदेश जारी होने तक, स्थानापन्न क्षमता के हप में काम करेगे।

| ऋ० नाम सं० सर्वश्री'/श्री | पदनाम | नियुक्ति नारी ख |
|------------------------------|-----------------------------|---------------------------|
| 1. टी० आर० शिवानदम् | वैज्ञा०/इजीनियर एस० बो० | 1-10-83 |
| 2. पी० सत्यनारायण | र्वज्ञा०/इजीनियर एस० बो० | 1-10 83 |
| | | |

राजनयो० जॉर्ज,

प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग

| भारत | मौसम | विज्ञान | विभाग | |
|--------------|-------|---------|--------|------|
| नई दिल्ली-3, | दिनाक | 25 अ | क्तूबर | 1983 |

पर्यटन एंब नागर विमानन मलालम

सं० ए०-32014/6/82-स्था०-1--मौसम विज्ञान के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्निलिखित व्यावसायिक सहायकों को उसी विभाग में स्थापन्य सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में उनके नामों के सामने वी गई सारीख से आगामी श्रादेशों तक के लिए नियुक्ति करते हैं:---

| कम सं० | नाम | *_ | म विज्ञानीके क्यमें भालनेकी तारीख |
|--------|--------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|
| 1 | 2 | | 3 |
| 1. | श्रीए० के० लहरी | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 5-2-1983 |
| 2. | श्री जे० एस० टाव | ξ | 1-1-1983 |
| 3. | भी आर० ही० र | राम्बा | 1-1-1983 |
| 4. | श्रीटी० भट्टाचार्य | जी | 31-1-1983 |
| 5. | श्रीमोहन लाल | | 1-1-1983 |
| 6. | श्रीजे० वैद्यनाथ | न | 4-1-1983 |
| 7. | श्री के० के० बज | া | 1-1-1983 |
| 8. | श्री बी० बी० गो | प्वामी | 7-1-1983 |
| 9. | श्रीडी०पी० राय | | 1-1-1983 |
| 10. | श्रीसी० एम० अ | ान न्द | 17-2-1983 |
| 11. | श्री एस० एन० च | कवर्ती | 1-1-1983 |
| 1 2. | श्री एम० एल० व | पूर | 28-4-1983 |
| 13. | श्री एस० पी० भ | ट्टाचार्य | 1-1-1983 |
| 14. | श्री एस० जी० भ | ंडारी | 1-1-1983 |
| 15. | श्रीएम० आर० | हिंगोरानी | 1-1-1983 |
| 16. | श्री अमरजीत सि | ाह | 4-5-1983 |
| 17. | श्री विजय कुमार | | 1-1-1983 |
| 18. | श्रीडी० आर० | हलधर | 1-1-1983 |
| 19. | श्री एस० एल० | गर्ग | 7-5-1983 |
| 20 | श्री एस० के० म | जृमद1र | 4-6-1983 |
| | | | (अपराह्न) |
| 21. | श्री हंस राज | | 1-1-1983 |
| 22. | श्री एस० एस० मंख | ज | 31-1-1983 |
| | श्रीमली मर्सी इ | | 1-1-1983 |
| 24. | श्री एम० एस० | | 1-1-1983 |
| 25. | श्रीपी० बालकृष | गनन | 1-1-198 |
| | श्रीपी० एस० अब् | - | 10-2-1983 |
| | श्री जी० मोहन | | 1-11983 |
| | श्री जी० एस० से | | 3-3-1983 |
| | श्रीमती वी० व | | 1-1-198 |
| | श्री आर० सी० | | 1-1-198 |
| | श्री आर० सी० ग | - | 29-4-198 |
| | श्री एम० एस० | | 1-1-198 |
| 33. | श्री एन० आर० | आ र० खेनेगर | T 1-1-198; |

| 1 | 2 | 3 |
|---------------|------------------------|--------------|
| 34. श्री | एस० सी० नागरथ | 13-1-1983 |
| 35.श्री | अगरे० के० शर्मा | 1-7-1983 |
| 3 6. શ્રી | एलॅं० कें० भावनानी | 1-1-1983 |
| 37. श्री | 'पी० टी० जोस | 31-1-1983 |
| 38. श्री | सतीम कुमार | 16-5-1983 |
| | । एस० सी० सिकदर | 1-1-1983 |
| 40. श्री | ाएन० जे० जादव | 4-1-1983 |
| 4.1. श्री | 'बी० पी० काम्बले | 4-1-1983 |
| 42. श्री | टी० एच० सुब्रमनियम | 1-1-1983 |
| 43. श्री | 'वीराकयायद्वयाह | 1-1-1983 |
| 4.4. श्री | पन० वीराराघवन | 1-1-1983 |
| 4.5. શ્રી | । आ र० के० मुखोपाध्याय | 1-1-1983 |
| 46 श्री | । एस० के० तलवार | 25-3-1983 |
| 47. T | ० अ० जे० मीरचन्दानी | 1-1-1983 |
| 4.8. প্র | ो ओ० पी० जुनेजा | 1-1-1983 |
| | ो एस० पी० पुंज | 1-1-1983 |
| 50. श्री | एम० पी० शोवले | 1-1-1983 |
| 51. ধ্রী | । हीरा लाल | 31-1-1983 |
| 5 2. প্র | । नरंजन सिंह | 24-6-1983 |
| 5 3. % | ए० एस॰ बलाल | 1-1-1983 |
| | रणजीत राय | 5-5-1983 |
| | । जे० एस० माने | 17-1-1983 |
| | टी० आर० सेडकिया | 3-1-1983 |
| 57. श्री | । जी० सी० मंडी | 28-3-1983 |
| | कि० के० सरीन | 28-3-1983 |
| 59. স্থা | जि०एन० मंडी | 25-4-1983 |
| | | के० मुखार्जी |

भौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते, मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 अन्तूबर 1983

सं० ए० 38013/1/83-ई० डब्ल्यू०--क्षेत्रीय निवेशक कलकत्ता के कार्यालय के श्री के० पी० घोष दस्तीदार, सहायक अग्निशमन अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर छेने पर दिनाक 30 सितम्बर, 1983 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

दिनांक 20 अक्तूबर 1983

सं० ए० 12025/6/81-ई० एस०--संघ लोक सेना आयोग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने श्री रामनाथ को विनांक 23-9--1983 से तथा अन्य आदेश हीने तक नागर विमानन विभाग में विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

जी० बी० लाल, सहामक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 24 अक्तूबर 1983

सं० ए० 12025/2/79-ई० एस०--संघ लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित उम्मीदवारों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से नागर विमामम विभाग में बरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है:---

| 1. श्रीराम चरण गुप्ता | 24-3-1983 से | | |
|---------------------------------------|--------------|---|--|
| 2. श्रीसुत्रतो मजुमदार | ** | " | |
| श्री हरिहर प्रसाद | " | " | |
| 4. श्री एन० रमेश | " | " | |
| श्री एन० जयसिम्हा | " | " | |
| 6. श्रीए० के० राय | 30-5-1983 से | | |

यह अधिसूचना इस विभाग की विनांक 11-5-1983, 10-6-1983 और 16-6-1983 की अधिसूचना सं० ए० 12025/2/79-ई॰ एस॰ को अधिक्रमण करती है।

> ओ० पी० जैन, सहायक निवेशक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 2 क्तूबर 1983

सं० 33/83—श्रीमती जगजीत लांबा ने, जो पहले सीमा शुरुक गृह, बम्बई में सहायक समाहर्ता, सीमा शुरुक के पर पर कार्यरत थीं, राजस्व विभाग के दिनांक 24-9-83 के श्रादेश सं० 165/83 (फा० सं० ए० 22012/51/83-प्रशा० II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुरुक व केन्द्रीय उत्पादन शुरुक, नयी विल्ली के मुख्यालय में स्थानांतरित हो जाने पर, दिनांक 1-10-83 (पूर्वाह्र) से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ब॰ चं॰ रस्तोगी, निरीक्षण निवेशक

विधि, स्याय तथा कम्पनी कार्ये मंत्रालय (कम्पनी कार्ये विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यासम

कोण्जीन, विनांक 24 अक्तूबर 1983

सं० लिख /560(4)/1549/आर5841/83—यतः मलाबार टानारिस लिमिटड (लिमिवडणन म) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्या- लय पटाबि हैं का समापक किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरी यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेपुक रहता है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेटमेंटस आफ एका उन्ट्स समा-पक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है छः क्रमवती तीन मास के लिए नहीं दी। गई है।

अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा(4)की उपधारा के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मलाबार नाटारीस लिमिटेड (लिन्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकूल कारण दिशत नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम॰ जे॰ एम॰ फिलिम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 24 ग्रम्तूबर 1983

सं० 1780/लिक्य/560 (3)/9938/83—कम्पनी
अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा
(3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस
तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० जे० एम० फिलिम्स
प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया
गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित
कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नाडार मेरखन्डयल बैंग लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक 24 अक्तूबर 1983

सं 804/लिक्य/560 (5)/9946/83 कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव द्वारा सूचना वी जाती है कि नाडार मेरखन्डयल बेंग लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयो है।

के० पंचापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम 1956 और लाईसुर ज़्ग्स एण्ड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० जी/स्टेट/3896/5614—कम्पनी अधिनियम 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि लाईसुर ड्रग्स एण्ड केमिकस्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बिशन सिंह जसवन्स सिंह कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के (इन लिक्विडेशन) के विषय में

जालन्धर, दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० जी०/स्टेट/560/2161/5550 — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना वी जाती है कि बिशन सिंह जसवन्त सिंह कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सीमेंट फैक्किस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० जी०/स्टेट/ 560/3022/5565—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सीमेंट फैक्सिक्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रीयान्स चिट फण्ड एण्ड फाईनेंससियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० जी/स्टेट/560/3170/5568—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना वी जाती है कि श्रीयान्स चिट फण्ड एण्ड फाई-नेंसियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० एम० जैन कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़ ।

ज़िंग

कम्पनी नियम, 1००६ और मेसर्स एम० पी० नैट्रीयूम

केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 26 अक्तूबर 1983

सं० 1408/सी० पी०/1567—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० एम० पी० नैट्रीयूम केमिकल्स 2—336GI/83 प्राह्मकेट जिमिटेड, इन्दौर का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गड़ा है और उक्त कम्पनी विर्धाटन हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेससं दो स्पन पाईप (सी० आई०) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 26 अक्तूबर 1983

सं० 273/सी० पी०/1568—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर में सर्स दी स्पन पाइप (सी० आई०) प्राइवेटड लिमिटेड, इन्दौर का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्त न किया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रिजस्ट्रार मध्य प्रवेश, ग्वानियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और मक्र्रलैण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पांडिचेरी, दिनांक 24 अक्तूबर 1983

सं 92/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर "मबरलैण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड " का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

बी० कोटेग्वर राव कम्पनियों का र<mark>जिस्ट्रार</mark> पांडिचेरी ।

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 24 अक्तूबर 1983

सं० एफ०-48-ए डी/एटी/1983 -श्री एन० सी० वतुर्वेदी स्थायी हिन्दी अनुवादक, आयकर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद पीठ जिन्हे तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में 'सहायक पंजीकार के पद पर, आयकर अपीलीय अधिकरण में तीन माह की अविधि के लिए दिनांक 16-5-83 से नियुक्त किया गया था देखिये इ.न कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक एफ०-48-ए डी/ एटी/1983 दिनांक 23-7-83 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण, दिल्ली पीठ, दिल्ली में उसी आधार पर सहायक पंजी-कार के पद पर और तीन माह के अविधि के लिए दिनांक 16-8-83 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं की जाती जो भी पहले हो, स्थानापन रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है। उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एन० सी० चतुर्वेदी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई बाबा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पालता ही प्रदान करेगी।

> टी० डी० सुग्ला अध्यक्ष

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजन बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अन्तूबर 1983

निदेश सं० ए० आर० 1/37ईई- 159/83-84--अत. मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमाइसेस नं० 8, ऐम्बसी सेण्टर है तथा जो नरीमन पाईट बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 24 फरवरी 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दिनांक 24 फरवरी 1983 को रिजिस्ट्री है को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंस्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिया, अधीत:—

(1) जैन एन्टरप्राइजेसप्रोप्राइटर वी० के० जैन फैमिसी ट्रस्ट

(अन्तरक)

(2) बलरिट फैमिली द्रस्ट ।

(अग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

आफिस प्रिमाइसेस ने० 8, 5 माला, ऐस्बसी सेण्टर-नरीमन प्लाइट- बस्बई-400021 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 1/165/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 फरवरी 1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज— **बम्बई**

तारीव : 12-10-1983

मोहर ः

प्रक्ष बाह् े टी. एन , एस ,======

बावक्ष वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की वृधीन स्वाना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक जायकरे जायुक्त (निर्देशिक्ष)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं० ए० ई०1/37 ईई०/150/82-83—अतः मुझे, आर० के० बकाया

नार्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 347, तीसरी मंजिल, बी बिल्डिंग केवल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, लोग्नर परेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 फरवरी 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी द्वारा रिजस्ट्री है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यामाड़ प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यथमान प्रतिफल का चन्तुहू प्रतिकृत वे बिभक है बीर अन्तर्क (बन्तर्कों) और अन्तरिती (बन्त्रितिकों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए त्य पाया ग्वा प्रतिकल, निम्नीविद्या उद्देशिय उक्त अन्तरण विस्ति वास्तिक क्या वे किया ग्वा है राम्मी

- (क) न्याह्म से हुई किसी नाम की बावस, स्वत् नियम के अभीन कर देने के जन्तरक के स्वित्यू में कभी करने या उससे अचने में सूबिभा के लिए; नार्द्र/या
- (क) होती किसी बाब या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, बिक्ह भारतीय बाब-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या बा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः क्व, उक्तु निभिन्यम् की भारा 269-म् कं निष्कुरण् को, को, उक्त अधिनियम का धारा 269-व की उपधारा (†) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स केवल बिल्डस प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स फिब्ब्रो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संप्रीति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

यूनिट नं० 347, तीसरी मंजिल बी-बिल्डिंग, केवल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, लोवर परेल, बम्बई-400013 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-1/134/82-83, और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10 फरवरी 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 14-10-1983

परूप आई∙ ठी० एस० एम०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निदेश मं० अ० ई० क० 2/495/37ईई०/83-84-अत: मुझे, एस० एष० प्रब्वास प्रविदी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मं० मर्वे नं० 263 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 8 (पार्ट), मालवणी विलेज, मार्वे रोड, माला (पश्चिम), बम्बई—64 है तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता के अधिकारी कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 फरवरी, 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी ध्रायुक्त सहायक आयकर (निरीक्षण), अर्जन इलाका नं० 2, के कार्यालय में विनांक 2 फरवरी, 1983 को रिजस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकार अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरंक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ग के वनुसदण में, में उक्त अधिनियम की धारा 2.69-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्ः— (1) दयनि।नी (इण्डो-सायगाव) कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) निलमकुलम धन्भप्पन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

७९न सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आश्चेपा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त सब्यों और पर्यों का., जो उच्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वंगसची

फ्लैंट मं० 313, 'लिक्ना', दिख्य पार्क, मालवणी विलेज, भारवे रोड, मालाड (प), बम्बई—400064 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अ० ई० क—2/430 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी,1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एच० एस० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीच 11-10 1983 मोह्र #

प्रकृष आई.टी.एन.एस.------

श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के संधीन सुवसा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 अक्तूबर 1983

निवेश सं० अ० ई० 3/37ईई०/544/83-84--अत: मुझे, ए० लहीरी भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उर्वित बाजार मृल्य 2,5,000/∘द० गे अधिक हैं। और जिसकी सं० 2420 स्क्वेयर यार्ड जमीन जिसका एस० नं० 60 ए०, एच० नं० 1 है, मुल्ंड (पूर्व), बम्बई-400081 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 216) के अधीन तारीख 17 फरवरी 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधाकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। को पूर्वीक्त संपत्ति को उच्चित् वाजार मूल्य से कम् के बरयमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में

> (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त् मिनियम् के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व, मं कमी करने या उससे ब्ल्ने में सृद्धिंग के लिए; आर्थ-/या

बास्तविक रूप से कर्िशत नहीं किया ग्या है :---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घर्म या घरून भास्तियों की, जिस्हें भारतीय भायकर शिव्यमिम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या घर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त वीभीनियन की भारा 269-ए के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निकन्तिवित व्यक्तियों, क्योंत् :--

- (1) 1. श्रीमती इन्द्रमती रतोलाल त्रिवेदी
 - 2. श्री रतीलाल गंकर लाल
 - श्रीमती कोकिला उपेन्द्र श्रौर
 - 4. श्री उपेन्द्र रतीलाल।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जमुनादास कानजी ठक्कर
 - 2. श्री किशोर शिवजी मोटा
 - 3. श्री खिमजी लाजी शाह और
 - श्रीमती ज्राती बेन मेघजी केनिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्कत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

2420 स्केयर यार्ड जमीन का जिसका एस० नं० 60-ए एच० नं० 1 है और जो, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-400081 ुमें स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रमसं अ० ई० 3/662/83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17/2/1983 को रिजस्टर्ड कियागया है।

ए० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽3, बम्बई

तारीख: 14-10-1983

प्रकृप बार्ड .टी. एन . ग्स . . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं० अ० ई०- 1/37 ई०/220/82-83—अत: मुझे, ए० लाहीरी

ग्रायकर घिष्टित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टित्यम' कहा नया है), की धारा 269-ख के ग्रजीत सक्षम शिष्टिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु∙ से अधिक है

25,000/- रु ले अधिक हैं
और जिसकी सं० श्री दोपक वसन्त महाडकर, 5/10 माडल
टाऊन को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिंम्टेड, गुलमोहरगार्डन्स स्कीम, यरी रोड, वेरसोवा, बम्बई-400061 में स्थित हैं
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28 फरवरी, 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयत (निरीक्षण), अजुंन इलाका-1 के कार्यालय में दिनांक 28
फरवरी, 1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान रितफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (चन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिबित नहें एय स उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक का में किना नहीं किना गया है —

- (क) अन्तरण नहाँ किसा आह को बाबत, उक्त अधि-रिया के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमा करने या उदार बचने में मुविधा के लिए। और/मा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के टिएए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

कृष्ण नात धवन।

(अन्तरक)

(2) श्री दौप ह वसन्त महाडकर।

(अन्तरिती)

(3) ट्रॉमसफेरी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है।) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

पलैट नं० 10, बिल्डिंग नं० 5, माडल टाऊन, सी० एव० एस० लिमिटेड, गुलमोहर गार्डेन्स स्कीम, यरीन्स रोड, वेरसोया, अन्धेरी, फेवेस्ट) बम्बई-400061 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रम ए० आर०- 3/389/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्यकर आयु त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 14-10-1983

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस. ------

अध्यक्त र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 में (1) के जमीन मुखना

भारत सन्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्सूबर 1983

निदेश सं० अ० ई० 1/37ईई०/137/83-84-अतः मुझे, आर० के० बकाया

नायकार जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 11 एवं 12, तीसरी मंजिल, विवेणी अपार्टमेंट्स, 577 एन० एम० जोशी मार्ग, 'एस०' किज के समीप, भाखला, बम्बई-400027 तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 फरवरी, 1983 और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दिनांक 3-2-1983 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पर्ति का उपित बाजार बूल्य, इसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिक्षत कथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निम्नलिबित उद्वेष्य से उक्त जंतरण निविक में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत,, उक्त शीधीनयम के अधीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) विश्वकर्मा बिल्डर्स प्रां० ति०।

(अन्तरक)

- (2) रमेश कुमार एवं प्रवीण कुमार मथानी । (अन्तरिती)
- (3) रमेश कुमार एवं प्रवीण कुमार मथानी (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त इंपरित हैं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

व्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वनुस्ची

कमरानं 11 एवं 12, तीसरी माला, तिवेणी अपार्टमेंटस, 577, एन एम जोशी मार्ग, 'एम' क्रिज के समीप, भाखला, बस्बई-400027 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि अर्जन इलाका क- 1/128/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 फरवरी, 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–I, ब्रम्बई

तारीख : 12-10-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निवेश सं० ए० आर०- /37 ईई०/634/82-83--अत:

मुझ, ए० लहीरी

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी स० इण्डस्ट्रीयल शेंड न० 264, ग्राडण्ड फ्लोर, फस न० 31, शिवकवित इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, एस० न० 79, एच० न० 15, एस० न० 80, एच० न० 1, मरोल विलेज, अन्धरी-कुर्ला रोप, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 है तथा जो अन्धरी (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी, 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख 'के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी , सहायक आयकर क्षायक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-3, के कार्यालय में विनौक 24 अक्तूबर, 1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृल्य, उसके इष्टयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बर्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुद्द[‡] किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---336GI/83

(1) मैसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शान स्युव सर्विसेस, बम्बर्ध-1।

(अन्तरिती)

क्षे यहस्यना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन्के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

जन्स्यी

इंग्डस्ट्रीयन शैंड न० 26, शिवशन्ति इंग्डस्ट्रीयल इस्टेट, एस० न० 79, मरोन विकेत, अन्धरो-कुर्ला रोड, अन्धरी, बम्तई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि अर्जन इलाका 3/589/82--83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 24 फरवरी, 1983 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-10-1983

मोहर ः

प्रकप बाई• टी॰ एन• एक•-----

भायकर अधिनियम; 1961 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के धंधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० आर०-II/37 ईई०/558/82-83--यतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजम बाबिकारी की, यह विक्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये बाजार मुस्य और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3-ए, पहली मंजिल, माहीम पोस्ट आफिस के पीछे, बम्बई--400016 है तथा जो माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित जिसका करारन।मा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा, 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका II के कार्यालय में दिनांक 8 फरवरी, 1983 की रजिस्टी है.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन अन्यः नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया चा का या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीशामलाल मोहनदास बीजलानी।
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सी० आर० स्मार्टाऔर श्रीआर० बी० स्मार्टा।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारी कसे 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मचना के राजपन में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा, अधोदक्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

अलैट नं 3-ए, पहली मंजिल, 'ओनर्स कोर्ट' माहीस पोस्ट आफिस के पीछे, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इनाका ऋम III/510 और जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 8 फरवरी, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अञ्जास अजिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, जम्बई

तारीख': 11-10-1983

प्रकप् बाइं. टी. एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिय) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० ए० ग्रार० 2/3500/82-83--अतः मुझे एस० एस० अब्बास अबिदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० दिपवर्णनी को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, मामलतदार वाडी, लिबर्टी गार्डन, सी० टी० एस० नं० 26/1 से 15 तक, सर्वे नं० 489, मालाड (पिष्पि), बम्बई है तथा जो मालाड (प०)में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क्र.) अन्तरण से धुद्द किसी जाग की बादत . उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे क्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

(1) श्रीमती जूबेदा अब्दुल हुसेन जमाल

(अन्तरक)

- (2) दिवरणाँनी को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड मद्रास । (अन्तरिती)
- (3) भाडूत (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वमा जारी करके पृथाँक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यब्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपर्भ में प्रकाशन की तारीख वे .45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन. की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भ्रनुसूची जैसा कि विसेख सं० एस० 912/81 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-2-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस॰ एस॰ अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

विनांक: 14-10-83

मोहर ः

प्रस्य भाइ . टी. एव. एस. 🖫 - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुनमा

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० ए० आर० 2/37 ईई-574/82-83--अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, गंगा अपार्टमेंट, टी॰ पी॰ एस॰ 1, बेसेंट रोड, सान्ताकूज (पिष्चम), बम्बई—54 में स्थित है तथा जो सान्ताकूज (प) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-83

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका—2 के कार्यालय में दिनांक 9-2-1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आयकी वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उत्सत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मैसर्स गोवानी बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंबाकुवर मनीलाल पारेख

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर न सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी वन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

नन्त्रची

पत्रैट नं ० 1 ग्राउन्ड फ्लोर, गंगा अपार्टमेंट, टीपीएस-1, बेसेंट रोड, सान्ताकूज (पिकश्म), बम्बई 400 054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क० 2/525 और जो सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 9-2-1983 को रजिस्टर्ड किया

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका ऋ० 2/525 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज 2, बम्बई

दिनोक: 13-10-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० अ० ई० 3/667/37ईई/83-84--अतः मुझे ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 4, व्हेनस बिल्डिंग नं ० 1, है तथा जो वर्सोवा, बम्बई 400 0058 में स्थित हैं (और इस उपाबच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-2-83 और जिसका करारनामा अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उसने अचने में सूविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में त्विभा के जिहा;

जतः अव, उस्त अभिनियम् की भारा 269-व के अनुसरक् मं, मं उस्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन्, निम्नुसिचित व्यक्तियों, अधीन् :--- (1) नेशनल एन्टरप्राइसेस बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री इनोसेंट फान्सीस डिसोझा

(अन्दरिती)

(3) अन्तरीती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

फ्लैट नं० 4, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० जी-4, (व्हेनस नं० 1), वसीवा कास रोड, चार बंगला, अन्धेरी (प), बम्बई-400 058 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई० 3/655/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख: 14-10-83

मोहर 🖔

ंप्रकृप शाई∙ंटी + एव+ एस+----

पायवार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रकीन सूचना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० अ० ई० 1/37ईई/118/83-84--अतः मुझे आर०के० बकाया

म्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 39, मारकेट, मनीष में स्थित है तथा जो पालटन रोड बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3~2-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, द्वारा रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, स्वल मिन-'नियम के बधीन कर देने के बल्तरक के बंगिरित में कमी करने या उससे बचने में 'बुविका के 'निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या मन्य मास्वयों की जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अमिनियम, या भागकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ भन्यरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या विया जानी अमिष्ण या, कियाने में संविधा के विष्

भतः भव, उन्त भविनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में,मैं, उक्त भविनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अब्दुल लतीफ ए० चुनावाला

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीणा जगदीश नानकानी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरीती (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुजुची

आफिस नं० 39, मनीष मार्केट, 2री मंजिल, नूसन पुष्पक प्रीमायसेस को-आपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड, 1, पलटन रौड, बम्बई 400 001 में स्थित।

अनुमूची जैसा कि सं० अ० ६० 1/114/82-83 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 3-2-1983 को रजिस्टर्ड कथा गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज 1, बम्बई

ता**रीख: 14-10-83**

मोहर 🖫

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० अ० ई० 1/37ईई/138/83—84——अतः मुझे आर०के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस रूम नं० 28, 12वीं मंजिल बिल्डिंग नं० 3, नवजीवन की-आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड तथा जो लेमिंगटन रोड बम्बई-400 008 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1983

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क). अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्राधित्व में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए:

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यितियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती अनसूया हिमतलाल दवावाला

(अन्तरक)

(2) श्री गुलामअली शमसुद्दीन मास्टर, प्रोपरायटर, इंटर आर्ट

(अन्सरिती)

(3) बन्तरीती (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधभोग में सम्पति है)

को यह स्चना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के ज्जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दिकरणः -- इंसमें प्रयुक्त शंक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिप रूम नं० 28, 12वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, नवजीवन को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, लेमिंगटन रोड, बम्बई 400 008 में स्थिव।

अनुसूची जैसा कि कि सं अ० ई०-1/120/82-83 और जो प्रभाम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 3-2-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बम्बई रेंज 1, बम्बई

तारीख: 14-10-83

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1983

निवेश सं० अ० ई०-1/37ईई/244/82-83-अतः मुझे आर० के० बकाया

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट 37, बिल्डिंग 7-ए, नवजीवन को-आप-रेटिय सोसाईटी लिमिटङ, तथा जो लेमिंग्टन बम्बई रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-2-83 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरफ लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—— (1) श्री नानीकराम गुरुमुखदास रोहीरा

(अन्सरक)

- (2) 1. जयेश रमणीकलाल मेहता
 - 2. हितेश रमणोकलाल मेहता
 - 3. कु० झरीन रमणीकलाल मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण :--इनमें न्युनन गड़कों घोर पदों का, जो खना प्रधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही घर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गर है।

अनुसूची

पर्नेट नं० 37, बिल्डिंग 7—र्, नवजीवन को-आपरेटिव हार्ऊर्जिंग सोपाईटो लिमिटेड, लेमिंग्टन रोड, बम्बई 400 008 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-1/155/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आरं० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 12-10-83

मोहर 🖫

प्रक्ष धाई० टी० इन० इस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

अम्बर्ह, दिनांक 12 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० ए० आर० 2/3495/82-83--अतः मुझे एस०्एच० अब्बास अविदी

प्रायक्तर अजिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाद 'उक्त अजिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अजीत सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/॰ ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 77, जयप्रकाण नगर, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63, सर्वे नं० 94, सी०टी० एस० नं० 431 है तथा जो गारेगांव (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 15-2-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिलत बाजार मूख्य से कम के दूब्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दुब्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूब्यमान प्रतिफल का प्रकार प्रतिकृत प्रविक्ष है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ज्ञन्तरितियों) के बीच ऐसे ज्ञन्तरण के जिबे तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निजिसित उद्देश्य से उद्गत भ्रम्तरण किस्तित में वाहत्यिक क्य से क्षित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्र्भुने में सुविधा के लिए; ज्रीट/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्राधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;——
4 —336GI/83

(1) श्री पांडुरंग ढोन्ड

(अन्सरक)

(2) नारायण महादेव तलवलकर

(अन्तरिती)

(3) भाडूत

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की जबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की क्षामील से 30 दिन की सर्विष, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के सध्याय 20-क में परिकाषित है, तही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

अनुसूची 7या कि विशेष संख्या 1189/78 और जो उप-रजिस्ट्रार वम्बई ब्रारा दिनांक 15-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अन्वास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 12-8-83

मोहुरु 🖺

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय , सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3,बम्बर्द बम्बर्ह, दिनोक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० अ० ई०3/37ईई/543/82-83--अतः मुझे ए०लहोरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2027 स्केयर यार्ड जमीन एस० नं० 20, एच० नं० 8,10 और 12~ए, सीटीएस०नं० 416, 153 और 155 के अधीन है मुलंड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 17~2~1983

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण तिस्तित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थील् :---

- (1) 1. श्रीमती इन्द्रमती एतीलाल निवेवी,
 - 2. श्री रतीलाल शंकरलाल
 - 3. श्री उपेंद्र रतोलाल
 - 4. श्रीमती कोकिला उपेंद्र

(अन्तरक)

- (2) 1. लाहेरचन्द मेघजी शाह
 - 2. शांतीलाल एस० भोटा
 - 3. किशोर मंगलदास पालान
 - 4. रमेश देवजी ठक्कार

(अन्सरिती)

(3) झोपड्रपट्टीवासी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में स्थित है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत,
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्त्स लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2027 स्स्वेयरयार्ड एस०नं० 20, एच० नं० 8, 10 और 12-ए, सोटोएस नं० 116, 153 और 155 के साथ, मुर्लुड (पूर्व), बम्बई 400 081 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-3/663/83 और जो सक्षम प्राधिक।री, अम्बई द्वारा दिनांक 17/2/1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्स आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्ब**ई**

तारीख: 14-10-83

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • --

भ्रायकर श्रक्षिनियम; 1961 (1961 का 43) की खार। 269-व (1) के भ्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० अ० ई० 2/37ईई/394/82-83-अत:, मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

घाय कर श्रधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धर्धींच खख्म श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- र॰ से धर्धिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 263 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 8, (पार्ट) है तथा जो मालवणी व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन तारीख 2-2-83 और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ईलाका-2, के कार्यालयों दिनांक 2-2-1983 को रजिस्ट्री है। को पर्वे 🖛 ता भंपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक ते हुई किसी आग की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐमी किसी प्राप्त म किसी मन ए प्रनय प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय कर श्रविनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रिबिनियम, या धन-कर ग्रिबिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दर्यानानी (इन्डो-सयागांव) कन्स्ट्रक्शनस प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री कित्ताप्पन राधाकृष्णनन

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अअंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसनें प्रयुक्त जन्दां प्रौर पदीं का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 213, 2री मंजि 1, व्याक डो, 'निद्रा', मालवणी व्हिनेज, मार्ने रोड, मानाड (\mathbf{I}), जन्बई-400 064 में स्थित । अनुसूचो जैसा कि अ० ई० 2/429 और जो सक्षम प्राधिक।री बम्बईद्वारा दिनांक 2-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एस० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 2, बम्बई

त:रीख: 11-10-83

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1983

निवेश सं० अ० ई०-1/37ईई/145/83-84--अत:, मुझे, आर० के० बाकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं का जाफस प्रेमिसेस नं कि 306, दलामाल टायर, गव्हर्मेंट, फ्लैट नं 211, ब्लाक 3, है तथा जो नरीमन प्वाइंट, वम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-83 और जिस का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 ी धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका-1 के कार्यालय में दिनाक 19-2-1983 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्रैर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अष्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) इंडियन कार्डामोम ग्रोवेर्स कारपोरेशन लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) एम/एस० ब्लिस एन्टरप्राईसेस

(अन्तरिती)

(3) एम/एस० ब्लिस एन्टरप्राईसेस

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कथोलिक सिरियन बैंक लिमिटिङ । (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दियो जा सकने।

स्थाकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

आफिस प्रेमिसेस नं० 306, दलामाल टावर, गवर्नमेंट प्लाट नं० 211, ब्लाक 3, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-400 021, में स्थित। अनुसूची जैसा कि अर्जन इसाका क०-1/148/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-83

मोहर 🖫

प्रकृप पाई० टी० एम० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक शायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि 1, बम्बई

बम्बई, दिनोक 12 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० अ० ई०-1/37ईई/126/83-84--अतः मुझे, आर०के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं कमरा नं ० 61, एड मिसरिंग अबाउट 230 स्क ० है तथा जो फीट बिल्ट एरया, 7वी माला, राजगीर चेम्बर्स, 12/14 महीद भगत सिंह र. इ. ओप० ओल्ड कस्टम हाऊस, बम्बई-400 023 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1983, और जिस का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका-1, के कार्यालय में दिनाक 3-2-1983 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल निम्मलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृिवधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- (1) श्री एस० एस० राजगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री बिज मोहन एल० सरदा।

(अन्तरिप्ती)

को यह स्वना जारी कारके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर संपित्त में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः — इसमे प्रयुक्त कब्दो और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कमरा नं० 61, 7वी माला, राजगीर चैम्बर्स, 12/14 ग्राहीद भगत सिंह रोड, ओल्ड कस्टम हाऊस, बम्बई-400~023 में स्थित है। अनुसूची में जैमा कि अर्जन इलाका क्र०-1/37ईई/123/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-83

मोहर 🛭

प्रंरूपे भाष े दी. एनं. एसं.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० अ० ई०-1/37ईई/-/136/83-84--अतः, मुझे, आर०के० बकाया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आनरशिद आफिस प्रमिसेस नं० 66, 7वी माला, राजगीर चेम्बसं, 12/14, है तथा जो शहींद भगतसिंह रोड, ओप० ओल्ड कस्टम हाऊस, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-1983,

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका—1 के कार्यालय मे दिनांक 10—2—1983 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वितिस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) श्री एम० एस० राजगीर चैम्बर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल वी० सामन्त।

(अन्तरिती)

(3) श्री अनिल वीं ० सामन्त । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वीरा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणे:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रेमिमेस नं० .66, 7वी माला, राजगीर चेम्बर्स, 12/14, शहीद भगत सिंह रोड, बम्बई-400~023 में स्थित । अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्र-1/138/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन-रेंज 1, बम्बई

तारीख: 12-10-83

प्रकल आहाँ . टी . एन् . एस . ------

आगक्तर अभिगयम 1961 (1961 का 43) की भारा 200-च (1) के संधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनाक 12 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं०७० आर०I/37ईई-130/83-84--अत', मुझे, खार० के० बकाया,

मायक प्रविधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-ख के प्रधीन उक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छवित बाजार मृह्य 25,000/- त० से अधिक है

जौर जिसकी सं० (1) फ्लैट नं० 2, बिल्किंग 'उर्वक्षी' है तथा जो आफ सयानी रोड, प्रभादेवी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुस्स्त्री में और पूर्णस्प से वर्षणत है), और जिसका करारनामा वायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन, अम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय है दि० 3-2-83 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्वित में बास्तिक रूप से कथित गई किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की वाक्ता, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करुने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय धाय-कर धिवित्यम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अअ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) एवरेस्ट खिल्डर्स,

(अन्तरक)

(2) (1) कुम सपमा रामराव (2) ष्ठा० युन्नावा गांधी रामराव ।

(अःतरिती)

(3) एवरेस्ट बिल्डर्स

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) आर० डी० एज्केशन ट्रस्ट (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्ह्रस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना बादी कर्ड पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुसा है।

अनुसूची

फ्लूट नंम 2, 6वा माला, बिल्डिंग 'उर्वशी' सयानी रोड, बम्बई-400 025 अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका त्रमांक 1/ 115,/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिम 3-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, बम्बई

दिनांक : 12-10-83

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस.,-----

मायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

माउद स्टब्स्

कार्यांचय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-I, बम्ब ξ बम्ब ξ , दिन † क 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० आर० 1/37ई०ई०-216/83-84---अतः, मुझे, आर० के० बकाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिमकी सं० रूम नं० ए०-1, ज्वेलर्स अपार्टमेंटस् है तथा जो पीडर्स रोड में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-1 के कार्यालय में दिनांक 21-2-83 को रजिस्टी है

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाबत् उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री विद्वलभाई एल० पटेल,

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर जें० टन्ना,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शन्यों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

अनुसूची

रूम नं ० ए०-1, ज्येनसी अपाटमेंट्स, 56 पीडसी रोड, बम्बई-400 026 अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 1/150/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आंर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—I, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

विनांक : 12-10-83

भाग III—सण्ड 1]

प्रकथ. बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रें ज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० आर० 1/37ईई०-119/83-84-अत:, मझे, आर० के० बकाया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफीस प्रिमाइसेस नं० 1 रेवा चेंबर्स है तथा जो न्यू गरीन लाइन्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 2 और जिसका करारनामा आयकरल धिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के धीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर अध्वत अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दिनांक 3-2-1983 को रजिस्ट्री है.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तिक रूप से किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 5--336GI/83

(1) श्री अलसैयद सदरहीन अलजिलानी

(अन्तरक)

20723

(2) श्री उमेश व भाटिया प्रोप्राइटर आफ मेसर्स उमेश कारपोरेशन

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को संबंध में काोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटनेकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

आफिस प्रिमाइसेस नं० 1, ग्राउंड फ्लोअर, रेव। चेंबर्स प्रिमाईसेस को० आपरेटिय सोसायटी लिमिटेड 31, न्यू मरिन लाईन्स, बम्बई-400 020 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 1/124/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1983 को रजिस्टुर्ड किया गया है।

> आर० के० चकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज–।, बम्ब**ई**

दिनांक : 12-10-83

नोहर :

प्ररूप बार्ड : टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-। बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं अ अ र्व व 1/37ईई/161/83-84--अन,: मझे, आर० के० बकाया,

अगयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269- व के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रु. से अफीयक हैं

और जिसकी सं० युनिट नं० 345, तीसरी मंजिल, केवल इण्ड-स्टियन ईस्टेट, लोअर परेल, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारो के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 फा 16) के अयोन, दिनांक 10-2-83 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यावय में रिजस्दी

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों फो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधतु 🖫 —

(1) केवल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड,

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मेहता फैमिली ट्रस्ट,

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, फो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्ता' अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

युनिट नं० 345, तीसरी मंजिल, बी०-बिल्डिंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अ० ई 9-1/132/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 14-10-83

मोहर 🕄

प्ररूप जाई.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत.सरकार कार्यालय,सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० अ० ई०-1/37ईई/134/83-84--अतः मुझे, आर० के० बकाया,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिस, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं व्यूनिट नं 2 शिव इण्डस्ट्रियन ईस्टेट, परेन रोड, कांस लेन, भायखना, बम्बई 400 013 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-2-1983, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के आधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है,

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तो से अधिक में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) आर० बी० इण्टरप्राइजोस ।

(अन्तरक)

(2) श्री अभर जे० ग्रामा और श्री ऊस्मान जे० शामा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह⁴।

नन्सची

यूनिट नं० 2, शिव इंडस्ट्रियन ईस्टेट, परेल रोड, क्रांस लेन, भायखना, बम्बई---400 013 में स्थित है।

अनुसूचो जैपा कि कि० मं० अ० ई० -1/119/82-83 और जो, सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1983 को रजिस्टई किया गया है।

आर० के० खकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-॥, बम्बई

दिनांक: 14-10-83

मोहार 🖰

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भाग अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-i, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अक्तूबर 1983

निर्देश सं ए० आर० 1/37 इइ-149/82-83---अतः मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, 3रा माला निर्मला महल को० आपरेटिव हाउनिंग सोसायटी, लिमिटेड है तथा जो बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-2-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में ऋम सं० अर्जन इलाका 1 के अन्तर्गत तारीख 11-2-83 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि सिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती नर्बवाक्षेन जजलाल मेहता (1) श्रीमती लीलावती पी० कोठारी (2) श्रीमती वनिता एस० कोठारी, (3) श्रीमती सुमन आर० कोठारी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नर्वदायेन व्रजलाल मेहता

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

पलैट नं ० २३: ३रा माला, निर्मला महल, को० आपरेटिव हार्जीसंग सोसायटी, बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई-26।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका 1/37 इइ-144/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 11-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-1983

प्ररूप आर्थ. टी. ५४. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अन्तूबर 1983 निर्देश सं० अ० ई०--I/37ई\$/80/83~84---यत. मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० फ्लैंट नं० बी-20, सुमगल की-आपरेटिब हार्जिना सोनायटी लिमिटेड, गायन-ड्राम्बे रोड, बम्बई 400022 में स्थित हैं (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्प से वर्णित हैं), और जित्ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनाक 3-2-1983 रजिस्ड्री है।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने भे शृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरेश एम० नाईक

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र के पूधान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के आर्थ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-20, सुमंगल को-आपरेटिब हाउसिंग सोपायटी लिमिटेड, सायन-ट्राम्बेरोड, बम्बई $400\,022$ में स्थित । f(1) िह क० म० अ० ई०-126/82-83 और जो, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, बम्बई

दिनांक : 14-10-83

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

भाग तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।, बंबई

बंबई, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं. ए. आर./37इइ-167/83-84—यतः मुक्ते, आर. के. बकाया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्यं से प्रधिक है और जिसकी सं. फलैंट नं. 9, श्री निकतन ही तथा जो महर्षि कर्लों रांड में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत ही और जिसका करोरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दि. 21-2-83 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रजितन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रश्चिक है और प्रभारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर धिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में पृथिका के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. डा. जा पाल कोलको.

(अन्तरक)

2. श्री संफउदिदन ए. उपलतवाला और श्रीमती शिरीन एस. उपलतवाला।

(अन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण !---इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अय होगा, जो उन प्रश्नाय में विया गया है ।

अमुस्ची

फ्लैट नं. 9; 2 रा माला, श्री निकेशन, न्यू मरीन लाइ न्स, महिष कर्यो रोड, इम्बई-400 020 अन्सूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 1/153/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दि. 21-2-83 को रजिस्टई किया गया है।

आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1,, बम्बई

तारील : 12-10-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अक्नूबर 1983

निर्देश सं० अ० ई०-I/37ईई/163/83-84--यतः, मुझे, अगर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० आफिस नं० 604, दलामल टावर, नरीमन पाइंट, बम्बई 400 021 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 24-2-83 रजिस्ट्री है। को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्क हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार मृल्य, उसकों दृश्यभान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिन्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण हो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) इ।यना ईस्टेट प्राइबेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) वृज इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अना व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नै० 604, 6ठी मंजिल, वलामल टाबर, फ्लैट नं० 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-400 021 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-1/166/82-83, और जो बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 24-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, बस्बई

विनांक : 14-10-83

मोहर 🥫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक : 14 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० अ० ई०I/37ईई/189/83-84--यतः, मुझे. आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 23, फैंज -ए-एड्रोस, नरसीनाथा स्ट्रीट, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा आरकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 21-2-83 को रजिस्ट्री है को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइं िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन्, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स गीतीलाल प्रकाणचन्द

(अन्तरक)

(2) श्री विजय टी॰ पमनानी और श्रीमर्ता सुर्शाला टी॰. पमनानी

(अन्सरिती)

(3) टी० विजय कुमार एण्ड कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु—।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 23, फैंज-ए- एड़ोस, 371/373, भरमीनाथा स्दीट, बम्बई-400 009 में स्थिस ।

अनुमूची जैसा कि कि कि सं० अ० ई०-I/157/82-83, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, बस्बर्क

दिनांक: 14-10-83

प्ररूप आहुर्. ट्री. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभी सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० अ(र०-I/37ईई-142/83-84--यतः, मुक्को, आर० के० बक(या,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उज्जित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

25,0007- र.. स कार्यक हुं और जिसकी सं० पलैट नं० बी-2, पृथ्वी अपार्टमेंट्स है स्था जो अस्टामांउंट रोड, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक अध्यकर आधुक्त, अर्जन इलाका-I के कार्यांक्य में दिनांक 19-2-83 को रजिस्ट्री है, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं बौर मुठें वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, किन्न रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वायत उक्त नीध-नियम के भ्षीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व की कमी करने या चन्छे वचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कीं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---- 6---336 G1 /83

(1) मेसर्स मिनू बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मेतर्स एसक्कायर विडिओ फर्म सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पलैट नं॰ बी-2, 2रा माला, पृथ्वी अपार्टमेंठ्स, अस्टा-माउंट रोड, बम्बई । धनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 1/146/82-83

और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ(र० के० बक्रायः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, बम्बई

दिनांक: 12-10-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० अ० ई०-I/165/37ईई/83-84--यतः मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-102, पूर्णिमा अपार्टमेंट्स पेडर रोड, करमायकेल रोड जंक्शन, बम्बई-400 026 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अवीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीखा 10-2-83 को रजिस्दी है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल के एसे दृश्यमान प्रतिफाल की पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारां (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) स्यूसन टेक्स्टाईस्स बेअरिंग्स लिमिटेड, बम्बई । (अन्तरक)
- (2) बाब्भाई वेसाई फैमिली ट्रस्ट ।

(अन्सरिती)

- (3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती दूस्ट के दूस्टी सर्वश्री एस० पी० मेहता, एस० एन० देसाई और डी० एन० देसाई और बेनीफिशीअरी अभय डी० देसाई और अमला डी० देसाई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकेप्**वॉक्त सम्पत्ति को वर्चन के लिए** कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अयधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-102, पूर्णिमा अपार्टमेंटस, पेडर रोड, बम्बई-400 026 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अ० ई०-I/82-83 और जो बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 10-2-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अ(युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ब्राम्बई

दिनांक : 14-10-83

भोहर:

प्ररूप माइ. टी. एनं . एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज़न रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० आर०-I/37इइ/128/83—84----यस:, मुझो, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, समुद्र सेतु है तथा जो भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक आकर आयुक्त, अर्जन इक्षाका-I के कार्यालय में तारीख 3-2-83 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ अभिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे ब्याने में सुविशा को लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र---

- (1) श्री गोबिन्द कलियानदास दर्यानानी, प्रोप्राइटर आफ मेसर्स इण्डो-सायगान एजेंसी (अन्तेरक)
- (2) (1) रवी अरविंद पालट (2) श्रीमती पुष्पा पालट (3) रघु रावजन्नी पालट

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यी

पलैट नं ० 102, 1ला माला, समुद्र सेतु, 51—इ और 51—एफ, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई—400026। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक I/121/82—83 और जो सक्षम प्राधिक्तारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3—2—83 को रजिस्टर्ड किया गया है

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, बम्बई

दिनोंग: 12-10-83

प्रक्य वार्षं.टी.र्व.एस.-----

ग्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 चा 43) की बारा 269व (1) के श्रवीन सूचना

भारत सरकार

कंपर्यंत्रय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० अ० ई०-I/37ईई/125/83-84---यतः मुझे, आरर० के० बकाया,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 6वी माला, 'उर्वशी' विडिंग प्रभादेवी उर्वशी सामनी रोड, बम्बई 409 025 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण), अर्जन इलाका I, के कामस्यि में दिनांक 10-2-83 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिलक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थान्योंक्त सम्पर्तित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से ऐसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रहें प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है 1—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) हैसी किसी भाष पा किसी खंव या अन्य धारिताओं को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना चाहिए था खियाने में सुधिका के जिए।

बद्ध: अब, उक्त निभीन्यन की भारा 269-ग की ननस्रक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) को सभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैंसर्स एवरेस्ट किल्डर्स

(अन्तरक)

(2) डा॰ (श्रीमती) तारा रामराउ

(अन्तरिती)

- (3) एवरेस्ट बिल्डर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) आर० डी० एजूनेशन ट्रस्ट (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मन्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सन्यत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्मध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्मध, जो भी धर्मध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थायर सम्यक्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्तित वें किस का नकेंगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, गहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, 6वीं मॅजिल, 'उर्वसी' सामनी रोड, बम्बई— 400 025 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका ऋ०-I/135/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 10-2-83 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> अगर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, बम्बई

दिनांक: 14-10-83

प्ररूप धार्षे० टी० एन० एस०---

नाय्फर निभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-क (1) ने नुभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० आर०—I/37ईई/250/83→84——यतः मुझे, आर० के० बकाया,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269- व की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाबार म्रूप 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 1, सागर दर्शन, न्यू सागर दर्शन को—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड है वथा जो मुलाभाई देसाई रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-I के कार्यालय में दिनांक 24-2-83 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए त्यू पासा ग्या प्रति-क का निम्मीतियों उद्योग से उन्तर्य के लिए त्यू पासा ग्या प्रति-क का निम्मीतियाँ उद्योग से उन्तर्य के लिए त्यू पासा ग्या प्रति-

- (क) नन्तरण से इर्इ किसी जान की नाक्त उपल निय-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के कवित्य में कमी करने या उपले नक्ते में सुन्धिम के जिल्हा; नौर/वा
- (व) ऐसी किसी अब या किसी थन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम या धनुकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसावनार्थ अन्तिरित क्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सन, उन्त नाँभानियमं की भारा 269-ग के, अनुक्रुरुष में, में, उन्त निधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के नुधीन, निस्मृतिविद व्यक्तियों, अर्थाद ६--- (1) श्री कोबास ए० बिसीचोडीवाला

(अन्सरक)

(2) श्री जिगरभाई सत्तार रंगूनवाला

(अन्तरिती)

का यह सूचना चाड़ी कड़के पृत्रिंगत स्म्म्रित के वृत्रीन के निए कार्यवाहियां कड़ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस तुष्यत्म के राजवंश में भ्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति से भी अधि वाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीचा से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा⁴ बद्ध किसी धन्त व्यक्ति व्वारा अवोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकागे।

स्पद्धतिकरभा:---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पूर्वों का, को उपकड़ अधिनियम को अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

अभूषुची

फ्लैंट नं 1, 1ला माला, सागर वर्णन आफ स्यू सागर वर्णन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 81/83, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400 036

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक -1 /169/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 24-2-83 को र्जास्टर्ड किया गया है।

> आर० के० नकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नम्बई

दिनोक: 12-10-83

मोहर 🛭

प्रकप नाइ.टी.एम.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निर्धेश सं० अ॰ ६०-1/255/37-ईई/255/83-84--यत: मुझ, आर॰ के॰ बकाया,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 229, बूसरी मंजिल, शाह एण्ड नाहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोखर परेल, बम्बई में स्थित है। (और । इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का,ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 4-2-83 रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीथ एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्रिंशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एसी किसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: सर्व, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की, नमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सभीन, निक्निसिक्त व्यक्तियों, नर्जास् !---

- (1) मेसर्स शाह एण्ड नाहार एसोशिएट्स, बम्बई (अन्सरक)
- (2) **ग्रोट्टी गारमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड**, बम्ब**ई** (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थलकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स्ची

यूनिट नं० 229, दूसरी मजिल, शाह एण्ड नाहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल कंपाउन्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई --400 013 में स्थित ।

अनुसूची जस। कि ऋ० सं० क० ई०-I/234/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 4-2-83 को रजिस्टई किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

विनोक : 14-10-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 258/83-84-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 135/2 है तथा जो वड़लापुड़ी वैझाग में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसीं व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात्:--- (1) श्री पी० सूर्यंजनार्धनपाव और अन्य, पिता लेट श्री-प्रवातय्या, गवपालम, अनकापल्ली, वैज्ञाग।

(अन्तरक)

(2) ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन आफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, 75, फीट रोड, वैझाग-2।

(अम्बरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुई 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

एस० नं० 135/2, भूमि, विस्तीर्ण 1.50 एकड़ वड्लायुडी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1446और 752/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैझाग।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 5-10-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैरदराबाद

हैरपराव।व, दिनाक 5 अव : 1983

निदक्त सं० आर० ए० सी० नं० 259/83-84-यतः मुझो, एम० जेमन मोहर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधक हैं

और जिसकी सं० 19-1 की है तथा जो लाम विलेज, गुटूर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के कंकह प्रतिकत से अधिक है और अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की फिन्ह भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिख;

अतः अतः अत्रक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निण्डिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री डी॰ मलीकार्जुन राव पिता श्री साइलयती, लाम विलेज, गूटूर।

(अन्सरक)

(2) डी० वेंगलराव बालिक श्री डी० वेंकटेस्वरलू, काकूमानूवारी स्ट्रीट, गूटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खूबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 4 एकड़, 30 सेंट्स, डी० नं० 19-1 बी०, लाम गांव, गुटूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 897/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुटूर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 5-10-1983

प्रकप बाई । टी । एन । एस ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के बधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 अक्तूबर 1983

निवेश सं० अत्र० ए० सी० नं० 260/83-84--यतः मुझो, एम० जेगन मोहन,

सायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है

और जिसको सं 30-9-1 है तथा जो रजमुंड्री में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजमुंड्री में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिशत से श्रीधन है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण कि खिख में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्त प्रक्रितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक्ष्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष था किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, था धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विभाग जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

बत: घव, उक्त श्रिधिनियम की भ्राप्त 269-ग के भगुषरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1.) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 7—336GI/83

(1) श्री एन० नागलाई पिता श्री अपलराजू, यनानुष्ठवारी स्ट्रीट, राजमुंड्री, ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री कें नागे स्वर राव एण्ड संस, कतकम सत्यनारायणा पिता श्री नागेस्वर राव, जामपेटा, राजमंडी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचिमा जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्षम के सिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लारी के से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवस किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सन्द प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति डी० नं० 14/231, सी० एस० नं० 30— 9-1,राजमुंड्री, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1233/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, राजमुंड्री ।

> एम० जेगन **मोहन** सक्षम प्राधिकारी सह।यक अ।यकर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

सारीखा : 5-10-1983

मोहर ;

प्रकृप आई ्टी . एक् . एस् . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 261/83-84 - यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव टीव एसव नंव 1938/3 है सथा जो राजमुंड्री में स्थित हैं (और इससे उपाबज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्स्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमुंड्री में रिजर्स्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिपत्त को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एगे अन्तरण के लिए तय पाया गदा प्रतिकार निम्मालिक उद्दर्भ में उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक किया से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सन्तिन, निम्नलिखिल व्यक्तिसमां, अर्थातः :--- श्री सी० एच० जगवीम,
 की नं० 22-9-5/1,
 कीरकोंडा रोड,
 वीरभन्ना पुरम,
 राजमुंड्री ।

(अन्तरम)

(2) श्रीमती के बरलक्ष्मी, वेस्ट पार्क रोड, सूरा रेड्रवी बिल्डिंग्स, राजमुड्डी ।

(असरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पुनोंकत सम्पृत्ति के नर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्≥--

- (क) इस सूचना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों मर सूचना की साजीन से 30 दिन की अवधि; को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (अ) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा स्कॉर्ण।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुलो जमीन, टी० एम० नं० 1938/3, राजमुंड्री, विस्तीर्ण 3920 5, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1087, 1088, 1089/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, राजमुंड्री ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

क्षारीख : 5-10-1983

श्रूकप् बाह²ं टी_ं पूज् पुरु पुरु

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हदराबाद. हदराबाद, दिनांक 5 अन्तूबर 1983

निर्देश सं० आए० ए० सी० नं० 262/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 हुए. से अधिक हुँ

और जिनकी सं० 45-155-11/1, 45 8 और 45-151.2 है सभा जो साक्षीतोष्टा, राजमुंड़ी में स्थित ह (और इमसे
उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजमुंड्री में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अभीत, मारोख फरवरी, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान
प्रतिपक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिक्त का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नतिकित उद्दर्श्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सृविधा से लिए और/या
- (श) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० एच० बी० हरीम पिक्षा श्री जगदीम्बर राव और अन्य, 22-9-5/1, वीरभद्रा पुरम, राजमुंद्री ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० राजकुमार और अन्य, पिता श्री रामचन्द्र राव, क्लाथ मर्चेंट, जय कृष्णापुरम, राजमंडी: ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृतांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के ट्रिल्यू कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्मीलं से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूचों कर व्यक्तियों में से किसी स्मन्ति बुवाराः;
- (क) इब सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्युक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

यन्स्यी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 4573 चौ० गज, ब्रोडीपेटा, जोन नं० बी० इत्रक 27, ताडीयोटा राजगुड़ी, रिजिल्ट्रीकृत विलेख नं० 627/84, 628, 629/83, रिजिल्ट्रीकृत अधिकारी, राजगुड़ी ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायज आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1983

प्रकप बाई.टी.एन्.एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्यः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण्) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 263/83-84--यतः, मुझो, एम० जोगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के वस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. से अधिक है

और जिसकी सं० 469/2 है तथा जो पालचेरला, राजमुंड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, राजमुंड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में आस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री वाई० विजयकुमार और अन्य, पिता श्री वेंकटगिरी, कोलमुक्शिवाक, कोंथुमुक्त।

(अन्तरक)

(2) श्री पी॰ रामवास पिता श्री अपला नायडू, सेकेटरी ए॰ प॰ एलकट्रीसिटी इम्पलाइज कोआपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी, राजमुंड्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

खुली जनीन, विस्तीर्ण 5 एकड़, 50 सेंट्स, पालचेरला, एस० नं० 469/2, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1143, 1144, 1182, 724, 725/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजमुंड्री।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. दी. एन. एस.----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अन्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 264/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 153 है तथा जो आटो नगर, पटमटा विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जी॰ मारयना और अन्य, विजयवादा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ कशोर पिता श्री वें कटेस्वर राव, मैनेजिंग पार्टनर, श्री सीता आटोमोबाइल, इन्जीनियरिंग वक्सं, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्समंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

घर सम्पत्ति डी॰ नं० 20-217, आर॰ एस॰ नं० 153, आटो नगर, पाटमोटर विजयवाडा, विस्तीर्ण 500 चौ॰ गज, रजिस्ट्रीजृत विलेख नं० 1397/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एमें० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

वारीख: 5-10-1983

प्रस्थ्य बाइ . टीं. एंस. एस.----

कायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म्(1) के अभीन सूर्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अन्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी॰ नं० 265/83-84---अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जितकी सं० एन० टी० एस० नं० 74 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इतसे उगावत प्रापुनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधिकारी क कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीत, तारीज फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्षास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार क्रूच्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उजता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुनिधा के लिए; और भा
- (क) ऐसी किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः **अय**, उत्थत अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरणं

में., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन., निम्नलिक्षित व्यक्तियाँ, अर्थात :--

(1) श्री एस० राम हुव्या पिता श्री लक्ष्मी नारायणा, कांग्रेस आफिल रोड, गवर्नरपेट, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री पी एस० वी प्रसाद, मूर्ति, राजू, पिता श्री सीताराम राजू, लब्बीनेटा, विजयवाडा—10 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्मन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियाँ पर सूचना की बामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त अविकाशों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 किए के भीतर उक्त स्यांबर सम्यक्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनश्चा, से अध्याम 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया नुसाही।

अनुस्ची

खुली जनीत, 7366/9 जो० गज, एन० टी० एस० नं० 74, विज्ञानकाडा, रजिन्द्रीकृत विलेख नं० 1463/8 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, विज्ञानकाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1983

माहर:

प्ररूप बाहु*, टी. एन. एस. →------

भायकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीत स्वता

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराजाव

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1989

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 266/83-84--यतः, मुझै, एम० जेगन मोहन,

कारकार किभिनिसम, 1.961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की अप्तय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-17-7 है तथा जो कोथापेटा, विजय-बाडा में स्थित है (और इससे उपावद प्रनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिजयबाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि प्रभाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असकी क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय नाथ-कर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिभा के लिए;

मतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्भात् :----

(1) श्री एम० रमेशबाबू पिता श्री कोटेस्वर राव, वामकूलमवारी विधि, कोथापेटा, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

(2) श्री के० मुरली भ्रष्णा एलियास भ्रष्णामूर्ति, पिता लेट श्री सिम्हाचलम, पुलीवीडीवारी स्ट्रीट, विजयवाडा-1 ।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा कारी करके पूर्वों क्या संपरित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कारत सम्परित को नर्पान को सम्बन्ध में कोई भी गांधीय:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्क्वस्वभ्धी स्थानित मों पर स्थान की ताभी ज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत स्थानित हों में से किसी व्यक्ति स्थान ह्यारा;
- (क) इस अपना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास, लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं क्यें होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या हाँ।

जन्स् की

घर सम्पत्ति डी॰ नं॰ 11-17-7, कोयापेटा, विस्तीणें 488 चौ॰ गज, रजिस्ट्रीइत विनेख नं॰ 1573/83, रजिस्ट्री-कृती अधिकारी, विजयवाडा ।

एम॰ जेगन मौहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 5-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निवेंग सं० आर० ए० सी० नं० 267/83-84--यतः, मुझे, एस० जेगम मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० टी० एस० नं० 8 है तथा जो जाहगीर माचवरम, विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जनत श्रिष्ठित्यम के भ्रष्टीत कर देने के श्रन्तरक के दॉविंग्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिंधिनयम या अनकर बिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्यरिती धारा प्रकट नहीं किया पया वा या किया जाना चाहिए वा जिनाने में मृविद्या के निय;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) वक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, आंध्रा हैदराबाद बाई मैनेर्जिग ट्रस्ट्री, राधा कृष्णा जोगी, सेकेटरी चीरा ऊठ सुवामन्यम ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० नागेन्द्र कुमार पार्टनर विस्वेस्वरा कन्स्ट्रक्शन्स, हनुमानपेट, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी जुरु पूर्वीक्त ईपित्त के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

खुली जमीन, एन० टी० एस० नं० 8, विस्तीण 518 चौ० गज, जाहगीर माचवरम, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1593/83, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्रकृप नाइ. टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देण मं० आर० ए० सी० नं० 268/83-84--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एस नं 200 है तथा जो वेदारी जंगस्यापेटा, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेगस्यापेटा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्स संपत्ति के जिल्ला वाकार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंसह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिकत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसो धन या घम्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिषितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धनकर घषि-नियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरम में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—3363GI/83 (1) श्रो के॰ गोपी प्रताद पिता श्री श्रीमन नारायणा, लक्ष्मीपुरम, गुटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीमन नारायणा पिता श्री पूडलीकाक्षडू, डायरेक्टर हेमान्द्रि सीमेट्स लि०, लक्ष्मीपुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म जनिय द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

वनसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 8 22 एकड, एम० नं० 200 वेदारी जेगस्यापेटा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 186 और 156/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जेगस्यापेटा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 5-10-1983

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

भाय अप अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 269/83-84---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 174-2 है तथा जो चीलकलूरीपेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिलकलूरी-पेटा में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ;—— (1) श्रीमती के० सामराजम्मा पति श्री रामकोटा रेड्डी, चिलकल्रीपेटा, गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पूरुनाराव पिताश्री चलपतराव, चीलकलूरीपेटा, गुंटुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्िक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया हैं।

अनुसूची

बंजर भूमि, विस्तीर्ण 1 एकड़ 20 मेंट्स, डी० नं० 174-2, चीत्रकलूरीपेटा, नरसारावपेटा रोड, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 126/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीलकलूरी-पेटा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5~10-1983

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के नभीत स्थना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैइराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 270/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा सं अधिक है

और जिसकी सं 14-सी है तथा जो विद्या नगर, गुंटूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुट्र में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० कोटेस्बर राव । पिता श्री वेंकटस्वामी, ओल्ड गुँटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० नागेस्वर राव पिता श्री कृष्णानय्या, जे० ई० एस० एफ० सी०, कक्जेल स्टेणन, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्रित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अध्ाहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 435 ची० गज, विद्यानगर, डी० नं० 14-सी, गूंट्र, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1982/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुंट्र ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्रकृष आहें .टी . हम् . एश . +------

नाय्कर नियम, 1961 (196) का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 271/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है तथा जो कोपराकर, गुंदूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंदूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रम् प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल , निम्नतिश्वित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण चेहुई किसी बाव की बावस, उपस निभिन्नम के नुभीन कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय अप्रकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब उस्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती अनपूर्णाबा पति श्री रामनाथमबाबू, कारमचेडु चिराला, गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० ऊमा महेख्वरी और अन्य, एम०/जी० डी० चीश्राकृष्णाय्या, पिता श्री वेंकटरया, आरंडलपेट, गृंदुर ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना कारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्समाहिस्सं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

वनसूची

खुलो जमीन, विस्तीर्ण 4 एकड़ 23 सट्म, कोपराऊरु धी० नं० 40, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 880/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुंटर

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1983

प्ररूप कार्ड, टी. एम. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारतः सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 अवसूबर 1983

निदेश स० आर० ए० सी० न० 272/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं है तथा जो बेन्गटला गूंट्र में स्थित है (और इससे उपाबदा अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंट्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वनित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीम कर देने के जन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण को, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) पी० पार्वती और अन्य दो, नवपाष्ट्र, लक्ष्मीनरसिम्हापुरम, गृंदुर ।

(अन्तरक)

(2) गूंदूर को० आपरेटिय हाऊस कन्स्ट्रभगन सोसाइटी, गूंटर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पटिक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रवी

खुली जमीन विस्तीर्ण 8 एकड़ 54 सेंटस वेनीगटला गूट्र आर० एस० न० 37, 53, 42, 30/2, 133, 31, 116/बी० और 133 जिस्हीकृत विलेख नं० 1018, 1050, 1106, 1107, 1253, 1312, 1345, 1354, 1355, 1463/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंट्र।

> एम० जेगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैरदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अन्तुबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 273/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 228/2 बी है तथा जो तकेलापाड, गृदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृदूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती बी० अनुसूया देवी पी० एच० पी० अकीनिडू प्रसाद एम० पी०, निडुप्रोलू, कोनूष् तालुक, गूट्र । (अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० अखीला देवी, पति श्री वेकट राव, निडुग्रोलू, गूट्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डी० नं० 228/2 बी-2, तकेलापाडू गांव, विस्तीर्ण 7 एकड़ 91 सेट्म और डी० नं० 6/1, खुली जमीन, विस्तीर्ण 3 एकड़ 50 सेंट्स, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1497/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूट्र ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख : 5-10-1983

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. ----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अवतुबर 1983

निदेश स० आर० ए० मो० नं० 274/83-84--अत. मुझे, एम० जेगम मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित ाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० न० 78/11 है तथा जो पेलक ओंगोल में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अंगल मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जरवरी, 1983

को पूर्विक्त संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और यभने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उधित वाजार मूल्य उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहों किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात :—

(1) श्री ई० मुख्या राव पिता श्री वेदाट सुख्या, रिटागर्ड कास्टेबल, इमनीपालेम, ओगल।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० श्रीधर राव पिता श्री सिरध्या, प्रेमीडेट पी० एन० टी० इम्पलाइज को० आपरेटिव बिल्डिंग सोमाइटी, श्रोगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंजर भूमि, पेलुर, एस० नं० 78/11, विस्तीणं 3.06-1/4 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 460, 461, 474, 475, 486/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ओंगल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारी**ख** : 5—10—1983

प्ररूप आह. टी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 275/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं आर एम नं 378/3 है तथा जो भीमावरम में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमावरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देवय से उक्स अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (i) श्रीमंती पी० मानुमति और अन्य, पति श्री विट्ठल,
 65वां वार्ड भीमाररम-1।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रामदास और अन्य 4 पिता श्रीमन नौरायणा कोपारु नरसापुरम, वेस्ट गोदावरी।

(अन्सरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बच्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, जजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकींगे।

स्थव्यक्षिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्योग 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याग में दिया गुमा है।

वमसर्वी

खुली जमीन विस्तीर्ण 2032 चौ गज, आर० एस० नं० 378/3, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 396, 400, 401,402/93, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भीमावरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्ररूप आहें. टीं. एन. एस.------

नायकर मिन्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 276/83-84-अतः -मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 2 है तथा वैझाग में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दं है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक क्य से करियत गर्ही किया गया है हम्मे

- (अ) जन्तरण ते हुई फिली जाथ की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए की.
- (च) एंसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्दुः

(1) श्री टी० विजय गोपाल राव पिता श्री गोविन्दराजलू, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० वी० रमा देवी पति डा० सी० एच० उमेशचन्द्रा, हैदराबाद।

(असरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सन्यरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से 45** दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितं-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत-विभीनयम के वध्याय 20-क में परिभाषिष्ट हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस् अध्याय में विस्ताः गुया हाँ।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 15 एकड़, एस० नं० 2, आनका-पल्ली तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1777/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैझाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख: 5-10-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निर्काशिण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 500/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 11, 12, 13, 21 और 74, 75 है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 सोलोमन थाऊगूनदला सेंट जोन्स रेजीनल सेमीनारी, सोमाइटल, रामतापुरम, हैदराबाव।
 - श्री शेख मीवान साहब, 14-37/5, ऊपल, हैदराबाद ।
 - श्री शेख मीरा साहब, 14-39/1, ऊपल, हैदराबाद।
 - श्री बी० बी० सिंह, पीर द्वादीमुडा, हैदराबाव ।

(अन्तरक)

(2) रामना को० आपरेटिय हार्ऊसिंग सोसाइटी रिजस्टर्ज, टी० बी० \$246, घर नं० 11-76, प्रेसीडेंट, श्री बी० बी० के० एस० शर्मा, रामन्तपूर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीण 67-39 एकड़, रामंतपुर औरप रवतपुर, छी० नं० 12, 13, 19, 20, 21, 14 11,74 और 75, रिजस्ट्री- फ़ुत प्रधिकारी उपल विलेख नं० 713, 1639, 2088, 2072, 274, 22, 90, 5029, 693, 1305, 1405, 1376, 363, 216, 1760, 6072, 2712, 2540, 195, 2795, 4423, 4968, 4379, 5322, 4915, 5351, 4243, 961, 1053, 852, 814, 742, 1410, 1963, 1814, 1915, 2003, 428, 49 0, 5178, 4306, 5440, 4442, 5600/83।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1983

मोहर 1

पुरूप आ**र्द**. टी., एन., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1983

निवेश सं० आर० ये० सी० न० 536/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भागकरु मधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5,000 ∕- रुत. से अपिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है जो बसीरवाग हैदराबाद में स्थित **है (और इस**से उपाब**क्र** अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीकडपल्ली में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

1983

अधीन, तारीख फरवरी को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोश्य से उत्रत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन सन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

1. प्रोप्रेसिय बिल्डिंग्स बाइ श्री खदीर सुल्सान और अन्य, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराबाध। (अन्तरक)

 श्री बकीर द्वशन, 3-6-309, पर्लंट नं० 21. सेंकन्ड फ्लोर, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्प**व्यक्तिरणः--इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21, दूसरा मजला, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1401 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 61/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अच्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 3-10-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भ्यायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैसराबाद, दिनांक 3 भक्तुबर 1983

सं अार ये सी नं 537/83-84-- यस: मुझे, एम जोगन मोहन,

श्मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अश्त श्रधिनियम कहा गया है); की घारा 269-ख के मधीम सकाम प्राक्षिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द के संबंधिक है और जिसकी सं० भूमि है, जो रामन्नापेट, स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामन्नापेट, में रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के जिलत नाजार मूल्य से कम के ज्यूश्यमान प्रतिष्ठल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविष्ठल, निम्मलिखित उदेश्य से प्रकृत प्रन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रस्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री के० मलस्या पिता रामय्या, रामन्नापेट। (अन्सरक)
- .2. नेताजी हाउसिंग को-ओपरेटिव सोसायटी लिंब वाह् श्री पी० यल्लाप्पा, पिता रामा लच्चय्या, रपेनामट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

खुनी जमीन, विस्तीर्ण 6 एकड. 38 गूंठे, रामनापेट, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2013, 2028 और 16/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामनापेट।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट

तारीख: 3-10-1983

मोक्रर :

प्रकथ बाइ े बी े एम न प्रसान = = = ===

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की वार 269-म (1) के नभीन स्काना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनोक 3 प्रक्तूबर 1983

निषेश सं० आर०ए०सी०नं० 538/83-84--- यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

भायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-527/4, है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,)रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की बाबसं, जक्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के हिसए जोर्-/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री इन्नाहीम अली खान पिता एम० ए० हुसैन खान, 3-2-317 चप्पल बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्रीमती स्नेहलता पति प्रभूदयाल, 1841 टोंणका बाजार, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए -कार्यक्रमिहिलां करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रां 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी .सबधि नाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी क्यक्ति बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रकेष्ट्ण -- इसमें श्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

ननुसूची

घर नं० 3-6-527/4 हीमायतनगरः हैदराबाद रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 377/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैरदराबाद है।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

मोहरः

प्रकृष् नाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 धक्तूबर 1988

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 539/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० घर हैं जो वोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत तु) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) शन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (था) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री जे० प्रकाशाराव और सी० एच० सत्यनारायणा राव, 1-2-282 और 282/ए, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एम० अध्दुल सलाम, 1-2-282 और 282/ए, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की स्थि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास मिथित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ द्वोगा को उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

मगुस्ची

घर संपत्ति नं० 1—2—282 आर 282/ए, दोमलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 381/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाव।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

अत., अंबे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:----

तारीख: 3-10-1983

प्रकृप भाईं • टी • एन • एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैयराबाव

हैवराबाद दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निदय सं० आर० ये० सी० नं० 540/83-84-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है जो व डा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

क्षान तीराख फरवरा 1983 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त संपरित का उचित् बाजार मृह्य; उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्यह प्रतिनत से प्रधिक है और प्रन्तरक (यम्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी बाय की बाबत उनत अधिनियम के सधील कर केने के अन्तरक के वायित में कभी करने वा इससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जे० प्रकाशराव और सीय एच० सत्यनारायण राव 1-2-282 और 282/ए दोमलगुडा हैक्राबाद।

(अन्सरक)

 श्री के० दुर्गा प्रसाद, 1-2-282 और 282/ए, दोमलगुडा, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से
 45 बिन की अविधि का तस्त्रक्रमणी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की वारीच से 45 विन के भीतर अक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

घर नं 1-2-282 और 282/ए, दोमलगुडा, हिंदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 379/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख: 3-**10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर बागुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1963

निदेश सं० 541/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / एत. से **अधिक है**

और जिसकी सं० भूमि है, जो बोनाराम, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरखापुर में भारतीय रजि-स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यथापुनों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- ं(क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वादत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के क्षायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आयु वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192/21 (1922 का 11) या उक्त अर्थिनियम सा भनुकर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवाधायाकियाजानाचाहिए था, स्टिपाने में स्विधा के लिए;

अतः बद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

(1) श्री के० परमा रेड्डी निझामपूर मेडचंच तालूक, आर० आर० जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० और पी० सेरामीक्स, ए०-16, और ए०-17, एसोसिये टेड प्राइवेट इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, बालानगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पार्टी करके पूर्वीक्त सम्युट्ति के वर्षम् के निष् कार्यवाहिको करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से ·45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रवृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी को पास् लिखित में फिए जा सकेंगी।

स्युक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो अबदा अधिनियम', के अध्यास 20-क में परिभाषिक है, वही मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया षया है।

अनुसूची

भूमि बिस्तीर्णं 4. 92 एकड़, बोलाराम, सिक्कन्वराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 789/83, रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी, नरसापुर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-10-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 542/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा ~269- के अधीन सक्षम पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो निक्षामपेट, मेडचल .तालुक में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नरसापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को प्रवाप्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्त, निम्निजिति उद्देष्ट में उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधीनयम, के जधीन कर देने के जन्मरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अग्रीस्तयों अग्रे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

10-336GI/83

(1) श्री के॰ परमारेष्ठी पिता के॰ भद्रारेष्ठी, निक्कामपेट, मेडचंल तालूक, रंगारेष्ठी जिला श्री पी॰ रतनलाल जैन पिता पंकजमल जैन, और अन्य तीन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स के० एस० आर० फाइनानसीयल कन्स्स्टेंट्स एण्ड इन्वेस्टरस (प्रा०) लि० बाई० श्री के० एस० रेड्डी पिता रामचन्द्रा रेड्डी घर नं० 6-3-341, रोड नं० 1, वंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथेक्ति सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश श्री 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पता हैं।

अमुस्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 11 एकड, 42 गूंठे, मेडचंल तालुक, मीयापुर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 790 और 885/83, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, नरसापुर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

विनांक: 3-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अन्तूबर 1983

निदेश सं ० श्रार० ए० सी० नं 543/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजर्ट्र क्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किर्दा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री इन्नाहीम अली खान पिता एम० ए० हूशन खान, 3-2-317, चप्पल बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेमलता पति मानीलाल 1841, टी० बी०, सिकन्दराबाद। (अन्तर्रि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस्</u>ची

घर सम्पति, नं० 3-6-527/5, हिमायतनगर, हैदराबाद, रिजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 378/83, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3-10-1983

प्ररूप आई. टी एन. एस. ------

आवृकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्सूबर, 1983

निदेश सं० 544/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

और जिसकी स॰ दुकान है, जो तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाध में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983.

का पृथा कित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिषाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात है—

- (1) श्रीमती मीराबाई पित रामचन्द सीमेंट बिल्डी अशोक नगर, सिकन्दरा**बाद** । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० नरेन्द्र ज्योती पति शिवनारायणा सूर्यपेट विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमृत्यी

दुकान नं० 9, 4-1-938, तिलक रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 390 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 441/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक : 3-10-83

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

भायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनोक 3 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 545/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/— रुपये से झिधिक है

और जिसकी सं० शेड विथ लैण्ड है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विजा है), यजिस्ट्रीकनी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,,, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बत:, बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

- (1) श्री इब्राहीम आली खान पिता एम० ए० हूशन खान 3-2-317, चप्पल बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री गोपाल बाबू पिता मानीकलाल 1841, टी॰ बी॰ सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि के साथ छत, विस्तीर्ण की 550 चौ०गज श्रीर 100 चौ० फूट हीमायत नगर हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 412/83 रजिस्ट्रीकृतौं प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदरानाय

विनांक : 3-10-1983

मोहर ः

प्ररूप भार् , टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन सुमृना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 546/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भिम है, जो जनवाड़ा आर० आर० जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगा रेड्डी जिला म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे भ्रष्टयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्वन्तरण से हुई किसी शाय की शावत, उक्त शिंपिनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औड़/दा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था खिपाने में सुविधा के लिए,

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ः— (1) श्री ए० विजेंग्द्रा पिता गोपाल कु∿ण ग्रौर अन्य छः जी० पी० य० श्री ए० संदानन्द राव, 3–6–886, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विनायक इण्टरप्राइसेस, बाई श्रीमती टी० मानीयम्मा पति श्री टी० ग्रंजय्या, बरकतपूरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त संपत्ति के अर्थन संबंधु में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकांगे।

स्मष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया न्या हैं।

वन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 31 एकड़, 16 गूंठें, जनवाड़ा, राजेन्ब्रनगर, तालुक; आर० आर० जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 890/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगा रेष्ट्री जिला।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

विनौक : 4-10-83

मोहर ।

प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 547/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिवक हुए से किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुन्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तितयों, अधीत्:—

(1) कु॰ शामला आदोल्फ और श्री गेखर आदोल्फ 6-3-907/5, सोमाजीगडा, हैदराबाध

(अन्तरक)

(2) श्री आई० अहमद 11-6-183, नापल्ली, हैवराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजाँकत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितसर्थों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानित यों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (क) इस् सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुथ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, शहरान आपार्टमेंटस, विस्तीर्ण 740 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 448/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वस्सभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 548/83-84—यतः मुझे, जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो आपणी आपार्टमट्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती एस० प्रेमलता, जी० पी० ए० श्री एस० राधास्वामी 95-इ, पार्कलेन, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री आई० काटी पद्माकर, 245-सी०, डा० आनी-बोर्सेंट रोड, प्रभादेशी, बाम्बे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 7, आपर्णा आपार्टमेंटस, बेंगमपेट, हैवराबाद, विस्तीर्ण 885 चौ० फ़ुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 553/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 4-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 549/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लैट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, दिन'क फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-अ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→

- (1) श्रीमती एस० प्रेमलता , जी० पी० ए० श्री एस० राधास्वामी 95-६, पार्कलेन, सिकन्दराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गीता पूरन्दर पति ह्वी० सी० पूरन्दर, 10-1-481, नेहरू नगर, सिकन्दराबाव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, आपर्णा आपार्टमेंटस, बेंगमपेट, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 900 चौ० पुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 359/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-10-1983

प्रकृप वादी. टी. एक्. एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बंधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 550/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट है, जो बेगमपेट, सिकन्तराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निम्नितियों) ते बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निम्नितियों के की का प्रसा से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया थाना वाहिए वा, जिनाने में स्विभा के टिएए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन,

- (1) मेसर्स श्रीनिवासा विरुक्त (भा०) लि० वाई श्री औ० श्रीनिवासूलू रेड्डी, एम० डी० 1-2-593/4/ए०, रामचन्द्रा मिशन रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री ए० ह्वी० रत्नाकर पिता पूरनाचन्द्राराव, 52, डा० वि० एन, रोड, टी० नगर, मद्रास (अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्युक्ति के अर्थन के सिए कार्यकाहियां करका हूं।

उक्त स्थातित के कवाँय के सम्बन्ध में कांद्र भी काकोप्:--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी कवित का संवत्यों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सार्वाच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्बदृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकींगे।

स्युक्तिकरणः -- इसमी प्रयुक्त कर्ना करिय वर्ती का, की सकत विश्वितवर्म, को अध्यान 20-क में परिभाषित इं, यही क्या होना यो उस कथ्यान में दिसा गया है।

मन्स्वी

पलैट मं० 207, दूसरा मंजिला, श्रीनिवाला, टायर्स, 'ए०' बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीणं 1700 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 371/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी वल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विगांना : 4-10-83

साहिए 🖫

प्ररूप बाहै, टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 - घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 551/83-84-यतः मुझे एम० जेगन मोहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लैट है तथा जो बेगमपेट सिकन्वराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबक अन्सुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है,) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उरयमान प्रतिकल से, ऐसे दरयभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) आहेर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती एस० प्रेमलता जी० पी० ए० श्री एस० राधास्वामी

95-ई पार्कलेन सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० जानकीरमन 254-सी० डा० अनी बेसेंट रोड, बाम्बे।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, क्रे भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

भनुसूची

फ्लैट नं 14 आपर्णा आपार्टमेंट्स बेगमपेट हैदराबाद विस्तीर्ण 976 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 330/83 रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

दिनोंक : 4-10-1983

मोष्ठर 🛭

प्रकप भाइ . टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 552/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है जो हाकीमपेट हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद मे भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्दोश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मुधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आहु/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हासीम आली खान और अन्य 13, घर नं० 3-6-361, बसीरबाग, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) बि॰ महालक्ष्मी को॰-आपरेटिह्न हाउसिंग सोसायटी लि॰ 16-10-105/36-डीह, मालकपूट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिनेकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुरी जनीत, हाकीमोट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 15 एकड़, 20 गूंठे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 388 और 343/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-10-1983

मोहरः

भक्ष कार्द**्धी, द्व. व्य**.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन् सूच्ना

भारत बरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 555/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्शास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद मे भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का खिवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ज्लारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अलारक के दायित्य में कमी करने या उससे व्यक्ते में सुविधा के सिए; बाँड/या
- (वा) एसी किसी आप धा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रस्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सतीयकुमारी पति सत्या कुमार माथुर घर नं॰ 5-10-188, रीटम होटल रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री रफत हुशन आनसारी और अन्य 10-4-35/2, हूमायून नगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह भूकना फारी करको पूर्विकतु संपत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां कारका हुई।

उक्त सम्पन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ज्ञामीन से 30 दिन की अवधि, का भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- '(बं)' इस सूचना के राजका भें प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बक्थ किसी जन्य व्यक्ति वृद्धारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में क्रिए जा सकी।

स्पत्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गन्ना है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1712 चौ० गज, बंजारी हिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 336/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बैरसाबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-10-1983

प्रस्प अहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्बतूर 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 554/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 296- क अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो नूर खां बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आझमपुरा में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के जमीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सिवधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सत्यनारायणा गुष्ता और अन्य 15-6-41/1, सिदम्बर, बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री सलीम पिता अब्दूल गफार 22-7-516, पूराना हावेली, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर सम्पत्ति नं० 22-1-730/1, नूर खां बाजार, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 219/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आझम-पूरा ।

> ए म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. दी, एन्, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 555/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो करमनधाट रंगारेड्डी जिला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीम कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1 श्री एन० एस० रेड्डी और अन्य धरकतपुरा हैदराबाच ।

(अन्तरक)

(2) य० पी० एग्रीकल्चरल डिपार्टमेंट एम्पलाइज् को०-ओपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० केयर आफ डाायरेक्ट्रेट आफ एग्रीकल्चर हैदराबाद-500001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थनुके सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 40 एकड़ करमनचाट रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 543/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगा रेड्डी जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन त्वना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० न'० 556/83~84---यतः मुझे, एम० जेंगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो साहेबनगर खुर्व रंगारेड्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णस्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक फरवरी, 1983

को प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ये कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इन्द्रं किसी बाद की बादत उत्तर जिथ-विक्रण के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की चपभारा (1) के अधीन, निम्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री पी० आगमय्या श्रीर अन्य साहेबनगर, खुर्व आर० आर० जिला। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स वैश्या ग्रेज्यूवेट्स को०-आपरेटिव्ह हार्ऊासह सोसायटी लि० बाइ प्रेसीडेंट, श्री व्ही० विठलराव 6-1-91, सेक्नेट्रीयट रोड, हैदराबाद-4। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्ड में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपिक्त में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्धी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 10 एकड़, 5 गूंठे, साहेबनगर गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 847/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगा-रेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-10-1983

मोहर 😲

प्रस्पः बाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्सूबर, 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 557/83-84-यतः मुझें, एम० जेगन मोहन,

द्वायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क से प्रविक है

स्रोर जिसकी सं० भृमि है, तथा जो मंडीगीरी गांव आदोनी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबब अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रति-फल के भिये बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिक्ष है श्रीर प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रन्तरितों (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरभ के लिये तय पाया गया प्रतिफल निस्नलिखित उद्देश्य से उचत प्रश्वरण बिखित में वास्तविक अप से कियत नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कर अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री के० पेद्दा येरन्ना, चीना यरन्ना, पिता के०सी० यरन्ना, एग्रीकलचरीस्टस, कारवानपेट, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स श्री राषवेंद्रा इस्टेंट ट्रेडर्स बाइ श्री एसं व वेंकट सुब्धध्या, पिता एस० चेंक्लय्या, 21 वा वार्ड एस० डी० कालोनी आयोनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त राष्ट्रित के अर्कन के जिए कार्यवाहियां श्रुठ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस् है अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

प्रविचारणः -- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, को उन्स अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, वो उस स्थाय में दिया गया है।

बन्सू भी

भूमि, विस्तीर्ण 2 एकड़, 94 सेंटस, मंडीगीरी गांव, आदोनी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 256/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आदोनी।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विमांक : 4-10-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 4 अक्सूबर, 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 558/83-84--यतः मुझै, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मंडीगीरी, आदोनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आदोनी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय णया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय को नायत, प्रक्त जींभीनयम की अभीन कर दोने के जन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविभा की मिए; और/का
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

- (1) श्रीमती हुशनी बी॰ पति आब्दुलाह साब धौर अन्य श्री बि॰ अब्दुल सलाम घौर अन्य, आदोनी (अन्तरक)
- (2) मेसर्स शांती इस्टेट ट्रेडर्स बाइ श्री ए० विजयकुमार एसकेडी कालोनी, आदोनी (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोंक्त सम्पत्ति को वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा लें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और नवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया नवत है।

वन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 4 एकड़, मंडीगीरी, आदोनी रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 527/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आदोनी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 4-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मिवनियम; 1961 (1961 का 43) भी घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 559/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भिम है, तथा जो काकापल्ली गांव आनन्तपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंतपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिप्रत्न के सिए अन्तरित की गई है धीर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिप्रत्न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्रत्न का पश्चह प्रतिशत से धिषण है धौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के निष् तय नामा प्रतिप्रत्न, निम्नविश्वित हरेश्य से स्वत्य अन्तरित विश्वत में वास्तविक इप से क्यान महीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय् की बाबत, सन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी फाउने या अससे ब्यन में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् १---

- (1) श्री एवं के एम मलीकार्जुन राव पिता एच एम कालोजी राव भौर अन्य एडवोकेट, डी जं 26/74, प्रभाकर स्ट्रीट, भोल्ड टाउन, आनन्तपुर । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स पोलीटेक्स् आरगेनिक्स लि० आनन्तपुर, बाइ एम० डी० श्री बि० मलीकार्जुन रेड्डी, काकल्लापल्ली गांव, जिला आनन्तपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि, काकपल्ली गांव, विस्तीर्ण 9 एकड़, 62 सेंटस् रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1422, 1423, 1334, 1304, 1388 ग्रौर 1389/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आनन्तपुर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरा

विनांक: 4-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, विनांक 3 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 560/83-84---यतः मुर्झे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो कींग कोठी हैवराबाद में स्थित है (घोर इससे उपाबद अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि स्थित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्षत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) मेसर्स नटराज विल्डर्स 3-6-796, कींग कोठी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायणा बाल प्रसाव काक्रा पिता बालप्रसाद जी काक्रा

> 3-5-141/2, रामकोट, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 2, दूसरा मंजिला, महाबीर एपार्टमेंट्स, एम० नं० 3~6~796, कींग कोठी, रोड, हैदराबाब, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 676/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-10-1983

मोहरु :

हरूपु, आहें - दी, एम, एस. ----

नामकार विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वुं (1) के सभीव सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरायाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निषेश सं० आर० ए० सी० नं० 565/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्षत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं विष्यु हैं जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में पित्रद्रीव ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सक्यस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, सक्त अधिनियम के ब्रंभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी-करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औद्द/बा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूदिया के हिए;

जतः अब उक्त मिभिनियम की भारा 269-ग के जम्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभीत् ं--- (1) श्रीमती के० सकुन्तला पित श्री के० के० रघुनाथ राव,
 3~6~49/1,
 हिमायत नगर,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

(2) श्री विनय मधूकर गानू पिता श्री मधूकर गानू और अन्य, 3-4-494/1, बरकतपुरा, हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्रांबंधी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का 1/15 वां भाग, घर नं० 3-6-491, हिमायत नगर, हैदराबाद, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 505/83, राजस्ट्रीव तां अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-10-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ् (1) के अभीन,सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 566/83-84-अतः मुझे, एम० जेग नमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो ऊमा बाग, नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे श्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

 श्री के० नारायणा राव, पिता श्री के० वेंकय्या,
 23-4-197,
 सुलतान शाही,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकट राव पिता श्री के० वेंकय्या, 1-2-911, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्प्रकोकरणः — इसमें प्रयुक्त घृष्यों शीर प्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति घर नं० 5-8-322/17, ऊमा क्षाग, नामपस्स्री; हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 607/83, रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 6-10-1983

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 567/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बसीर बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अर्तिरती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अतरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ६—- (1) श्रीमती आकतर्घनिसा मीता अलीयास आकतर्घनिसा बेगम, पति उस्मान मीथा, 5-9-43, बसीरबाग, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० बी० एल० आनन्द पिता लेट श्री सोहन लाल आनन्द, और श्रीमती उमा शशी पति श्री एम० बी०, एल० आनन्द, 1-10-2/3, अशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट भ्रोंफ भूमि नं० 7, नानावाग, बसीरवाग, हैवराबाद, विस्तीण 500 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 737/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरासाद

तारीख : 6-10-1983

माहुर 🛭

प्रकष् बार् हो . इन् . एतः -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

ग्रजंन रेज, हैकराबाद

हैदरावाद, दिन कि 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आर०ए० सी० नं० 568/83-84--अतः मक्षे एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० घर है तथा जो लिंगमपल्ली, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिज्ञल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; सुद्र/वा
- (क) एसी विसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वम अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोपनार्थ अन्तरिनी व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सनिया के किया

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिनित व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्रीएम० चन्द्रस्यापिता श्रीसायभा, नल्लाकुण्ठा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पद्मा विरय्या, और अन्य दो, घर नं० 1-30, चीरीयाला, मेंडयल, तालुक, जिला रंगा रेडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके वृशाँकत सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप प्र--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थावन ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तित्र मृद्ध--इसमें प्रयुक्त सम्बाधित पद्धे का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रेमिसेस नं० 3-4-354/1, लिगमपल्ली, हैदराबाद,विस्तीर्ण 2205 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 107/83,रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी, चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-10-1983

प्ररूप आइ[‡]्टी. एन्. एस. - -- -

नायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 569/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो लिंगमपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्त) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तक पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्वदेव से उचत अन्तर्ण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार्-या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अभिस्तयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त निभिन्यम की भारा 269-ग वै अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री एम० चन्द्रस्या पिता श्री सायश्रा 2-1-527/4 नल्लाकुण्टा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पद्मा नागभूषनम पिता श्री पद्मा विरय्या 1-30 जीराइलाल गांव मेडबेल तालुक रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सक्ति।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त झख्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

घर सम्पत्ति ग्राउन्ड फ्लोर नं० 3-4-354/1 क्षिगमपल्ली हैवराबाद विस्तीर्ण 2425 चौ० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 116/83 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-10-1983

प्ररूप बाइ. डी. एम. एस.-----

भारक र अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 570/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मन्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हैदराबाद

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूमे यह विद्यास करने का कहरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिवन्त रूप से किथत नहीं किया गया है दिन

- (क) अन्तरण से हुई किमी जाय की बायत, उन्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे व्यने में भूषिधा के सिए; आंद्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हाँ भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिये था, छिपाने में सिवभा के लिए;

कतः कवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ष में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) को अधीनः निम्नितिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो हिर कृष्ण गीर श्री हमगीर बैंक स्ट्रीट हैपराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ श्रीमती पषावती पति श्रीडी॰ डी॰ वेंकट रत्नम 3-6-216 हिमायत नगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्ष अध्याय में दिस्स प्रया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 3-6-61 हिमापत नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 421 चौ० गण इमारा और बिल्डिंग रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 686/83 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, टैदराबाद

सारीख: 6-10-1983

भाहर 🗵

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•-

लायकर प्रधिविषम् 1961 (1961 का 43) 'की खारा 269क्ष (1) के घडीन सुचवा

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर क्षायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 571/83-84--अत:, मुझे, एम० जेगन मोहन धायकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त धिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- ६० से धिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो अमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम॰ जनार्धन रेड्डी पिता श्री एम॰ राघव रेड्डी प्लाट नं॰ 24 आंध्रा बैंक कालोनी दिलसुख नगर, हैदराबाद 2. श्रीमती एम॰ राम लक्ष्मी पति श्री एम॰ राघव रेड्डी हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ जी॰ सती रेड्डी और अन्य 2-4 मलीपुडी सेवा सदन नर्रासह होम परमेश्वरी स्ट्रीट भीमावरम ।

(अन्तरिती)

का यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपर्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

खुली जमीत, वार्ड नं० 7 ब्लाक नं० 1, आमीरपेंट हैदराबाद विस्तीर्ग 1634.31 चौ० गज रिजस्ट्रीहत विलेख नं० 427/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-10-1983

प्रकेष बाह् , टी. एन्. एत. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायुकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 572/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो शेखपेट हैदराबाद में स्थित गांव आर० में स्थित है (और इसने उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्भवेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) श्री की० वी० श्रीनिवासन पिता श्री ए० वेंकटरत्नम भेतन सोसाइटी न्यू पद्गा रोड बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० वर्मा पिता श्री पी० जे० जे० राजू घर नं० 1-2-593/27 गगन महल कालोनी दोमलगुडा, हैवराबाव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यभ् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिखत में किए जा सकोंगे।

स्युष्डिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरै पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 8-2-293/82/ए/229/ए शेखपेट गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 353/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1983

प्रकृष वाही दी पूर् प्रवृत्तान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 573/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है' कि स्थावर संपहित जिसका उचित नाजार मूह्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि हैं तथा जो बाग आमेरी गांव आर० आर० जिला में स्थित हैं (और इससे उपाबख अनुसूर्मा में औरपूर्ण रूप सेवणित हैं),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० आर० जिला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्शेक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्ति सें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो टी० यादगीरी और अन्य, बाग आमेरी गांव, हैदराबाद-500872।

(अन्तरक)

(2) संगीत नगर को०आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि० टी० बी० सी० 89, हैदराबाद-500872।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के वर्जन के सिध् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिक्सि में किए जा सक⁷गं।

स्वध्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 42 एकड़ 23 गूठे, धाग आमेरी गांव, राजेन्द्र नगर, तालुक आर० आर० जिला रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 995, 947, 946, 945, 933, 932, 930, 929, 915, 914, 912, 911, 910, 1022, 997, 996, 903, 902, 901, 900, 899, 898, 897, 896, 895, 844, 843, 842, 840, 837, 835, 834, 833, 832, 831, 773, 710, 709, 706, 1023, 712, 711, 748, 747, 525, 526, 571, 578, 579, 580, 581, 610, 611, 637/83 1

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-10-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भागा त्राहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 476/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है क्षण जो मामाब टैंक, हैदराबाद में स्थित है (और इममें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते य विद्यास करने का कारण है कि प्रथापवींक्त सर्गत्त का उपन बाजार मल्या उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वरेयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स अजन्ता बिल्डर्स,
 एम० नं० 10~5-3/ए/1,
 मासाब टैंक,
 हैदराबाद ।

(अतन्रक)

(2) श्रो भ्राझीमुद्दीन खान, घरनं० 10—5—31/ए/1, (पलैटनं०ए), मासाब टैंक, हैदराबाद ।

(अन्प्ररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट मासाब टेन्क हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 363/83,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगत मोहत मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-9-1983

मोहर 🖫

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद,विनांक 28 सिसम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 477/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- से श्रिधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है सथा जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्रचिक कर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घरतरण से हुई किसी ग्राम की बाबर उसत अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रास्तरक के ग्रायरच में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के किए। धौर/या
- बि) ऐसी किसी प्राय या किसी बा या अभ्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मैसर्स भाहजहान अपार्टमेंट्स,
एम० नं० 6→2~974,
खैरताबाद,
हैदराबाद।

(अन्सरक)

(2) मिप नजमा, मोहम्मद, इक्तबाल सनाई, 702, दक्कन टायसँ, बिशर बाग, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

। **यह सुचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्तासम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी जा से 48 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी जा से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भवोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वा का, जो छत्त प्रतिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो सस सब्याय में दिया गया है।

अन्सधी

पलट नं० 602, शाहजहान अपार्टमेंट्स, खरताबाद, हैदराबाद,विस्तीर्ण 1106 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 675/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-9-1983

प्ररूप आर्चः टी. एन्. <u>एच</u>.-----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदर(बाद, दिनांक 28 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 479/83-84--अतः, मुझी, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गूडीमल का पुर, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती वाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे व्यन में सविवा के सिए; बॉट्र/वा
- (क) एसी किसी बार्य या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ह्यान

(1) श्रोमतो एम० आजम्मा और अन्य, घर नं० 12-2-425, गुडीमलकापुर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) दि नओदया की- आपरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, घर नं० 12-2-709/81, नम्रोदया कालोनी, गुडीमलकापुर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्धु में कोई भी वाक्षेप ८ →

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी जन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थाक्कीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ब्रम्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2 एकड़, 12 गूंठे, गुडीमलकापुर, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 459/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकः।री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**खा** : 28-9-1983

प्ररूप आई. टी. एत. एस. ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 28 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 480/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० घर है तथा जो सोमाजीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इसने उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण कि चित्र में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अजिनियम, 'या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;'

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन दिम्नलि<u>बित व्यक्तियों, अधीत् :---</u> (1) श्री नसीम्हीन हसन घर नं० 6-3-1246 सोमाजीगुडा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मीर खुसरो हसन और अन्य जीव पीव एव श्रीमती हालवा बेगम हनीज खान पति श्री मुजफ्फर खान घर नंव -6-2-905 खैरताबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- '(क) इस स्पूना के 'राजपत्र में प्रकाशन' की तारीख से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी 'ब्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीक हुण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1246, नूतीन गुलशन राज भवन रोड सोमागुडी हैरावाद रजिस्ट्रीइन विलेख नं० 674/83 रजिस्ट्रीइनी अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीज : 28-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 482/83-84--अत, मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ए० सी० गार्डस हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पृथोंक्त सम्पति के उपित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 14) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'6'9-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--14--336GI/83 (1) श्री गुलाम मोहीद्दीन अहमद जीव पीव एव श्री मोहम्मद आसफ भ्रहमद वोमलगुडा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री युसुफ अली खान घर नं० 14-5-76 बेगम बाजार हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरनं॰ 10-2-7 का भाग ए० सी॰ गाउँस हैदराबाद विस्तीर्ण 350 चौ॰ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 506/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 28-9-1983

प्ररूप पाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 28 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 496/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो बेगम पेट हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यात्य वल्लभ नगर

के अधीन तारीख फरवरी 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान
प्रतिपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान
प्रतिपत्ति के पर्वाचित्र की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरनी दवारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अत अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) मैंसर्स श्रीनिवास बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
 1-2-593/4ए
 रामाकृष्ण मिशन रोड हैदरावाद ।

(अन्तरक)

(2) मिस परनीता घर नं० 8-2-678/4 रोड नं० 12 बंजारा हिल्स हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 208 श्रीनिवास टावर्स बेगमोट हैदराबाद विस्तीर्ग 1600 चौ० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 833/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-9-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आद. टी. एन. एस. -----

काषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

BISS STARS

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदगबाद

हैदराबाद, दिनाक 28 सितम्बर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 497/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्नैट है तथा जो बेगमोट हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहुं हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंदरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित म्यक्तियों. अर्थात् :—

- (1) मैसर्स श्रीमिवास विल्डर्स (प्रा०) लि० 1-2-593/4 ए रामकृष्णा मिशन रोड हैंदराबाद ।
- (2) मास्टर आमर कांता राज क्षेयर आफ श्री सी० रामाकांत राज 1-10-1/3 अशोक नगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को सह सूचना चारी करको पृत्रों कत सम्पत्ति को अर्थन को हिन्सु कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) क्यं सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्प किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्काही।

मन्सूची

फ्लैट नं० 503 श्रीनियासा टावर्स 6-3-1187 बेगमपेट हैदराबाद विस्तीर्ण 1700 चौ० गजफीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 971/83, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी वल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-9-1983

प्ररूप बार्ड्-टी. एन. एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाव

हैदराबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 489/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो पंजगागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंपत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अधील ेळ्ळ

(1) मैसर्स विरगा केस्ट्रक्शन्स,
 एम० नं० 6-1-1063/बी०/3,
 पंजागुट्टा,
 हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० नागेश्वरी ,
पलैट नं० 21, ब्लाक एफ,
कांति शिकारा अपार्ट मेंटस,
पंजागुट्टा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

नमूस्ची

फ्लैं नं 21, ब्लाक एफ कांति शिकारा अपार्टमेंट, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 642 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1345/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-9-1983

प्रस्पृ आइ र. टी. एन. एस. - - - ----

आयकरु अधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 499/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ; भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिहात अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स विरगा कन्स्ट्रविशनस, एम० नं० 6-1-1063/बी/3, पंजागुट्टा, हैदरावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० नीलावेनी, पलैट नं० 66, ब्लाक एफ, कॉलि शिकारा अहार्टमेंट, पंजागुट्टा, हैसराबाद ।

(अन्तबिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 66, ब्लाक एफ, कांति अपार्टमेंटस, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 642 ची० पा० रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1348/83।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीर्झण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां स्थ, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3० सितम्बर 1983

निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 501/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो एस० डी० रोड, सिंकदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिंकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रव्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि धित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उच्छा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर√या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

(1) श्री रतन सी० भग्नावानी पिता श्री गोविन्द राम भग्भवानी, भौर अन्य, एफ नं० 804, आठवां फ्लोर, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अगरह)

(2) श्रीमती राधा कालीदास हारजानी, पति श्री के० टी० हारजानी, 804, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रूप्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकेगं।

स्युक्तीकरणः "- इसमें प्रयुक्त क्षस्यों भीर पदों का, जो उक्त विभिन्नम, के वश्याय 20 क में प्रिशाविद्य हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वश्याय में विद्या वृद्या हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 804, प्रीमिसेस नं० 1-1-58/1 से 858/1 1, आठवां फ्लोर, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1302 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 54/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 30-9-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 502/83-84/--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट है जो गांधी नगर, हैवराबाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स कामत बिल्डर्स, बी-3, बिन्दु शापिग सेटर, तिलक रोड, सांताऋज, बम्बई-400054।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० कोडिया, सी 8, दामोदर श्रीपा, न्यू बाकाराम, हैदराबाव ।

(अन्तरिती)

को अह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टोकरण: --- इसमे प्रयूक्त शब्दा और पर्वो का, जो उवत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में

बन्सुची

फ्लैंट नं० सी 8, एम० नं० 1-1-524ए, गांधी नगर, हैवरग्बाद, विस्तीर्ण 960 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 433/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 30-9-1983

मोहर 🕹

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 503/83-84--अतः मुझे, एन० जेंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रसलपुरा, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नुसारत बानू, 8−2−624/ए, रोड नं∘ 11, बंजारा हिलस, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाहजादी बेगम ग्रौर अन्य,
 1-8-303/33, बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, रमूलपुरा, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 366/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं०. 504/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो हीसामगंज, सिकन्दराबाव में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उस्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्दिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 15-366GI/83

(1) श्री के० चीटमा, 2-67, पांडूरी विक्षेज, मेडचेल, रंगारेड्डी जिला।

(अग्तर)

(2) श्री दारानी कोटा मुधारक ग्रौर श्री डी० मधुकर, धरनं० 4-2-121, ग्रोल्ड नोईगूडा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वर्स्पी

सम्पत्ति नं० 7-2-920, हीसामगंज, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 109/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**य** : 30-9-1983

प्ररूप आई टी, एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 30 मितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 505/83-84—अतः, मझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो एम० जी०उ रोड, सिकन्दराबाद म स्थित है (श्रौर इससे उपाबच्च ,अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) केअधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स काक्रा एण्ड को०, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० स्निता रेड्डी, 1-4-880/14, न्यू बाकाराम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

मन्त्र्ची

प्लंट नं० 312, तीसरा मजला, काक्रा काम्पलैक्स, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 471 चौ० फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 53/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-9-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप मार्घः टी. एन. एस.-----

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकाण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निवेश सं अार ० ए० सी० नं ० 506/83-84-अत:,

मुझे, एम ० जेगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं घर है तथा जो पद्मारावनगर, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरा बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्से बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रंष्ठीय हम्फे श्रौर अन्य दो,
 5/1 (6-1-259),
 पद्माराब नगर,
 सिकन्दराबाव ।

(अन्तरक)

(2) फाइन को० आपरेटिव हार्ऊासंग सोसाइटी लिमिटेड, घर नं० 5-8-499/502, चिराग अली लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वंतर की

सम्पत्ति नं० 6-1-287 से 289, पद्मारावनगर, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 92/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सिकन्दराबाद।

एम० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-9-1983

गोहर:

प्रक्य बाइ. टी. एन. एस. - - - - -

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के न्थीन सूचना

भारत सरकार

कीयलियं, सहीयंक आयकारे आयुक्तं (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 507 83-84 यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो आलवाल, सिकन्दराबाद ; में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बललभ नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उपत विधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के सिंग्ह; ब्रॉट/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

अक्ष: अधि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्तरन में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिवित स्विन्तरों, अर्थात :--- (1) श्री पी० नागेन्द्र राव ग्रीर अन्य जार,
 (1, 5, 6) घर नं० 1-2-399,
 दोमलगुडा, हैदराबाद,
 (2, 3, 4) घर नं० 17-14,
 आलबाल, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) फादर बालया नगर को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, आलवाल, सेकेटरी श्री पी० आनन्द राव, केंटीन मैनेजर, लोयला एकादमी आलवाल, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की नविभ या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवव्य किसी कृष्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकृषी।

स्यक्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्त्जी

एस० नं० 593 597 ग्रौर 598 खुली जमीन, विस्तीर्ण 12 एकड़, 22 गूंठा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 348, 343, 344 ग्रौर 345/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वललभ नगर।

> एम० जैंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारीख : 30-9-1983

प्रकल नाइ. सी. एष्. एष. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 508/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घेटर है जो थीपारधी, जिला नलगोंडा है स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नलगोंडा म रजिस्ट्रीरकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबतं, उक्तं ज़ीभृतिस्म के ज़भीन कर देने के जन्तरक के साजित्व में कती करूरे वा उत्तरे ब्यूने में सुविधा के सिद्द; और /वा
- (का) एसी किसी अगय या किसी भून या अस्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सुभिनियम, या भनु-कड अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को निस्ता;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० मला रेड्डी ग्रौर अन्य, थीपरथी, जिला नलगोंडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री आल्री लिंगय्या, श्रीपारथी विलेज, जिला नलगोंडा ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना चारी करके पृत्रों कर सम्मिति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

सिनेमा गृह जी० पी० नं० 9-83/5, विस्तीर्ण 1883 चौ० गज, थीपारथी नलगोंडा, जिवला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 252/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नलगोंडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-9-1983

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरा**बाद, दि**नांक 30 सितम्बर 1983 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 509/83-84—अतः

मुर्से, एम० जेगन मोहन गयकर अभिनियम 1061 (1061 क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

स्पौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिलिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जुल्तरम् सं हुइ किसी आवृकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के निए; औरू/या
- (७) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने असे सुविधा के लिए;

जातः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थानितयों, अधीत :-- (1) मैसर्स काश्रा एण्ड को०, एम० जी० रोड, सिकस्दराबाद !

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सूर्या के० बलदेव,
 घर नं० 3-6-283/1,
 हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मूत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

दुकान नं० 10 एम० नं० 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 300 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 111/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 30-9-1983 मोहर: प्ररूप आहुं . टी. एन. एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 510/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के धार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्नलिखित उद्योध्य से स्वक अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया ग्या है:--

- (क्क) अन्तरण संहुद किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तसे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यॉक्तियों, अर्थात् E— (1) मैसर्स काम्रा एण्ड को०, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(1) श्री मी० शिवरामी रेड्डी पिता सूट श्री लेट चेंची रेड्डी, इसांद्रा पल्ली, व्हाया, गोपावरम प्रोजेक्ट साइट, जिला कडण्पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गामेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्साम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो क्वत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 311, तीसरा मंजिला, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड़, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 471 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 52/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरा 🏞

तारी**खा: 30-9-198**3

मोहर 🗓

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के नभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० न० 511/83—84——अतः मुझे, एम० जोगन मोहन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो थीमलघेरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपरूकी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्री के० बालट्या और अन्य, 3-12-316/ तिरुमलघेरी, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स आशा को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, तिरुमलघेरी, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के वर्षन के दिवस कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सर्थे 45 दिन की वादी भा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर्यस्ताना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वादी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दौं का, को उपस् विधिनयम, के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 33 गुंठे और 3993 चौ० गज, तीरु— मलवेरी, सिकन्वराबाद, केन्ट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 245/ 83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्य हैदराबाद

तारीख: 30-9-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 512/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो रंगारेष्ट्र जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखत में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की गायत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अध, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
16 — 336GI/83

(1) श्री बी० नर्रामहा और अन्य, घर नं० 113, कृतुबुला पुर, हायात नगर, तालुक आर० आर० जिला।

(अन्सरक)

(2) श्री एच० करम राज, घर नं० 3-3-836, कुतुबीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 13 एकड़ 26 गूंठे, कुतूबुलापुर, हायान नगर तालुक, आर० आर० जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1042/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ऊप्पल।

> एम० जेगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख : 30-9-1983

प्रकप बार्षं .टी .पन् .पन् . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्भना

नारत बरकत्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 30 सिसम्बर 1983

निदेश स० आर० ए० सी० नं० 513/83-84--अत. मुझो, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बीधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कि थित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी असम की बाब्त, उक्तु अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मैसर्स काका एण्ड को०, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० लक्ष्मम्मा पति लेट श्री चेची रेड्डी, 1-4-880/2/20, न्यू बाकाराम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवृधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया ग्या है।

ननुसूची

कार्यालय न० 309, तीसरा मजिला, काक्रा कम्पलैक्स, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 520 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विसेख न० 94/83. रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हेक्राबाद

तारीख 30-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 514/83-84--अत मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर पश्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अ**धिक ह**ै।

और जिसकी मं० भूमि है तथा ओलवाल, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याव्य, बल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को पूर्वोशत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अस्तरक को वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा को सिए;
- (क) एसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बी० रामचन्द्र राघ, 16-2-147/पी०/1, मलकपुट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) पी० ए० ओ० (ओ० आर० एस०),
 य० ओ० सी० इम्पलाइज,
 को० आपरेटिब हाऊसिंग सोमाइटी लि०,
 2-2-1126/2,
 त्यूनल्ला कुण्टा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्माध्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 9008 चौ० गज, आलवाल, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नै० 466/83, और 546/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-9-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाध हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1983 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 515/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

षायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूभि है तथा जो धोकाटा विशेज, सिवादश-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेड पल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीबी० वी० प्रकाश रेड्डी और अन्य, 185, भोयन पल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

 (2) दी संजीय नगर को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 1-10-170, संजीवया नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमृसूची

भूमि थोकटा गांव, विस्तीर्ण 2420 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 303/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मान्देश्यरर्ल।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-9-1983

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 516/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी म॰ घर है तथा जो तारनागा सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण च्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्याल्य, माडेरेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह निरवास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्रशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के सिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती एस० वेंकट सुब्बालक्ष्मी पतिश्री एस० वी० बी० सुब्बाराव, तारनाका, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० करुणा पति डा० जी० वासुदेव रेड्डी, घर नं० 12-13-251, स्ट्रीट नं० 15, तारनाका, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 12-13-251, स्ट्रीट नं० 15, तार नाका, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 568 चौ० गज और 1300 चौ०फीट, रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 317/83, रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> ए.म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-10-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निदेग सं् आर० ए० सी० न० 517/83-84-अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है।

और जिसकी मं० घर है तथा जो गांधी चौक, खम्भम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खम्मम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूफे यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके उत्मान प्रतिफल से एसे उत्पासन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण सिकित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितमों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः आक्ष, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती आकुला राजम्मा पति श्री पूरनानन्दम, गांधी चौक, खम्मम।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० नारायणा मूर्ति पिता श्री बक्षस्या, हनुभान टेम्पल रोड, खम्मम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

घर सम्पत्ति नं० 2-2-47/48, गांधी चौक, खम्मम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 548/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खम्मम।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारोख : 3--10-1983

प्ररूप आर्च.टो.एन.एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 518/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुक से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० घर है तथा जो कूपम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूपम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिका के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री जे० एस० श्रीनाथ एण्ड श्री जे० एस० वेकट चेलपित, घर नं० 13--99, कूपम तालुक ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० लक्ष्मीरा सेटी पितां श्री बी० बेंकटेश्बर राव, घरनं० 3-15, नेताजी पार्क लेन, कूपम पोस्ट, कूपम तालुक ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

घर सम्पत्ति घर न० 13--99, कूपम गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 172/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कूपम ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारीखा : 3-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 519/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कोटरा मंगलम गांव, तिरुपति में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपति में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्षत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ?---

(1) एसीसटेंट कमीशन आफ इ डोवमेंट, श्री डी० टी० नारायणप्पा, पिता श्री डी० टी० नरसिंहमप्पा, गांधी रोड, तिरुपति ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० नरसिंहलू चेट्टी पिता श्री चेडला रामय्या चेट्टी, 107, पोरला स्ट्रीट, केयर आफ श्री पद्मावती इन्वेस्टमेंट्रस, निष्पति ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए -कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

वनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 18 एकड़ 17 गूठे, कोटा मंगलम गांव, निरुपति, चन्द्रागिरी तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 692/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तीरुपति ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-10-1983

प्रस्य बार्ड . टी . एम . एस . -----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

बारवं बूरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 520/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थस्वर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो वेदय्यापरत्नम, नेललौर स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पृथावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-क्य, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिव्क क्य, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिव्क क्य से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्ति हैंसी हैंसारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया चाना चाहिए था, धिमाने में सुविधा के लिए;

मतः अर्थ, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 17—336GI/83 (1) श्री पी० वेंकट कृष्णय्या ग्रौर अन्य थो, पूजा पूजा, नेलौर तालुक, ग्रौर जिला।

(अन्सरक)

(2) श्री जी० वेंकटेश्वरलूं, मैनेजिंग पार्टनरः स्वामी आय्याप्पा ट्रेंडर्स, सतापेटार, नेलौर।

(अन्तरिसी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर्ह कार्यवाहिकां अपूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध साव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थाबत दुवारा;
- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पृतित में हित-बहुभ किसी सम्य स्थावत बुधारा, अभोहस्ताक्षरी के पांच निवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्दिक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2 एकड़, 68 सेंट्रम, वेदय्यालम, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1236/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-10-1983 मो**हर** ध

प्रकप माई॰ टी• एत• एस•---

मायलर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निद्रेश सं० आर० ए० सी० नं० 521/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

प्रायकर त्रिविनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए क्तारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उन्तर अभि-नियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः कथा, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाव्य— (1) मैसर्स नन्यानम कन्स्ट्रक्शन्स को०, 5-8-42, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अहिल्या बाई, 5-8-42, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को म**ह सूचना जारी करके पूर्वी**नत सम्पति के अर्जन के लिए कार्मे**नाहियां कर**ता हूं।

सकत सम्मति के अर्जन के सर्वध में कोई मी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाधः वो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस मुजाा के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर एक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी सम्प व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

क्यब्दोक्तरमः च-इसन अयुक्त सक्यों भीर पर्वो का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 201/21, 5-8-42, फते सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 394/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाव ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983 मिदेश सं० आर० ए० सी० नं० 522/83—84—अतः मुझे, एम० जेंगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौरजिसकी सं० पलैट है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंडे किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, ',922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स नन्दानम कन्स्ट्रक्शन्स को०, 5-8-42, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० अहिल्या बाई, 5-8-42, फते सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की कारीं स से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी अविक्तयों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीत र उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- स्थावर किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जमें उस अध्याय में विचा गया हैं।

अमृसुची

फ्लैट, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 300 चौ॰ फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 389/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

साहर 🖫

प्रकथ बाद् . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० मं० 523/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो नामपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे क्यने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नंदानम क'स्ट्रक्शन को० 5-8-42, फर्ते सूलतान लेन, नाम पल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलू, फ्लैंट नं० ए-402/19, 5-8-42, फतेसूलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जात सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से १-45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस स्ध्याय में दिशा गया है।

वन्त्वी

पलैट नं ० ए-402/19, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीणें 1104 घौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 390/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 3−10−1983

मोहुर 🖫

प्ररूप बार्षे .टी .एन .एस ._------

नायक<u>र मुधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की</u> धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

आर०ए० सी० नं० 524/83-84---यतः, मुझे, जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो नामपल्ली हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

करे पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्वन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य कास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के लधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- (1) मैंसर्स नंदनम कंस्ट्रक्शन की० 5-8-42, फतेसुलसान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के॰ सुजातम्मा, एफ नं॰ सी-404, घर नं॰ 5-8-42, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(असरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथांक्य सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिस्थः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अलस ची

फ्लैट नं० सी-404, फतेसुल्तान लेन, नामपल्ली, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 391/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

सारीखा: 3-10-19**8**3

मोहर 🖫

प्रस्थ बाइं.टी. एन एस . -----

बायकर वृधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

प्रारत चुरकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 525/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

लायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्डित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है जो दोमलगुड़ा, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीक्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफाल निम्निशित उद्देश्य से उक्त कन्तरण मिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की वाधस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बामित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया प्रया भा मा किया जाना चाहिए था, क्याने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्री भारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जे० प्रभाकर राव और सी० एच० सत्यनारायणराव, 1-2-282/ए, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्रीमतीगीताजूमानी, 5~9~281/1,बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

डक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासीप्ड-+

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर सकत स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताश्रुद्धी के पाझ निमुख्त में किए जा सकेंगे।

स्पृत्वीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-2-282 और 282/ए दोमलगुड़ा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 380/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख: 3-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधित्तम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-जु (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाव्य

हैदराबाद, दिनांक 3 अनतुबर 1983

आर० ए० सी ० नं० 526/83-84—य्यः मुझे,, एन० जेगन मोहन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो नरसापुर, मेदक जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नरसापुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्विथ से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक हन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त जीध-नियम के अधीन कड़ दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी कड़ने या जससे वचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री के० परमारेड्डी, निशामपुर विलेज, मेडचेल तालुक, जिला आर० आर०।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० जनावन रेड्डी को तूरी विश्लेज, इंदुपुर पेट क्षालुक, नेलौर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यार अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5 एकर, एस० नं० 172 (इ) बालारम गांव, तालुक नरसापुर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 788/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरसापुर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

मोहर् 🛭

प्रकप नार्षे. टी. एन्. एस.----

भामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाव

हैवराबाद, दिनांक 3 ग्रन्तुबर 1983

आर० ए० सी० नं० 527/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. संअधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट है, जो नामपल्ली हैधराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य इसके रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स नंदनम कंस्ट्रक्शन को० 5-8-42, फतेसुल्दान लेन, नामपल्ली हैवराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती ईश्वरी बाई एन० लालवानी, 5-8-42, फतेसुल्तान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्याही।

मनसर्ची

फ्लैंट नं० बी-204/24, फतेमुल्तान लेन, नामपल्लो, हैदराबाद,विस्तीर्ण 1104 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 393/83,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 3-10-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 ध्रक्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 528/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- उ. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोक्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---18—336GI/83

(1) मैसर्स नंदनम कंस्ट्रक्शन को०, 5-8-42, फतेसुल्तान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रसिया यूनस खान, 5-8-42, फतेसुल्तान लेन, नामपल्ली, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-

जक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्संधंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीक रूणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-301/9, 5-8-42, फतेसुल्तान, लेन नाम-पल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104, चौ० फुट, रिजस्ट्रीइस विलेख नं० 395/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैद**राबाद

सारी**ख:** 3-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अधीन स्**थ**ना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराश्राद

हैदराबाद, दिनांक 3 भ्रक्तूबर 1983

आर०ए०सी०नं० 529/83-84-अतः मुझे,एम० जेगन मोहन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट है, जो आर०टी०सी० एक्स० रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए इन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति किक इप से कर्षित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अव, उच्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) भाग्यनगर बिल्डर्स वाई०के० ह्वी० रंगारेड्डी, 1-1-79, आर०टी०सी० कास रोड्स, हैवराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्री ऋर, रविकृष्णाराव पिता ह्वी ० हनुमंतराव, 1—1—79, आर०टी ०सी ० कास रोड्स, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितंबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो स्वक्तः विधिनियम, के स्थाय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

फ्लैटनं ० 83 एफ० - 2, 1 - 1 - 79, आर ० टी ० सी ० कास रोड्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1540 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 882/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी. हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-10-1983 मोहर 3 प्ररूप आरहें..टी..एन..एस . =-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराधाद, दिनांक 3 भ्रमतूबर 183 1983

आर० ए० सी० नं० 530/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है जो यूनिटी हाउस, आबेट्स रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिंचित में बास्तिवक कप हो काथित नहीं किया गया है —

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, कर्षात् ह— (1) हिन्दुस्तान बिल्डर्स, यूनिटी हाउस, एबट्स रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री करीमुनिसाबेगम, 4-6-326, इसामीया बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, जही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 39, 4था मजला, यूनिटी हाउस, एबट्स रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 400 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 711/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 3-10-1982

प्रस्प आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

आर०ए०सी०नं० 531/83-84--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यप्त से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो नामपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्त अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप म कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वावत उक्त अभिनियम के अभीन कुद देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आसिस्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत्त अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृकी उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल ६——

(1) नंदनम कंस्ट्रक्शन को०, 5-8-42, फतेसुस्तान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नंदनमनी सी, कपाडिया, 5-8-42, फरोसुल्सान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतिस के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरितृ के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बक्ध किसी अन्य श्यक्ति क्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो जक्त कि कि कि कि कि कि में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लैंट नं बी-104/20, फतेसुल्तान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद विस्तीर्ण 1104, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 392/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज,हैदराबाद

तारीख 3-10-1983 मोहर ध

भूकप् वार्ष्ं डी पुन् पुरा ्------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 532/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन

मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ आरा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह दिवस्तास करने का कार्ज़ है कि स्थानर सम्पति, दिवस्ता उपित वाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो मूसाराम बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आहु/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

भतः। अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री डी॰ शंकर रेड्डी और अन्य 9 16--11-264, मूसाराम बाग, हैंदराबाद

(अन्तरक)

(2) आडागुट्टा को-आपरेटिय हार्जासंग सोसाइटी लि०, बाइ बि० दामोदर पिता लेट ह्वी० चीनय्या बरकतपुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त संप्रृत्ति के वर्षन के लिए</u> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भम्सूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 37-872 भी० गज मूसाराम बाग हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 418, 458, 491, 651, 327, 566, 547, 673, 1126/83 1125, 1022, 1033, 872, 871 781, 741, 732, 692/83 रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाव।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 3-10-1983

मोहरः

प्ररूप आई., टी., एन्., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 533/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पत्रैट है, जो विट्ठलवाड़ी, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरुण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा(1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मैसर्स विनायक एनटरप्राइजेस बाइ श्री एम० विनायक पिता गोविन्वराव बरकतपुरा हैदराबाद
- (अन्तरक) (2) श्री पी० आर० मुरलीघर फ्लैंट नं० 409

(2) श्री पी० ऑर० मुस्लीघर फ्लंट न० 409 घर नं० 3—5—585 और 586 विठलवा**डी** हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतंर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

यलैटनं ० 409 घरनं ० 3-5-585 और 586, विठलवाड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1177 चौ ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 690/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

प्ररूप काई. टी. एन : एस :----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 3 भ्रम्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 534/83-84-अत⁻, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पव्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो यूनिटी हाउस, एबट्स रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) हिन्दुस्तान विल्डमं यूनिटी हाऊम एबट्स रोड हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री आसफक हुशन 22-6-974 इरानी लेन हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायेख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 22 4था मजला यूनिटी हाउस एबट्स रोड. हैदराबाद, विस्तीर्ण 242 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 710/ 83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1983

आर० ए० सी॰ नं० 535/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीनिवास उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मीनिवास उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मीनिवास उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मीनिवास अन्तरिय से उक्त अन्तरण निम्मीनिवास उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मीनिवास उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मीनिवास अनुष्ठित सही किया गया है ।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिये; सीर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों है अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों है

(1) श्री नंदनम कंस्ट्रक्शन को० 5-8-42, फतेहसुल्तान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० इरफन खान, 4-8-42, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० सीं-503/59, 5-8-42, फतेसुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चो०फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 396/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 3-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकःर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 236/83-84—अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० नं० 15 है, जो रामायणपेटा काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वेक्सि संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रसिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) शन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) पेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :——
19—336 GI/83

(1) श्री डी॰ वरवारेज्डी पिता सुक्तारामरेड्डी, और अन्य वक्तालगुडी, इस्ट गोदावनी, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० अभयाकापू और अन्य 17, पिता सुरक्षा, डी० नं० 43-3-37, मार्केट स्ट्रीट, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

खुली जमीत, विस्तीर्ग रामायणपेटा, गांव, काकीनाडा, एस नं० 5, रजिन्द्रीकृत विलेख नं० 1087, 1117, 1142, 1238, 1265, 1306, 1321, 1348, 1387, 1410, 1751, 1752, 1815, 1787, 2070, 2080, 2109, 2111/83, रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आय∜र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्रकप बाइं.टी.एम.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अ**धीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 ग्रन्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 237/83-84-अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी संख्या 11/1, 10/1 और 9/1, रामायणपेटा, काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

का' प्वां क्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्ति क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्क में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरक मो., मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जी० वेंकटराव और अन्य पिता अप्पलराज् शीम्मापूरम, काकीनाडा तालुक, जिना दृस्ट गोझवरी।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम चंद लॉगमल ज्ञानचंद प्रेसीडेंट विवेका नंद नेणनल सर्विस सोसायटी केर आफ रोहिनी इटरप्राइसेज मेन रोड काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जुक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुर्तः जमीन विस्तीर्ग १ एकड़ र मायणपेटा गाव काकीनाडा एस० नं० 11/1 10/1 9/1, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1211, 1283, 1307, 1340, 1380, 1485, 1462, 1573, 1619, 1629, 1675, 1808, 1826, 1907, 2017. 2054, 2243, 2338/83, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

माहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 प्रक्तूबर 1983 आर० ए० सी० ० 238/83-84-अतः, मुझे, एम० जेगन, मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 18-1 और 19-1 ए है, जो लाम विलेज गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण िसिबत में बास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण तं हुइ किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में स्विधा के सिए; आहर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मेख हसन पिता फकीर साहेब, लाम विलेज, गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ वेंकटस्वरलू, पिता वेंगय्या काकुमलवरी थोटा, गुंटूर।

(अन्तारतीः)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतव्यूवारा कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बक्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

बंजर भूमि, विस्तीर्ग 1074 सेंट्स, डी० नं० 18-1 और 19-1 ए, लाम गांव गुंटूर रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 898/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

आर० ए० सी० नं० 239/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 252/3ए, 3 नि॰ 251/6 है, जो वकलापुडी काकीना । में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध असुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिएफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; आर्/द/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ह्वि वाराजू और अन्य यकलपूडी सिवार, वलमापाकाला, काकीनाडः, जिला इस्ट गोदावरी ।

(अन्तरक)

(2) सी ० एच० श्री निवा राजू और अन्य आर० यस० नं० 252/3 ए 3 बि० 251/6 बकालपूडी बलसापाकाला काकी नाडा इस्ट गोदाबरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि वकालापूडी, आर० एस० नं० 252/3 ए, 3 बि०, 251/6, विस्तोण 7.41 एकड़, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 833/83, और 854/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाड़ा ।

एम० जकन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 श्रक्तूबर 1983

आर० ए० मी० नं० 240/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मंख्या 15-डी 626/1 है जो लक्ष्मीवरपूपेटा येसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एलूरू में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एलूरू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिय 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) कत्तरण से हुद्दं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अचने में सृतिधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ए० हेमाचंद्रराव और अन्य पिता नूकाराजू इस्टर्न स्ट्रीट, वेलूक वेस्ट गोदावरी ।

(अन्तरक)

(2) जे० सत्यनाशयणा राव पिता सीता रामाराव दि ऐलूरू होत्रमेल टोबेको मचैट्म एमोसिएणन ऐलूरू वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए एतब्दवारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अन्सूघी

खुली जमीन, टी॰ एम॰ न॰ 626/1 लक्ष्मीवारपूर्पटा ऐसुरू विस्तीर्ण 2391/2/3 चौ॰ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 808, 883, 962 और 991/83 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी येलक्षा

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 5—10—1983

मोहर 🕽

प्रकप बाइ . टी. एन्. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जदरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 भ्रक्तूबर 1983

आर० ए० मी० नं० 241/83-84-अतः मुझे एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 115/2, है, जो श्रीपारू येलू के में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय येलू के भे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1983

को प्रांचित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (असरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक स्पृ से किथत नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः बाग्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री के० राम मनी और अन्य पति संस्थनारायणा श्री पारू वेस्ट गोवावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० नर्रासम्हाराव पिता वेंकटानरायणा श्रीर अन्य गोवरावरम येलूक जिला वेस्ट गोदावरी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस सभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

राइस मिल जो श्री लक्ष्मी गनपती राइस मिल के नाम से जानी जाती है विस्तीर्ण एकर 70 सेंट्स श्रीपारूगांव येलूरू रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 885/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूरू।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज हैदराबाद

तारोख: 5-10-1983

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1983

आर॰ ए॰ मी॰ 242/83-84--अतः मुझे, एम॰ जेगन

मोहन पारक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या टी॰ एस॰ नं॰ 314 है, जो वेलूक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यानय, वेलूक में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित आजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्थियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० वेंकटरा शिवराम शास्त्री पिता सूर्यनारायण राव, रामचंद्रारावपेटा, येलुरू वेस्ट गोदावरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० लडलाकुमारी, पति मत्यनारायण राव, येलूरू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्त्रेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीत. 342 चौ० गज, रामचंद्रारायपेटा, येलूरू, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 760/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी येलूरू।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदरासाद

तारीख : 5—10—1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्सवाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1983

अरर० ए० सी० नं० 243/83-84--प्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 32-108 है जो सजापूरम में स्थित हैं (और इसमें उपाबक अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तनुकू में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एामक्रुष्णा श्रीनिवासू और अन्य पिना दक्ष गामुक्ती नत्मु, वेस्ट गोइावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री बि० मुख्याराय और अन्य पिता नारायण राव, डी० नं० 32-108, तनुक्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 188 घौ० गज, संजापुरम डी० नं० 32-108, रजिल्झी इत विलेख नं० 753, 751 और 752/83, रजिल्झी कर्ता अधिकारी तनुकु।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

शरूप आई.टी.एन.एस ;-----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 244/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3/20 है, जो गूंड्गोलनू येलूरू में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूरू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निस्तत्व

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निस्थित व्यक्तियों, स्थित् ह-— 20--336 GI/83

- (1) श्री के० यू० सत्य नारायणमुती पिता के० निम्वनाथम और अन्य गूड्गोलन्, भीमाढोल्, वेस्ट गोदावरी, जिला। (अन्तरक)
- (2) श्री एन० अप्पालानायडू और 8 अन्य पिता लक्ष्मीय्या गूंडूगोलानू, भीमादाले, तालुक, जिला वेस्ट गोदावरी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी दे पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्प्रकोकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

डी०नं० 3/20, बिस्तीर्ण 1455. 1/9, ची० गज, गुंड्गोलनू, गांव येलूरू, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 499/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी येलूरू

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाध

तारीख: 5-10-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस.------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 245/83-84-याः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयक श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 273/2ए, है जो कोऊह में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोऊह में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री डी॰ कोंडम्मा और अन्य 14, पिन मूनय्या कोंऊइ, बेस्ट गोदाबरी।

(अन्तरक)

(2) श्री कें लिरामराजू पिता बंगाराजू, एम० जी० विस्वनारत एग्री प्रोडक्टस, प्रा० लि० पी० बि० नं० 47, मंगलगीरी, रोड गूंटूर

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 4.09 एकर, आर० एस० नं० 232/ए, कोऊर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 172, 173, 174, 175 और 176/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोऊरू।

एम० जेगन मोहन ौ सक्षम प्राधिकारी (महायक अध्यकर अध्यक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक : 5-10-1983

मोहर 😘

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

नाथकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घुं (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

हैवराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 246/83-84--यतः मक्षे. एम० जेगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे असमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 और 13 है जो पालकोल् में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कार्यालय पालकोल्, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

- (1) श्रो पी० सूर्यनारायणाराजू पिता सीक्षारामरोजू, लंकाला कोडूर, पोडरु सालूक, जिला वेस्ट गोदावरी (अन्तरक)
- (2) श्री वी, रामराजू पिता सोमराजू, स्टेट बैंक आफ इंडिया कालोनी, पालकोलू। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिठ है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1130 चौ. गज, पहला वार्ड पालकोल, रजिट्रीस्कृत विलेख नं० 247, 465/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पालकोल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सरायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, हैवराबाद

दिनांक : 5-10-1983

मोहर 🏻

प्रकप बाई• टी• एन• एस•----

मायकर प्रतिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289व (1) के मंत्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 247/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-इपये से अधिक है और

और जिसको सं० 299 है, जो निष्ठदवेलू स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निष्ठदवेलू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निश्वित में भास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपभारा (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अधीत् [——

- (1) श्री ए० अ।चृ्तारामाराव पिता सत्यनारायणा, डी० नं० 3-10-270, सीरीपूरम, वैझाक। (अन्तरक)
- (2) श्री सीयच० वम्सी देवी पित रामचद्रांराव, निज्ञववेलू, वेस्ट गोदावरी जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से स्वना की तामील से 30 दिन की अथिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 057 चौ० गज, और 957 चौ० गज एस नं० 299 निडदवेलू, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 470, 471/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, निडदवेलू ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैयराबाद

दिनांक: 5-10-1983

मोहर 🕄

प्ररूपु बाइं, दी, एन, एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देण सं० आर ए० सी० नं० 248/83-84--यतः मुझो, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 493, 494, 495 है, जो ताडीकलापूडी येलूरू स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यलूरू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1983

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुद किसी जाय की बांबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के आयित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लाए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० वेंकटेस्वरा पितः श्रीरामूलू और अन्य आशोकनगर येलुरू।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सूर्यनारायणा पिता क्रम्हय्या, मैसर्स गौतमी अग्रो इंडस्ट्रीज प्रा० लि० आशोक नगर, येलूक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्धों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षं होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 11.48 एकर, ताडीकलापूडी ए० एस० नं० 495, 494, 493 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 626, 572, 553/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, येलुक ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख :** 5-10-83

भोहर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 249/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

और जिसकी सं० 231/6,231/70, 232/8है, तथा जो अंड्राजवारम तनूक् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तनूक् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया।——

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए [1]

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बि० बि० वेंकय्या और अन्य, पिता श्रीरामुलु, ऊंड्राजवारम, सनूकू वेस्ट गोदावरी जिला । (अन्सरक)
- (2) श्री बि॰ सूब्बाराव और प्रोप्राइटर्स ब्रद्स श्री वेंकटेस्वरा रॉ एण्ड बॉइल्ड राइस मील, ऊंड्राजवारम, तनूकू, वेस्ट गोदावरी जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सुम्पृत्ति के अर्जन के जि़्ह् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम्न से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति एवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 3-71 एकर, ऊंड्राजवारम गांव तन्कू, आर० एस० नं० 231/6, 232/8, 231/7ए, रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 559, 554, 553/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी तन्कू।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हदराबाद

तारी**ख : 5-10-1983**

मोहर 🛭

प्रकार आहें हो. एवं एस्ट्र------

अगवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 5 म्रक्तूबर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 250/83-84-अतः मझे. एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्यु 25,000/- रुपये संअधिक हैं

और जिसकी संख्या 130/2ए है, जो पालकोल में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को धुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ::--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्सरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए: आरि∕मा
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, ′(1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , भैँ-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🕏 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

- (1) श्रीमती टी० सुशीला पति सुब्बाराव, कोटेक् नरसापुर, नालुक, बेस्ट गोदावरी जिला । (अन्तरक)
- (2) श्री आर० रंगाराव पिता श्री सुब्बाराव, 16 थ वार्ड, पालकोल, वेस्ट गोदावरी जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित**बद्**ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा का उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 5-13 सेंट्स, कोटेरू गांव, आर० एस० नं० 134/1, 130/2 ए, रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 243, 245/83, रजिस्दीकर्ता अधिकारी, पालकोल ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

तारीख: 5-10-1983

मोहर 👙

प्रसप बाइ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार कार्यालय, सहायुक आयकद् आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 प्रक्तूबर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 251/83—84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 105.1 है जो चेलीकानीवारी पोटेपल्ली, भीमाडोली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमाडोलू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख़्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्यू से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तित्यों, अर्थात्:— (1) श्री एम० आचूताराव और अन्य तारातावा, आकीषिर्ड, बेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० वी० रमनाराव पिता पुन्य्या और अन्य सीयव, मलीकारजूनराव पिता गांधीराजा, साऊथर्न स्ट्रीट, येलूरू और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंजर भूमि, विस्तीण 103-61 एकर, भेलीकामीवारी पोथेपल्ली गांव, भीमाडोली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 754, 751, 752, 749, 750, 753, 801, 748/83 आर० एस० नं० 100/1, 105/1, 96, 103/48, 105/1, 105/1, 228, 100/11, 100/3, 105/1, 105/1, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भीमाडोली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, हैवराबाष

दिनोंक: 7-10-1983

प्ररूप बाहै. टी. एन्. एस - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 ग्रन्तूबर 1983

आर॰ ए॰ सी॰ नं॰ 252/83-84-अतः मुझे, एम॰ जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5773 और 4 है जो, भीमावरम, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमाधरम में भारीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— —336GI/ 3 (1) श्री आर० रमनयम्मा पित वेंकटारामराजू,4 वार्ड, भीमावरम ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामचंद्राराजू पिता रामलीगराजू, अध्यक्ष दि कास्मापोलीटिन क्लब, पेहापूलेरू, आकीविड, ताल्लुक, वेस्ट गोदाघरी, जिला।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1.50 सेंट्स, आर० एस० नं० 57/3, 57/4, भीमावरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 583/83, रजिस्ट्रीकर्ता । अधिकारी, भीमावरम।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-10-1983

मोहर 🕄

प्रक्ष नाइ. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 शा 43) श्री घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाष

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आर० ये० नं० 253/84-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है); की धारा 269न्य के प्रधीन सवस् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 302/1ई, है जो आम्बरूपेटा, भीमाछोले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमाडोले में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किथी आप या किसी बन पा सन्य साहित थों की, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त प्रधितियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) पुरुला को-आपरेटिव रूरल बैंक लि०, वी० वेंकटारंग। पार्थसारथी पिता पुलय्यानाइडु, एम० एम० पूरम, हेड़े आफिस पूला वेस्ट गोदावरी जिला (अन्तरक)
- (2) कोस्टल शीप फार्म मैंनेजींग पार्टनर डी॰ सोमेस्वर राव पिता चंद्रय्या, पूला शिवार, एम० एम० पूरम, भीमाडोले वेस्ट गोदावरी जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उनत सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के । पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मरुटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, खो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथ होगा, जो उस ग्रव्याय में विमा गया है

वन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 10.50 एकड़ आम्बर्धेटा भीमाडोले आर० एस० नं० 302/1 ई रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 574/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भीमाडोले।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख :- 5~10~1983 मोहर: प्रकृष कार्यः हो. एन्. एस्. ----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1983

निर्देश सं० आर ए० सी० नं० 254/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रज. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7 है, जो वैझाग स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-निक्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री के॰ आपलानरसय्या और अन्य 3, भीमू-नीपेटनम, वैक्षाग जिला।

(अन्तरक)

(2) दि सीतम्माधारी को आपरेटीव-हाऊस बिल्डींग सोसाइटी लि॰ वैसाग

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई मा बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

खुली जमीत, आर यस नं० 7 विस्तीर्ग 2.66 मैटस, वज्ञाग रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1458/83 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैज्ञाग।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षत

तारीख: 5-10-83

मोहरः

भूक्य वाद^र्टी<u>.</u>एव्.एस्_.०००००००००००

माय्कर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निवेण सं० 255/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी॰ एस॰ 1008 जो वाल्टीयर वार्ड है, वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नृहीं किया गया है:--

- (क) कलरण में हुए किसी आम की आवत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर व्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ह्वी० विश्वनाधम पिता नरसिद्धा गुप्ता टाऊन हाल, स्ट्रीट, वैजाग ।

(अन्तरक)

(2) श्री परसाराम बालचन्द डी० नं० 50-57-2 ह्वी० टी० कालेज के पास वैजाग ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूचों कत सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (हा) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित्त में किए जा सर्कों थे।

स्थष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 600 चौ० गज, वाल्टीयर वार्ड ब्लॉंक न० 39, टी० एस० नं० 1008, वैजाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1030/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैजाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-10-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांकः 5 अन्तूबर 1983

निदेश सं० 256/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 26-15-80 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जे० यलाजीराव कारपोरेटर, वैजाग (अन्सरक)
- (2) टी॰ सो॰ हीरवत और सन्स हीरावस स्टोअर्स, वैजाग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वनुसूची

तीसरी मंजिल, डी० नं० 26-15-80, विस्तीर्ण 135 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 933/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी, बैजाग ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक: 5-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 257/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स आवक ह

और जिसकी सं० 26-14-380 है, जो वैजाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णक्प से विणत है), रिजस्ट्रीकिर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री व्ही० लोवा सूर्यप्रकाशराव पिक्षा विराराघवा स्वामी लिक्षा रोड, बंगलौर-560001, करनाटका (अन्तरक)
- (2) श्री एस० इसवरम्मा पित वेंकटराव, डी० नं० 23-5-17, माता वेंकप्पा स्ट्रीट, वैजाग ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, 26–14~380/ए०, विस्तीर्ण 232 चौठ गज, वैजाग, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 854, 848/83 रिजस्ट्रीट-कर्ता अधिकारी, वैजाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-10-1983

प्ररूप आहाँ, दी, एन, एस, -----

(1) श्री जगत नारायन टन्डन

(अन्सरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

(2) (1) श्री राजेण कुमार गौयल (2) नलित कुमार गोयल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 4 अक्तूबर 1983 निर्देश सं० ए० सी० 33/एक्यू० रेंज-II/कल०/1983-84--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 47, ब्लाक बीडी तथा जो सैक्टर-1, सास्ट लेक शहर, शतायत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-2-83

को पूर्वोक्स संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मुल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ंक्) अन्तरण से हुई किसी आयुकी वावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क्र) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय क्षायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27))** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का जो उज्जत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन—– 5.4772671 अट्टेजमीन के साथ मकान पना--प्लाट नं० 47, ब्लॉक बी डी, सेंक्टर-I, साल्ट लेंक शहर कलकत्ता डीड संख्या---1983 का 1472

> एस० के० चौधुरी रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ′ अर्जन रेंज–।।, कलकसा 54, रफी अहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 4-10-1983

प्ररूप काइ¹. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० सी० $34/\overline{t}$ ज-II/कल०/83-84— यतः मुक्ते, एस० के० बनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो मरडेकाइ लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० कासिपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एस्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री मरङ्काइ को०ओपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लि० (अन्तरक)
- (2) श्री मुललित कुमार मजुमदार (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र सम्पत्ति में हित ब्रुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाख्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

6 कठा-2 छटांक-27 वर्गे फुट जमीन के साथ मकान का 1/5 शेयर पना-मौजा, बागजला, थाना दम-दम सम्पत्ति का होल्डिंग नम्बर-5 मरडेकाई लेन, कलकत्ता ।

डीड संख्या--1983 का 282

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत :---

विनोक: 7-10-1983

प्रकण् कार्चे टी एन एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रो मरडेकाइ को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसादद्यो लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री सचिन्द्रेनाथ डे

(अन्तरिती)

भारत् त्रकार्

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, कलकत्ता

कलकर्ता, विनांक 7 अक्तूबरे 1983

निदेश सं० ए० सी० 34/रेंज-II/कल/83-84--यतः मुक्षे, एस० के० बनार्जीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिले इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 है तथा जो मरक्के जाइ लेन, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और, पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस॰ आर॰ कासिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-2-1983

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मितिचित उद्देश्य से उच्च अंतरण जिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासल, उक्त सीर्धानयम के क्यीन कर देने के अंदरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया आंधा आंधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह— 22—336 GI/83 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बंधित के वर्षन् के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त रामस्ति में अपने के संबंध में कोई भी वासीए :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिने की अविधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् सिंचित में किथे जा संकेंगे।

स्पंकाकिरण :---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों गौर पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के बंध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—- 6 कडा 2 छटांक-27 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान का 1/5 शेयर । पता--मङजा--वाग जला, थामा दम-दम सम्पत्ति का हार्लिंड नम्बर 5 मरडकाइ लेम, कलकत्ता । दलिल संख्या-----1983 का 283

> एस० के० धनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II/कलकला 54, रफीअहुकद किदकई रोड, कलकला-16

दिनांक: 7-10-1983

मोहर ३

प्ररूप आर्धः टी. एन., एस.,------

(1) मरक्षेकाक को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरक)

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

(2) श्री राजेश्वर शर्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 7 अक्टूबर 1983

निर्देश सं॰ ए॰ सी॰ 36/रेंज-II/कल/1983-84---यतः मुझे, एस॰ के॰ बनार्जी,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रः से अधिक हैं

और जिसकी सं 5 है तथा जो मरडेकाइ लेन, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० कासिपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-2-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत. निम्निस्थन व्यक्तियों, वर्षात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई शेड, कलकत्ता-16

विनांक: 7-10-1983

प्ररूप आहे. टॉ. एन्. एस..=---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर, 1983

निर्देश स० ए० सी०-37/रेज-II/-कल/1983-84---यतः मुझे, एस० के० बनार्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 है तथा जो मरडेकाई लेन कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० कासिपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हैं मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हैं मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हैं मन्तरण से अन्तरण हैं निया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की बाबत , अवतः जिस्तियम के म्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी कुरने या सत्तरी वचने में सुविधा के लिए; और√वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, िष्नुहु भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया ने सुविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत उ

(1) मरजेकाइ को०-आपरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री अपूर्व कुमार मह्लिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पृक्षीकत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सें 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

6 कठा-2 छटांक-27 वग फुट जमीन का साथ मकान का 1/5 शेयर । पता-मडजा-बागजला, थाना ढम-इम सम्पत्ति का होल्डि नम्बर--5 मरडेकाइ लेन, कलकत्ता । दिलल संख्या--1983 का 285

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलकत्ता

दिनांक : 7-10-1983

मोष्ट्र अ

त्ररूप बाइ टी. एन. एस.- - - -

ज्ञासकार गिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-फ़ (1) के ग्रेसीज सुकता

भारत सर्कार

कार्याक्षय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० ए० सी० 38/रॅज/II/कल/1983-84---यत: मुक्ते, एस० के० बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिल्ले इसमें बसके परवात् 'सक्त किथिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकल्प करने का कारण है कि स्थानर सम्मर्दित, जिल्लाका उक्ति साजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स॰ 5 है तथा जो हिर्डिकाइ लेन, क्लकला में स्थित है (और इससे उपावज अनुदूची में और पूणरूप से वर्णित है, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० क्राफ़िपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपरित का उचित सामार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है सार संतरिक (संक्रकों) और संतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी भाग की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायत्व में कमी करने मा उससे कुकने में सुनिधा के विए; और/मा
- (ब) एसी किसी आये या किसी धन या जय्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोक्शार्थ कृन्दिद्धी दूसारा प्रकट नहीं किया व्या आह्य का विद्या का वाहए था, जियाने में सुनिभा के किए;

मतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसुर्हें भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाराः (ग्रा), इद्रं सधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) सर्रोकण्ड को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री पार्य सारची पाल चौधुरी

(अन्तरिती)

को यह स्पृत्रता प्राप्ती करकी भूजाँकर सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

युक्त सुम्युत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नासेप्:--

- (क) इस मुख्या के राज्यम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की बर्गीय मा तत्सम्बन्धी म्मन्सियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी बर्गीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर कुर्गों कर स्यक्तियों में से किसी स्थानित हुआ राष्ट्र
- (व) इस स्वाना के साजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विद के भीतर जनत स्थाहर संपरित में दिश्वस्थ किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी की पात दिविहत में किए जा सकेंगे।

साम्ब्रीक रणः - न्त्रंससं प्रयुक्त क्षाव्यां और पर्यों का, यो उक्त वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विसा येवा हैं।

क्रुकुची

6 कठा 2 छटांक-10 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान का 1/5 शेयर । पता--मडजा बागजला, थाना--दम-दम, सम्पत्ति का होल्डि नम्बर-5 मरडकाई लेन, कलकत्ता । दिलल संख्या--1983 का 286

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, कलकत्ता -16

दिनोंक : 7-10-1983

भोहर ३ 🛂

प्रकृष प्रार्ड व टी व एन व एस 🗝 🗝 🗝

बांयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ

269-व (१) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० सी०-39/एक्बी०रें ज-IHI/कल/1983-84-

यतः मुझे, एस० फे० बनर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से

और जिसकी सं० प्लाट नं० 862 है तथा जो मजा पातिपुकुर, ब्लाक, ए, कल०-89 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकत हे निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास कटने का कारण है कि यावापुर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नतिखित उद्देश्य से उवन ग्रन्तरण निखित में वास्तविक **रूप** से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त व्यभिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करनेया उससे अपने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (बा) रेसी कियी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में, स्विद्या के लिए;

अत: अब उक्त मीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में भैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्---

(1) श्रीम ही गौरी रानी दस

(अन्तरक)

(2) श्री सतवल गप्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इभ मुत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पड4ोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो सकत ग्रह्मिनयम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उर श्रध्याय में दिया गया दै।

अनुसूची

जमीन⊸-4 कठा--11 छटांक---18 वर्ग फुट पता—मङ्गेजा–पातिपुकुर, थाना-लेक टाउन, ब्लाक–ए, प्लाट नं० 862 1 मलिल संख्या--- 1983 का 1808।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11/कलकत्ता 54, रफीअहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 7-10-1983

माहरु 🖫

प्रकृप नाहर् ही. एन्. एस्.-----

भायकर मुधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सुमृता

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 अक्तूबर 1983 निर्वेश सं० TR-33/83-84/S1. 800/ICA/CGN.R-I./Cal. यतः मुझे, एस० के० चीधरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 48/2 है तथा जो मयक लियड, स्ट्रीट, कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप से विणित है।) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय एस० आर० ए० कल० में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्वत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्वत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अचने से सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाये वा किसी भन या अन्य वास्त्यों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त वृधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सिवधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम कीधारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मिनहाज अहमव

(अन्तरक)

(2) श्री आयाण अहमद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः - इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

47/2 मयकलियड, स्ट्रीट, कल० में अवस्थित सम्पत्ति का 1/2हिस्ता जो डोड नं > I-1204 अनुसार 10-2-83 तारीख में सब-रजिस्ट्रार आफ एस्यूरेंन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

विनांक: 11-10-83

मोहर 🕄

प्ररूप कार्रः टी. एन्. एस .==---=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकता कलकत्ता, दिनांक 11 अक्तूबर 1983 निर्देश सं० ए० सी०/एक्टी रेंज-II/कल०/1983-84-यतः मुझे, एस० के० बनाजो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 ए, है तथा जो रामकृष्ण नस्कर लेन, कलकत्ता— 10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 8-2-1983

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिमनिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सबेन्दु शेखर, पुर्नेन्दु शेखर, विमलेन्दु शेखर, अमलेन्द्र नस्कर

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रह्मदत्त, सुरवाला, संजिब टानडन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कररता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वास;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन—10 काटा 12 छटाक 28 स्को० फि० जमीन के साथ मकान -1/2 ए०, रामकृष्ण नस्कर लेन, थाना—बेलियघाटा, कलकत्ता—10 दिलल सं०—1983 का 65।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11/कलकत्ता 54,रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-10-1983

मोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्थान (1) श्री भृतनाथ दत्त

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भल्याणी चटर्जी

(अन्तरितो)

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—II, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 11 अक्तूबर 1983 निर्देशसं०ए० सी० 41/एक्बी० रेंज—II/कल/1983—84— यतः मुझो, एस० के० बनर्जी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 225 है तथा जो स्कीम नं०—IV
सि० अंदि० टि० रोड, कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है।) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, दिनांक 22-2-1983 को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किमा गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य अस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित को अर्थन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स्क्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र माँ प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित माँ हित-बढ़्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिसित माँ किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

जमोन—- 3 कठा-- 2 छटाक-- 36 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान ।

पता——प्लाट नं० 225, स्कीम नं० IV, सि० आई० टी० रोड बेलियाघाटा, कलकत्ता । दिलल संख्या——1983 का 1635

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I^I/कलकत्ता 54, रकीअहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

विनांक: 11-10-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० ए० सी०-56/एक्बी०रेंज-IV/कल०/1983-84-यसः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/ए० है तथा जो कुष्टिसा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 22-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्षत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : 23—336GI/83 (1) जोतिया शिल्पनयन-अ-पुनरबासन समिति (प्रा०) लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल, सोना, विश्वनाथ, भोलानाथ, तारकनाथ, शम्भुनाथ, गौतम साउ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त संपर्शि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन-8 काठा 19 छटाक जमीन का साथ मकान पता--1/ए, कुव्टिया रोड, मौजा -कुष्टिया, थाना तिलजला, कलकत्ता । दिलल सं०--1983 का 774 ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज IV/ कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक । 11-10-1983

प्रकेष भार्च . बी., एन , एस .======

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० के-10/आर० /कानपुर/83-84-अतः सुझे, विवेक बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मित्त, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स॰ 91/80 है तथा जो पेचबाग कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-3-1983

को पृश्वोंक्स सम्मित्त के उचित शाजार भृत्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भृष्टों यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृश्वोंक्त संपरित का उचित शाजार
भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया
प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिचित
भी वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या वन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त सिंधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिंधिनियम की भारा 269-च की उपधीरा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री क्रज मोहन मेहरा पुत्र शिव चरन दास मेहरा नि०—5 टेलर रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद असलम, मोहम्मद सईद पुत्र मोहम्मद असगर तथा मोहम्मद अनवर (नाबालिग) पुत्र मोहम्मद असगर नि०---92/67 हीरामन का पुखा कानपुर । (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यकृषों प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास् अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पवाँ का, ओ उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

एक किला मकान नम्बर 91/80 पेचबाग दलेलरवा कानपुर में स्थित है।

> बिवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-10-1983

प्रस्प भाइं. टी. एव. एस.-----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के मुधीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यां ज्य, सहायक मायुकर मायुक्त (निर्देशिय)

अर्जन रेंज 106/282, "कंचन भवन" गांधी नगर, कानपुर

फानपुर, दिनांक 7 अक्तूबर 1983

निदेश सं० के-113/कानपुर/83-84-अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 84/79 है तथा जो जकरकट्टी जी० टी० रोड कानपुर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 26-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नुनिचित स्पवितर्गें न सर्थात् ह—

- (1) श्रीमती मुदर्शन कुर्मारया विपिन कुर्मारया, मुधीर कुर्मारया पुत्र श्री सत्यपाल कुर्मारया । निवासी—15/291—बी, सिविल लाइन्स, कानपुर (अन्तरक)
- (2) मेसर्स कैमी कोम इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 15/291-बी०, सिविल लाइन्स, कानपुर। (अन्तरिती)
- (3) मेसर्स कैमी कौम इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के सिछ् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्सूची

एक किला अचल सम्पत्ति नम्बर 84/79 जकरकट्टी जी० टी० रोड, कानपुर में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 3243 वर्गगज है ।

> विषेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांफ : 7-10-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-जु (1) के भूभीन सूचना

भारत सहकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्तूबर 1983

निदेश सं० एम०-815/पी० आर०/आगरा/83-84--अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पर्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रः से अधिक हैं
और जिसकी सं० 6/23 व 6/23/1 है तथा जो गली बहरा भाई बेलनगंज, आगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णे हप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय आगरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-2-1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्वर्षों से उक्त अन्तरण सिस्तित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विद्या देवी पत्नि स्व० बाबूलाल निवासी---6/127 बेलनगंज, आगरा

(अन्तरक)

(2) डा० राजेन्द्र बाबू, डा० नरेन्द्र बाबू, डा० योगेन्द्र बाबू, विपिन बाबू, मोहन बाबू, अरुन कुमार, अग्रवाल, राजू अग्रवाल, पियूक्ष अग्रवाल पुत्रगण डा० चन्द्रभान अग्रवाल निवासी—गली बारह भाई बेलनगंज जिला—आगरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तु सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आर्थे अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक किला अचल सम्पत्ति नम्बर पुराना 822 वर्समान नम्बर 6/23 तथा 6/23/1 गली बारह भा $\mathbf{\hat{t}}$ बेलनगंज, आगरा में स्थित है ।

विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृंअर्जैन रेंज, कानपुर

दिनांक : 7-10-1983

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

.

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र 57-रामनीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 10 अन्तूबर 1983

निदेश सं० एस० 272/एनबी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है तथा जो मोहल्ला ईदगाह, जिला-लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखीमपुर खीरी में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 2-2-1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से सुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अक्षः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु---

(1) श्री राधा कृष्ण सहाय

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर सहाय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>र</u>के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों अ'र पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

भूमि पैमाइसी 3285 वर्गफिट और 3295 वर्गफिट जिसमें खण्डहर है तथा 682 वर्गफीट जिसमें इमारत बनी है, जो कि मोहल्ला ईवगाह—जिला लखीमपुर खींगे में स्थित है और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जो संख्या 716/83 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखीमपुर-खीरी के कार्यालय में दिनांक 2-2-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

विनांक : 10-10-1983

मोहर:

शक्य भारी.टी.पुन.एत्...-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भा<u>रत सर</u>कार

कार्यालय, सहायक भायकरु भायकत (निर्क्षिण)

अर्जन क्षेत्र 57—रामतीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ; दिनांफ 14 अक्सूबर 1983

निदेश सं० पी०-107/एक्बी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि न० 280 व 281 है जो ग्राम बटहा सबौली तहसील परगना व जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-2-1983

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) तौर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा केलिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अभिनियम, या भन-कर मौभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा के जिए;

शतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिसमा, अर्थात् ∷— (1) श्री राम जीवन

(अन्तरक)

(2) पर्वतीय सहकारी आवास समिति लि० द्वारा श्री गोपाल सिंह बिष्ट सचिव दर्शन गंज, अलीगंज, लखनऊ।

(अन्तरिती)

(3) विकेता (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

च बत् संपत्ति के अर्जेंग् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीं भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

भूमि नं० 280 व 281 पैमाईसी एक बीघा नौ बिस्वा छ: विस्वांसी दस कववान्सी बाके मौजा बटहा सबौलो परगना तहसील व जिला—लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जो संख्या 6235 में विणित है जिसका पंजी-करण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14—2—1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 14-10-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र 57-रामतीर्थं मार्ग लखनऊ लखनऊ दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं० पी० 106/एक्बी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

25,000/- क. स आधक ह और जिसकी सं भूमि नं 280 व 281 है तथा जो ग्राम बटहा सबौली परगना तहसील व जिला-लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है) रिजम्द्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-2-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती गंगा देवी

(अन्तरक)

- (2) पर्वतीय सहकारी आवास समिति लि० द्वारा श्री गोपाल सिंह बिष्ट सचिव दर्शन गंज अलीगंज. लखनऊ। (अन्तरिती)
- (3) बिन्नेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं ० 280 व 281 पैमाइसी एक बीधा नौ बिस्वा छ: बिस्वान्सी दस कचवान्सी बाके मौजा बटहा सबौलो, परगना तहसील व जिला—लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जो संख्या 6236/83 में विणत है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14—2—1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

विमांक : 14-10-83

मोहर:

प्ररूप आहू . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अन्तूबर, 1983

निर्देश सं० 621/82-83--यतः मुक्षे, मंजु माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 ∕- रा. से अधिक हैं और जिसकी मं० 422, 423 और 424 पुराना मं० 35/343 और 35/344, हमोट है, तया जो स्टेशन रोड, हामपेट बेल्लारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हासपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके रध्यमान प्रतिफल से, एसे रध्यमान प्रतिफल का पन्द्रप्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंत-रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भागत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री बी॰ एच॰ अध्वतनारायण सिंह वारडेल है स्कूल से नजदीक है बेल्लारी।

(अन्तरक)

(2) श्री कट्टा नागराज शेट्टी मेसर्स इण्डस्ट्रियल एण्टरप्राइसेस स्टेशन रोड, हासपेट ।

(अन्तरिती)

(3) श्री बी० नारायण भेट्टी डी० नं० 422, 423 और 424 पुराना नं० 35/343 और 35/344 स्टेशन रोड, राणीपेट, हासपेट । (वह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 4,5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरुण: -- इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 65/82-83 ता० फरवरी, 1983) डी० नं० 422 423 और 424 (पुराना नं० 35/343 और 35/344) जो दूकान और निवास सम्बन्धी घर है जो स्टेशन रोड हासपेट, बेल्लारी डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 13-10-1983 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

नायक पुनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्मना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-III, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 10 अक्सूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-83/22---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भागकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छहरपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली आयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिसत उद्वेषय से उक्त अन्तरण में लिकित बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की वाक्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः सब, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---24--336GI/83 (1) एस० बनबीर सिंह, बनविन्दर मिंह और अजीन सिंह निवासी—14ए०/51, डब्ल्यू-ई०-ए, करौल वाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोश कुमार (एच० यू० एफ०)
21-ए०, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा क्या हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तावावी 6 बिघे और 11 विश्वे, खसरा नं० 1682 मिन (1-15), 1083 (4-16), ट्यूब वेल और फेंसिंग वायर, ग्राम-छत्तरपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली→110002

दिनांक: 10-10-83

मोहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/2-.83/23--अप. मुझे, बी० के० गुष्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमको सं० 46/3 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी,

1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्नोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तरा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की भातता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए।

अतः सब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे-, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- -(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16—के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्सरक)
 - (2) बी० एल० अरोड़ा ट्रस्ट, 105-ए०, पहली मंजिल. सरस्वती हाउस, 27 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्क्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिचित में किए जा सकारो।

स्पथ्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेटनं॰ बी॰-46-3 भीकाजी बामा प्लेम, नई दिल्ली, एरिया-548 मर्गफीट ।

> बी० के० गुष्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

दिलोक:: 10-10-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 10 अक्तूवर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/37ईई/2~83/24—— अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी सं० जो०-एफ०-9 है तथा जो 19 राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोक्त अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पिधा के निए;

अत: अब, उचत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् .— (1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर मोहम सिंह, श्री बिक्रमजीत सिंह, श्री मनमोहन सिंह निवासी—एच०-478, न्यू० राजिन्दर नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लेट नं० जी०-एफ०-9, 19-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया-140 वर्गफीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, नई दिल्ली

दिनांक": 10-10+83

मोहर:

प्रस्पु भाइ . टी. एन. एस. - - - --

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-83/25---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिन्न आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 332 है तथा जो 9 भीकाजी काभा प्लेस, नई विल्लो में स्थित है (और इपसे उपानस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कायालय,

नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियमम 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उचत अधिनियम के अधीन कर धेमें के अन्तरक के श्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धम या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) प्रमोद कुमार एण्ड सन्स (एच०-पू०-एफ०) 2720, लोथियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006।

(अन्तरक)

(2) पितम चन्द चैरीटेबल ट्रस्ट, 2720 लोबियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

50--प्रापर्टी फ्लैट नं० 332, 6-भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया-458 बर्गफीट, 3री मंजिल।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक 10~10~83 मोहर :

प्रकृष बाई • टी • एन • एस ---

न्नायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 10 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-83/26---अतः मुक्षे, बी० के० गुप्का

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अजीर मजन गीधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्बक्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- खपये से अधिक है

और जिसकी सं० 407/17, है तथा जो प्रभात किरन बिल्डिंग, राजन्त्रा प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची म और पूर्ण एप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनंक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ध्रमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेध्य से उक्त अन्तरमिलिखित में वास्त्रिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क्षेत्र वायस्य में कभी करने या वचने में सुविधा के लिए; अर्र्िया
- (क) ऐसी किसी आप या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत घिषिनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के जिपाजनार्च ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती हरदेत्री भाटिया नियासी---ए०-8, एन० डी० एस० ई०-भाग-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

20879

(2) श्रीमती बीना सरना, पत्नी श्री ए० सी० सरना, कुमारी राधिका सरना मुपुत्ती श्री ए० सी० सरना निवामी—की०-3/27, पफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के ग्रावन के सम्बन्ध में कोई भा ग्राक्षण:--

- (क) इस सूचता के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृस्ट किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैट नं० 407, प्रभात किरन बिल्डिंग, 17-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 551 वर्गफीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-10-1983

मोहरः 🥫

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज--3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 10 अक्तूबर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-83/27--- अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० बी०-27, है तथा जो 9-भी काजी कामा फ्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय अधिकर अधि नियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वरिय से उकत अंतरण लिखिन में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रोमती रूपा सूद पत्नी श्री आर० सूद, निवासी---वी -7/125ए०, सफदरणंग इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

[बाग lil --खण्ड 1

(2) श्रो सुरिन्दर नाथ अरोड़ सुपुत्र श्री बिन्द्राबन मेहदीरता निवासी---15ए०, राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रां० न० बो०-27, 9-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया-410 वर्गफीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-10-83

मोहार :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-83/28-- अत. मुझे, बी० के० गुप्ता

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी -33 है तथा जो सोप न० 'सी०' लक्ष्मी नगर, विकास मार्ग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ग रूप से विणित है) रिजस्ट्रो कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मो स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री हो २००६ स्तित्र मिर्ट 47, हिस्या हाउस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रोमती जय देवी पत्नी श्री गुरु दत्ता, नित्रासी ं 69 एल०, न्यू कालोनी पलवल, जिहा फरीदाबाद (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग न० बीं०-33, सोंप न० 'सीं०' लक्ष्मी नगर, विकास मार्ग, दिल्ली-92, $(8\times30.6')$ कार्पेट एरिया।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन-१, दिल्लो, ार्ट दिल्ली 110002

दिनाक 12·10 83 मोहर: प्ररूप मार्द्.टी.एन.एस. ---------मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भायकर आधानयमः, 1961 (1961 का 43) क धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 अक्तूबर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-83/30---अन. मुझे, बी० के० गुप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्नैंट नं० 3 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विल्ली हैं) रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पिश के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिगो) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेद्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 (1) कल्यानी पेपर प्रोडक्ट्म लिल् आत्माराम हाउस, 1-टालस्टायमार्ग, नई दिल्ली -1

(अन्तरक)

(2) मिरक्षा एसोसिएट्स प्रा० लि० 15-बी, आत्मा राम हाउस 1-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 3, 4-मंजिल भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली एरिया 513, वर्गकीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, नई दिल्ली

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .--

विनांक 10-10-83

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निवृश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-83/31---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1206 है तथा जो 5-राजेन्द्रा प्लेस, नई विल्ली, पदमा टावर-1, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, विनोक फरवरी, 1983

कों पूर्वोकत सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्र हु प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्निलिखत अद्देश्य से उस्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आयुया धनया अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→
25—336GI/83

- (1) श्रीमती कृशन कान्ता विज,
 निवासी—2/95, रूपनगर, दिल्ली—110007
 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुमन रहेजा, निवासी—सी०-70, कीर्ति नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह त्यना धारी करके पृथांक्त नम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्व्थ किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकासरणः—इसमें प्रयुक्त कट्यों और वर्षों का, जो उक्क किंभीनयम, के अध्याद 20-क में परिभावित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 1206, 12वीं मंजिल, पदमा टावर-1, 5-राजेन्द्रा प्लेस, नई विल्ली, एरिया 375 वग फीट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक : 10-10-83

मोहर 🛭

प्रस्य जाई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्षालय, सहायक नामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौक 10 अक्तूबर, 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/37ईई/2-83/32---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 ब के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से बधिक है

और जिसकी सं० 410/6 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई भिसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कनी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. फिपाने में सृविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विस्नितिस्त व्यक्तियों, सर्थात् ह---

- (1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री करनल अरिवन्द मलहोता, डा० उथा मलहोता, भिस आशा के० मलहोता एच० यू० एफ० ए० डी० मलहोता मास्टर अथ्यीन मलहोता निवासी—बी०-246 ए०, ग्रंटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपर्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लैट नं० 410/6, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली एरिया-641 वर्गफीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3 दिल्ली, नई दिल्ली→110002

तारीख : 10~10~83

मोहर:

प्रकल्क आहु", टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/5/37ईई/2-83/32-ए०⊸-अतः मझे, बी० के० गुप्ता भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / - रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 730 है तथा जो झण्डेवालान-टावर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूब रूमप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर आधिनियम-1961 के अधीनव दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रष्ट प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फंन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई। किसी आयकी बाबत्, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, वर्थात् :--

(1) श्री भगवान बंसल निवासी--1143, क्चा हरजास मल बाजार सीलाराम नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर रणदीप सिंह सन्धु और मास्टर गुरप्रीत सिंह निवासी-स्वी० टी० ओ० सरकाली. जिला--अमृतसर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याग 20-क मे परिभाषित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय भो दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 750 आण्डेवालन टावर, नई दिल्ली, एरिया 305 वर्गफीट ।

> बी० के० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, विल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 12-10-83

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-83/32-बी--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 608/9 है तथा जो भीकाजी कामा फैस, रिंग रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 में के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधादा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) बावा प्लास कम्पनी निवासी:—3/9, टी० बी० गुप्ता रोड, पहाड़ गंज नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) लेपट० कर० चरमजीत सिंह (33%) श्रीमती अविनास पटपाटिया (33%) श्रीमती चन्द्रीका टंडन (33%) निव(सी---118 न्यू जवाहर नगर, जलन्धर जी०-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मन्द्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

सन्स्ची

फ्लट नं० 608, बिल्डिंग नं० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली रिंग रोड, नई दिल्ली एरिया 333 वर्गफीट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोक : 12-10-83

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th August 1983

No. A.19014/7/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. J. Bajaj, I.I.S., as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, w.e.f. 29-6-83 until further orders.

M. P. JAIN

Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 6th October 1983

No. A.32011/1/83-Adm.I.—In pursuance of the Department of Personnel & ARs OM No. 5/2/83-CS.II.—dated 30-7-83, Shri P. P. Sikka, officiating as Senior P.A. on long term basis in the CSSS cadre of Union Public Service Commission has been included in the Select List of Senior P.A. (Grade B of CSSS) in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from 30-7-1983 (FN).

SMT. BHAVANI THYAGARAJAN

Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 15th September 1983

No. A.32018/P/83-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated the 23rd May, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Stri J. K. Khanna, a permanent Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Manager (EDP) (Group 'A' Rs. 1500—60—1800) in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of three months or till the Recruitment Rules are notified whichever is earlier with effect from 18-8-1983.

2. The appointment of Shri Khanna as Manager (EDP) is purely on ad hoc basis and will not confer upon any title for regular appointment or seniority to the post of Manager (EDP).

VIJAY BHALLA

Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th September 1983

No. A. 35014/2/80-Admn. II (i)—In continuation of this office notification No. of even number dated 1-6-1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate on the ex-cadre posts of Accpunts officers in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 1-9-83 to 30-11-83 or untill further orders whichever is earlier:

S. No.

Name and Designation

- 1. Shri Sudharshan Kumar, Section Officer (CSS Cadre)
- 2. Shri V. C. Kajla, Section Officer, CSS Cadre)
- 3. Shri A. K. Sharma, Section Officer, (CSS Cadre)
- 2. The abovenamed officers will be on deputation to the ex-cadre post of Accounts Officers and their pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, O. M. No. F. (11)-E. III (B)/75, dated 7th November 1975 as amended from time to time.

VIJAY BHALLA

Section Officer
for Secretary,
Union Public Service Commission,

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 15th October 1983

No. O-II-1756/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Vijay Kumar Dandge as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-boc basis with effect the forenoon of the 26th August 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O-II-1765/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Prafulla Kumar Borah as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 12th August, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1808/83-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. K. P. Daruka as Junior Medical officer Grade-II in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 16th September, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O-H-1823/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ashok Tyagi as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd September, 1983 subject to his being declared medically fit.

No. O-II-1885/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Satvendra Kumar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 30th September, 1983 subject to his being declared medically fit.

The 22nd October 1983

No O-II-1759/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 22nd September, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 27th October 1983

No. O-II-1259/75-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri S. Satyam Reddy, Dy. S. P. of CRPF w.e.f. 10-10-83 (A.N.).

The 29th October 1983

No. O.II-42/78-Estt.—Shri B. N. Prasad an IPS officer of Bihar Cadre on deputation to CRPF as IGP, S/IV, CRPF, Shillong retired from Government service on the afternoon of 30-9-1983.

A. K. SURP

Assistant Director (Estt.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 24th October 1983

No. Estt./Entt./VI/10.3/43—The following Accounts/Audit Officers of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation on the dates mentioned against each:

S/Shri

| 1. | T. Gopalakrishnan Nair | Accounts Officer | 30-4-1983 A.N. |
|----|------------------------|---------------------|----------------------------|
| 2. | C. M. Ramachandrau | Accounts Officer | 30-6 - 1983 A.N. |
| 3. | S. Rassiah | Audit Officer | 31-7-1983 A.N. |

(Sd/-) ILLEGIBLE
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MAHARASHTRA

Bombay-400020, the 22nd October 1983

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/1(1)/14.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri D. V. Kshirsagar, substantive Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer, with effect from 25-7-83 FN until further orders.

C. R. RAMANARAYANAN
Sr. Dy. Accountant General/
Administration

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 6th October 1983

No. A-12025(i)/1/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 5th September, 1983 and until further orders Shri Ram Chandra as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Indian Institute of Handloom Technology, Gauhati.

M. P. PINTO
Additional Development Commissioner for
Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th October 1983

No. 12(84)/61-Admn.(G)-Vol.III.—Consequent on his proceeding on deputation on foreign assignment with Comonwealth Secretariat London under IDU/CFTC in Malaysia Shri S. K. Sharma, relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Ancillary) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, on the afternoon of 9-9-1983.

No. 12(591)/61-Admn.(G)Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri G. C. Agarwal, Deputy Director (G/C), Small Industries Service Institute, Kanpur as Director (Gr. II) (G/C) on regular basis at PPD Centre, Ranchi with effect from the Forenoon of 22-7-83 until further orders.

No. 12(489)/65-Admn.(G) Vol.II.—Consequent on his proceeding on deputation on foreign assignment with Commonwealth Secretariat, London, under IDU/CFTC in Malaysia, Shri M. K. Verma relinquished charge of the post of Deputy Director I/c, Small Industries Service Institute, Karnal, on the afternoon of 9-9-1983.

No. A.19018(659)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri G. L. Waghrey, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Small Industries Service Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. II) (Chemical) at the same Institute on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 13-6-1983.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 24th October 1983

No. A-6/247(435)/65.—Shri D. S. Chowdhry, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspec-

tion Service, Group 'A', Engineering Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service on the afternoon of 30th September, 1983 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Admn.)
for Director General Supplies & Disposal

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 19th October 1983

No. A-1/1(1221).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoint S/Shri Philip Xalxo, JPO, M. P. Saxena and H. B. Vohra, JFOs & A. P. Khurana, JPO in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Directors (Grade II) in the same Dte. General with effect from the forenoon of 1-10-1983 and upto 29-2-1984 or till regular Assistant Directors (Supplies) (Gr. I) become available, whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of S/Shri Philip Xalxo, M. P. Saxena, H. B. Vohra and A. P. Khurana as Assistant Director Gr./II) will not bestow on them any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. S/Shri Philip Xalxo and A. P. Khurana relinquished charge of the post of J.P.O. and S/Shri M. P. Saxena and H. B. Vohra relinquished charge of the post of J.F.O. in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on 1-10-83 (FN) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in this Dte. General with effect from the forenoon of 1-10-1983.

S. BALASUBRAMANIAN Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 12th October 1983

No. 4640D/A-19012(3-MVR)/83-19B.—Shri M. V. Remaiah has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-8-1983, until further orders.

The 20th October 1983

No. 8676B/A-19012(3-BVDR)/83-19B.—Shri B. V. D. Rao has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5-9-1983, until further orders.

No. 8687B/A-19012(3-HCL)/83-19B.—Shri H. C. Lohann has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/ as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5-9-1983, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) Geological Survey of India

MINISTRY OF STEEL AND MINES

INDIAN BUREAU OF MINES Nagour, the 28th October 1983

No. A-19011(333) /83-Estt.A.—Shri C. Shankar Rao, a Grade IV Officer of I.S.S. on his release from the post of Statistician in the Directorate of Inspection, (Research, Statistics and Public Relations), New Delhi assumed the charge as Assistant Mineral Economist (Stat.) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur w.e.f. the forenoon of 12th September, 1983.

A. R. KASHAV Senior Administrative Officer Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 24th October 1983

No. C-6010/724-SOS(A)(i).—Shri Sasadhar Datta, Stores Assistant (Sel. Gd.), who was appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in North Eastern Circle, Survey of India, Shillong, on ad-hoc basis vide this office Notification No. C-5866/724-SOS(A)(i), dated 24th September, 1982, is now appointed to officiate as such on regular basis w.c.f. 27th September, 1983.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN New Delhi, the 21st October 1983

No. A-12026/4/82-S.II.—Shri Harcharan Singh, Accounts Officer of the office of the Pay & Accounts Office, Ministry of Food & Civil Supplies, (Department of Civil Supplies), New Delhi's appointed on deputation basis as Accounts Officer, in the Pay Scale of Rs. 840-1200 in the office of the Controller of Sales, Doordarshan Commercial Service, New w.e.f. 2-9-1983 (F.N.) for a period of two years,

2. The pay and allowances of the officer will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 10(24)E.III/60, dated 4th May, 1961 as amended from time to time.

B. S. SANDHU
Dy. Director (Admn.)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 25th October 1983

No. 4(80)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Sutapa Sen as Programme Executive, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from 21st September, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200

The 26th October 1983

No. 6(108)/63-SI—On attaining the age of superannuation. Shri K. R. Dalvi, Programme Executive, All India Radio, Baroda retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1983.

The 29th October 1983

No. 4(15)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Raj Mani Rai at present working as Controller of Programmes in the Directorate General, Doordarshan as Programme Executive in a substantive capacity with effect from 6th October, 1970.

2. The confirmation of Shri Rai is subject to the condition that he will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and that on such transfer, he will be liable to the conditions of service to be laid down for the employees of that corporation.

Statement showing the particulars of posts

| SI. No. | Name | Station where confirmed | | | |
|-------------|---------------------|--|--|--|--|
| (1) | Shri Raj Mani Rai | AIR, Panaji | | | |
| Ē | ate of Confirmation | Remarks | | | |
| 6-10-1970 | | Converted into permanent post w.e.f. 1-3-1963. | | | |
| | | H. C. JAYAL Dy, Director of Administration | | | |

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 25th October 1983

No. A.12025/10/82-NICD/Admn. I/PH(CD & L).—The President is pleased to appoint Shri C. Jagan Nath to the post of Deputy Assistant Director (Microbiology) in the National Institute of Communicable Diseases, Bangalore in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th September, 1983 and until further orders.

B. K. JANA, Dy. Dir. Admn. (PH)

for Director General.

New Delhi, the 26th October 1983

No. A.12025/2/83/SJH/MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Renu Singhal to the post of Dietician in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 at the Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of 6-10-1983.

P. K. GHAI, Dy. Dir. Admn. (CGHS-II)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay-400 039, the 5th October 1983

No. 21/4(6)/83-CCS/1281.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Chopra, a permanent Assistant Accounts Officer and officiating Accounts Officer II, RAPP as Accounts Officer III in the scale of pay of Rs. 1100-1600 on ad-hoc basis in the same project with effect from 16-5-1983 (FN) to 1-8-1983 (AN) vice Wg. Cdr. Chaturvedi granted leave/repatriated to his parent office.

B. M. OZA, Director

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 6th October 1983

No. DPS/41/16/83-Adm/31299.—Reference Gazette Notification of even number dated 15th September, 1983 regarding appointment of Smt. S. S. Dhareswar, a permanent Assis-

tant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis in this Directorate with effect from 2-8-1983 (FN).

2. The scale of pay may please be read as Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 instead of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

B. G. KULKARNI Assit. Personnel Officer

Bombay-400 001, the 27th October 1983

No. DPS/41/4/83-Adm/33835.—The Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Muthedath Venugopalan, a permanent Sr. Stenographer and officiating S. G. Stenographer to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 12-9-83 (FN) to 21-10-83 (AN) in the same Directorate vice Shri V. Joseph, Assistant Personnel Officer deputed for refresher course at ISTM, New Delhi.

No. DPS/2/1(26)/83.Adm./33840.—In continuation of this Directorate Notification No. DPS/41/1/83-Adm./26264, dated 12-8-1983, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Kumar Girdharilal Jobanputra, a permanent Purchase Assistant, to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis for a further period upto October 6, 1983 (AN) and on a regular basis with effect from October 7, 1983 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate.

P. GOPALAN. Administrative Officer-III

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 29th October 1983

No. AMD-1/52/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Naresh Chander Sharma as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 17, 1983 until further orders.

S. Y. GOKHALE for Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401-504, the 17th October 1983

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a permanent Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis in the same Station with offect from the forenoon of October 12, 1983 and upto November 11, 1983 vice Shri P. K. Sreedharan, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE. Administrative Officer-III

DEPARTMENT OF SPACE SHAR CENTRAL

Sriharikota Range-524124, the 20th October 1983

No. SCF: PGA: Estt. 3:1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the Post of Scientist Engineer-SB in the SHAR Centre. Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders.

| Sl. No. | Name | Designation ap | Date of pointment |
|------------|-----------------------|------------------------------|-------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | Shri R. Sivanandam | Sci/E ng ineer-SB | 1-10-1983 |

| 1 2 | 3 | 4 |
|---------------------|-----------------|-----------|
| 2. P. Satyanarayana | Sci/Engineer-SB | 1-10-1983 |

RAJAN V. GEORGE Head, Personnel & General Admn., for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 25th October 1983

No. A 32014/6/82-E. I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:

| 5 1. No, | Name | | | | | Date of assumption charge as Assistant Meteoro- logist |
|--------------------|------------------------|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | | | | 3 |
| 1, | Shri A. K. Lahiri . | | | | | 5-2-1983 |
| 2. | Shri J. L. Taku . | - | | | | 1-1-1983 |
| 3_ | Shri R. D. Lamba . | • | | • | | 1-1-1983 |
| 4. | ,, T. Bhattacharjec | | | | | 31-1-1983 |
| 5. | " Mohan Lal . | | • | | • | 1-1-1983 |
| 6. | ,, J. Vaidyanathan | | | | • | 4-1-1983 |
| 7. | ,, K.K. Bajaj . | | • | | | 1-1-1983 |
| 8. | ,, B. B. Goswami | ٠ | | | | 7-1-1983 |
| ₽. | ,, D. P. Roy | | | | | 1-1-1983 |
| 10. | ,, C.M. Anend | | | | | 17-2-1983 |
| 11. | " S. N. Chakraborty | | | | | 1-1-1983 |
| 12. | ,, M. L. Kapoor. | | | | | 28-4-1983 |
| 13. | ,, S. P. Bhattacharya | | | | | 1-1-1983 |
| 14. | ,, S. G. Bhandari | | | | | 1-1-1983 |
| 15. | ,, M. R. Hingorani | | | | - | 1-1-1983 |
| 16. | ,, Amarjit Singh | | | | | 4-5-1983 |
| 17. | ,, Vijay Kumar . | | | | | 1-1-1983 |
| 18. | ,, D. R. Haldar . | | | | | 1-1-1983 |
| 19. | , S. L. Garg . | | | | | 7-5-1983 |
| 2 0. | ,, S. K. Mazumdar | | • | | • | 4-6-1983 (A.N.) |
| 21. | ,, Hans Raj . | | | | | 1-1-1983 |
| 22. | ,, S. S. Mandal . | • | · | • | • | 31-1-1983 |
| 23. | Smt. Mercy Elias | • | • | • | Ċ | 1-1-1983 |
| 24. | Shri M. S. Ranganathan | · | · | • | : | 1-1-1983 |
| 25. | . P. Balakrishnan | | • | • | • | 1-1-1983 |
| 26, | , P. S. Abdul Kadir | • | • | • | • | 10-2-1983 |
| 27. | C Mahaman | • | • | • | • | 1-1-1983 |
| 28. | "G. Monanan . | • | • | • | • | 3-3-1983 |
| 29. | Smt. V. V. Abhyankar | • | • | • | | 1-1-1983 |
| 30. | Shri R. C. Sharma | • | • | • | • | 1-1-1983 |
| 31. | R. C. Gupta | • | • | • | • | 29-4-1983 |
| 32. | M C Damet | • | • | • | • | 1-1-1983 |
| JŁ, | ,, M. S. Rawat . | • | | | | 1-1-1983 |

| 1 | | 2 | | | | | 3 |
|--------------|------|-------------------|-----|---|---|---|-----------|
| 33. | Shri | N. R. R. Benegat | | | | | 1-1-1983 |
| 34. | ,, | S·C·Nagrath | | | | | 13-1-1983 |
| 35. | ,, | R. K. Sharma | | | | | 1-7-1983 |
| 36. | ,, | L. K. Bhavnani | | | | | 1-1-1983 |
| 37. | ,, | P. T Jose | | | | | 31-1-1983 |
| 38. | ,, | Satish Kumar | | | | | 16-5-1983 |
| 39. | ,, | S·C. Sikdar . | | | | | 1-1-1983 |
| 40. | ,, | N. J. Jadhav . | | | | | 4-1-1983 |
| 41. | ,, | BP Kamble . | • | | • | | 4-1-1983 |
| 42. | ,, | T. H. Subramania | n. | • | • | • | 1-1-1983 |
| 43. | ,, | Veerakyathaiah | | • | • | • | 1-1-1983 |
| 44. | ,, | N. Veeraraghavan | • | • | • | • | 1-1-1983 |
| 45. | ,, | R. K. Mukhopadh | yay | • | • | • | 1-1-1983 |
| 46. | ,, | S. K. Tałwar . | • | • | • | • | 25-3-1983 |
| 47. | Miss | J. J. Mirchandani | • | • | • | | 1-1-1983 |
| 48. | Shri | O. P. Juneja . | • | • | • | • | 1-1-1983 |
| 49. | ,, | S.P. Punj . | | • | | • | 1-1-1983 |
| 50. | ,, | M. P. Shewale | • | | | • | 1-1-1983 |
| 51. | ,, | Hira Lal . | • | | | | 31-1-1983 |
| 52. | ,, | Naranjan Singh | | | • | | 24-6-1983 |
| 53. | ,, | A. S. Balal . | • | • | • | • | 1-1-1983 |
| 54. | ٠, | Ranjit Roy . | | • | • | • | 5-5-1983 |
| 55. | ,, | J. S. Mane . | | | • | • | 17-1-1983 |
| 56. | ,, | T. R. Saikia . | | • | | • | 3-1-1983 |
| 57. | ,, | G. C. Mandi . | | • | • | • | 28-3-1983 |
| 5 8 . | ,, | K, K. Sareen . | | | | | 28-3-1983 |
| 59. | | J. N. Mandi . | | | | | 25-4-1983 |

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Defhi, the 13th October 1983

No. A.38013/1/83-EW.—Shri K. P. Ghosh Dastidar, Assistant Fire Officer, Office of the Regional Director, Calcutta retired from Government Service on the 30th September, 1983, on attaining the age of superamutation:

The 24th October 1983

No. A.12025/6/81-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ram Nath as Air Safety Officer (Engineering) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from 23-9-1983 and until further orders.

G. B. LAL Assistant Director of Admn.

New Delhi, the 24th October 1983

No. A 12025/2/79-E.S.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to 26—336GI/83

appoint the undermentioned candidates as Senior Aircraft Inspector on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the date shown against each:—

| Sl. No. | Name | | | Date |
|------------|-----------------------|--|---|------------|
| 1. | Shri Ram Charan Gupta | | | 24-03-1983 |
| | Shri Subroto Majumdar | | , | 24-03-1983 |
| 3. | Shri Harihar Prasad . | | | 24-03-1983 |
| 4. | Shri N. Ramesh | | | 24-03-1983 |
| 5. | Shri N. Jaisimah . | | | 24-03-1983 |
| 6. | Shri A. K. Roy | | | 30-05-1983 |

(This is in supersession of this Department's Notification No. A. 12025/2/79-ES dated 11-05-1983, 10-06-1983 and 16-06-1983).

O. P. JAIN Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 26th October 1983

No. 33/83.—Mrs. Jagjit Lamba, lately posted as Assistant Collector of Customs, Bombay, Customs House on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue's Order No. 165/83 (F. No. A-22012/51/83-Ad:II), dated 24-9-1983 assumed charge of the post of Assistant Director on 1-10-1983 (Forenoon).

B. C. RASTOGI Director of Inspection

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ernakulam, the 24th October 1983

No. 1549/Liq./560(4)/R5841/83.—WHEREAS Malabar Tathteries Limited (in liquidation) having its registered office at Pattambi is being wound up.

AND whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of account (teturns) required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry of three months from the date of this notice the name of M/s, Malabar Tanneries Limited (in liquidation) will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M. J. M. Films Private Limited

Cochin-682 011, the 24th October 1983

No. 1780/Liq./560(3)/9938/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date

hereof the name of M. J. M. Films Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Nadar Mercantile Bank Limited

Cochin-682011, the 24th October 1983

No. 804/Liq/560(5)/9946/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Nadar Mercantile Bank Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Lyesur Drugs & Chemicals Private Limited

Jalandhar, the 25th October 1983

No. G/Stat/560/5614.—Notice is hereby givein pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lyesur Drugs & Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Bishan Singh Jaswant Singh Private Limited (In Liquidation)

Jalandhar, the 25th October 1983

No. G/Stat/560/2161/5550.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bishan Singh Jaswant Singh Private Ltd. (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Cement Fabrics (India) Private Limited

Jalandhar, the 25th October 1983

No. G/Stat/560/3022/5565.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cement Fabrics (India) Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sriyansh Chit Fund & Financiers Private Limited

Jalandhar, the 25th October 1983

No. G/State/560/3170/5568.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sriyansh Chit Fund & Financiers Private tLd, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. M. P. Natrium Chemicals Private Limited

Gwalior-474009, the 26th October 1983

No. 1408/C.P./1567.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s M. P. Natrium Chemicals Private Ltd., Indore has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. The Spun Pipe (C.I.) Private Limited

Gwalior-474009, the 26th October 1983

No. 273/C.P./1568.—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of 3 months from the date hereof the rame of M/s. The Spun Pipe (C.L.) Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of Companies Act, 1956 and of
In the matter of M/s. Motherland Finance Private Limited

Pondicherry, the 24th October 1983

No. 92/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company M/s. Motherland Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ELLIGIBLE Registrar of Companies Pondicherry

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400020, the 24th October 1983

No. F.48-Ad(AT)/1983.—Shrl N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, on ad-hoc basis in a temporar ycapacity for a period of 3 months with effect from 16th May, 1983 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1983 dated 23rd July, 1983 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period of 3 months with effect from 16th August, 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

(1) Jain Enterprises, Prop. V. K. Jain Family Trust

may be made in Writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Balreet Family Trust

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/159/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Office Premises No. 8, Embassy Centre situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, na nely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 8, 5th floor, 'Embassy Centre' Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No ACQN. RANGE-I/165/82-83 dated 24-2-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1983

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Fivbre.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing: to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/150/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Unit No. 347, 3rd floor, B Building, Kewal Industrial Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 347, 3rd floor, B Building, Kewal Industrial Estate, Near Junction of Ferguson Road (Ganapatrao Kadam Marg) and Tulsi Pipe Road (Senapati Bapat Marg) Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/134/82-83 dated 10-2-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:-

Date: 14-10-1983

(1) Daryanani (Indo-Saigon) Constructions Pvt. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Neelamkulam Thankappan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1983

Ref. No. AR1II/37EE/495/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and hearing No. S. No. 263 (Part) CTS. No. 8 (Part) Malavani Village, situated at Marve Rd., Malad (West) Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

and the agreement is registered in the Office of the Competent Authority u/s. 269AB of the Income-tax 1961

at Bombay on 2-2-1983

For an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLENATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the rame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 313, in Libra, in Divya Park, Malavani Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-400 064. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/430 dt. 2-2-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-10-1983

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. AR-III/37EE/544/82-83.—Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to be said the property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2420 sq. yds. of land bearing S. No. 60-A. H. No. 1 situated at Mulund (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under sector 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) 1. Smt. Indumati Ratilal Tribedi,

Shri Ratilal Shankarlal,
 Smt. Kokila Upendra Navinchandra,

4. Sh. Upendra Ratilal,

(Transferor)

(2) 1. Mr. Jamunadas Kanji Thakkar,

Mr. Kishore Shivji Motta,
 Mr. Khinji Lalji Shah,

Mrs. Jayvantiben Meghji Kenia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2420 sq. yds. of land bearing S. No. 60-A, H. No. 1, Mulund (E), Bombay-81. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. III/662/83 dt. 17-2-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. AR-III/37EE/220/82-83.—Whereas I, A. LAHIRI.

has been transferred

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 10, Bldg. No. 5 Model Town CH. S. Ltd., Gul Mohar Garden Scheme, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishinlal Dhawan

(Transferor)

(2) Shri Deepak Vasant Mahadkar.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Bldg. No. 5, Model Town C.H.S. Ltd. Gul Mohur Gardens Scheme, Yari Road, Versova Andheri (W), Bombay-61. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/389/83-84 dt. 28-2-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dato: 14-10-1983

Scal:

- (1) Viswa Karna Builders Pvt Ltd.
- (Transferor)
- (2) Rameshkumar & Pravinkumar Madhani.
 - (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Rameshkumar & Pravinkumar Madhani. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 12th October 1983

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/137/83-84.—Whereas, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

and bearing Room No. 11 & 12, Triveni Apartment situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

THE SCHEDULE

Room No. 11 & 12, 3rd floor, Triveni Apartments, 577, N. M. Joshi Marg, Near "S" Bridge, Byculla, Bombay-400027. The Agreement has been registered by the Competent Authorities. rity, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/128/82-83 dated 3-2-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1983

Seni:

(1) M/s. Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Shaan Lube Services.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. AR-III/37EE/634/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ground floor, Phase No. 3 Shivshakti Industrial Estate, S. No. 79, H. No. 15 S. No. 80, H. No. 1, Marol Village, off Andheri situated at Andheri,

Kurla Road, Bombay-59, situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 26, of Shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79 of Marol Village, Off. Andheri-Kurla Road, Andheri Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under scrial No. AR-III/589/ 82-83 dt. 24-2-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-10-1983

Seal:

27-336GI/83

FORM ITNS--

(1) Shri Shamlal Mohandas Bijiani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. C. R. Smarta and Mr. R. B. Smarta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1983

Ref. No. AR-II/37EE/558/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3A Owners Court Behind Mahim Post Office, Bombay-400016.

situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A, 1st floor, 'Owners' Court, Behind Mahim Post Office, Bombay-400 016. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/510 dt. 8-2-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 11-10-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. AR-II/3500/82-83.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Deepdarshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Mamlatdarwadi Rd. Near Liberty Garden CTS. No. 26/1 to 15 Survey No. 489 Malad (West), Bombay situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rombay on 22-2-83

Bombay on 22-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Zubekla A. Jamal.

(Transferor)

- (2) Deep Darshani Co.op. Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEUDLE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 921 81 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 22-2-83.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-10-1983

(1) M/s. Govani Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Ambakumar Nanilal Parekh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th October 1983

Ref. No. AR-II/37EE/574/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1 in Ganga Apartment, TPS. No. 1, Basant Road, Santacruz (West), Bombay-54 situated at Santacruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement in registered under section 269AB of the Competent Authority

at Bombay on 9-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen percent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealmen; of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes-of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Ganga Apartment, T.P.S.I., at Basant Road, Santacruz (West), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/525 dt. 9-2-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-10-1983

(1) National Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Innocent Francis D'Sousa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ACQUN. RANGE-III/37EE/667/83-84,-Where-

as, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 4, Venus Bldg. No. 1 Versova
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement in registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interestor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aring from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Building No. G-4, Building known as 'VENUS' No. 1, Versova Cross Road, Off Four Bungalow Road, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/655/82-83 in Feb. 1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1983

(1) Shrì Abdul Latif A. Chunawala.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Jagdish Nankani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mrs Vcena Jagdish Nankani.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Rcf. No. ACQN. RANGE-I/37EE/118/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

1, R. K. BAQAIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Office No. 39, Manish Market situated at Palton Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement in registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office No 39, Manish Market, 2nd floor, Nutan Pushpak Premises Co-op. Society Ltd., 1, Palton Road, Bombay-400 001 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/114/82-83 dated 3-2-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1983

FORM ITNS—

- (1) Mrs Ansuya Himatlal Davawala Master. (Transferor)
- (2) Shii Gulam Ali Shamsuddin, Prop Inter Arts (Transferee)
- (3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref, No ACQN RANGE I/37EE/138/83-84 —Whereas,

I, R K BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25 000/- and bearing No
Office Room No 28 12th floor of Bldg No III, Navjivan
Co op Hsg Soc Ltd situated at Lamington Road Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement in registered under section 269AB of the I Γ Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair mirket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partels has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFUNATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

THE SCHEDULE

Office Room No 28, 12th floor of Building No III, Navjivan Co-op Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008 The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No ACON RANGE-I/120/82 83 dated 3-2-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any monars or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name';

Date · 14-10-1983

(1) Shri Nanikram Gurumukhdas Rohira.

(Transferor)

(2)1. Shri Jayesh Ramniklal Mehta, 2. Shri Hitesh Ramniklal Mehta,

3. Miss Zarine Ramniklal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/244/83-84.—Whereas. I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 37, Bldg. 7-A, Navjivan CHSL situated at Lamington

Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 37, Bldg. 7-A, Navjivan Co-op. Housing Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under serial No. ACQN. RANGE-I/37EE/155/82-83 dated 21-2-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following parameter. following persons, namely :-

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. AR-II/3495/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 77 of Jayprakash Negar, Goregain(E), Bombay-63 Survey No. 94, C. S. No. 431 situated at Goregaon (E). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28—336GI/83

(1) Mr. Pandurang Keshav Dhond.

(Transferor)

(2) Mr. Narayana Mahadev Talwalkar.

(Transferee)

(3) Occupied by tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEUDLE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1189/78 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 15-2-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. AR-III/37EE/543/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 2027 sq.yds. S. No. 20, H. No. 8, 10 and 12-A, CTS No. 116, 163 & 155 Mulund (E), Bombay-81 situated at No. 116, Mulund (E).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Indumati Ratilal Trivedi

2. Mr. Ratilal Shankarlal

3. Mr. Upendra Ratilal

4. Smt. Kokila Upendra,

(Transferor)

(2) 1. Mr. Laherchand Meghji Shah 2. Mr. Shantilal S. Motta

3. Mr. Kishore Mangaldas Palan

4. Ramesh Devji Thakkar.

(Transferee)

(3) Hutments.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2027 Sq. Yds. with S. No. 20, H. No. 8 to 10 and 12-A, CTS No. 116, 163 and 155, Mulund East, Bombay-81. The agreement has been registered by the Competent Authority rity, Bombay under Serial No. Acqn. Range-III/663/83 dated 17-2-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-10-1983

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1983

Ref. No. AR-II/37EE/494/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 263 (Part) CTS. No. 8 (Part) Malavani Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-64 situated at Malad

S. No. 263 (Part) CTS. No. 8 (Part) Malavani Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-64 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement has been registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Daryanani (Indo Saigon) Constructions Pvt. Ltd.
 (Transferor)
- (2) Mr. Kittappan Radhakrishnan.

(Transferee)

(3) Under construction.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 213, 2nd floor 'D' Block in 'Libra', Malavani Village, Marve Road, Malal (West), Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. Range-II/429 dated 2-2-1983

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-10-1983

interested in the property)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be

FORM ITNS-

Indian Cardamon Growers Trading Corporation Limited

(Transferor)

(2) Ms. Bliss Enterprises.

(3) M/s, Bliss Enterprises.

(4) The Cadholic Syrian Bank Limited.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/154/83-84.—Whereas,

I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Office Premises No. 306, Dalamal Tower, Gogt. Plot No. 211, and bearing No.

Block III; Nariman Point, Bombay-400 021 and situated at

Nariman Point

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 306, Dalamal Tower, Govt. Plot No. 211, Block III, Nariman Point, Bombay-400021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/148/82-83 dated 19-2-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1983

(1) M/s. Raigir Builders.

(Transferor)

(2) Shri Brijmohan L. Sarda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Acqn.Range-I/37EE/126/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 61, 7th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 7th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay-400023. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANEG-I/37EE/123/82-83 dated 3-2-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Rajgir Chambers.
- (Transferor)
- (2) Shri Anil V. Sampat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Anil V. Sampat.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. Acqn. Range-J/37EE/136/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office Premises No. 66, Rajgir Chambers, situated at Shahid Bhagat Singh Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 10-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 66, 7th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-400023. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/138/82-83 dated 10-2-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref No Acqn Range I/37H:/130/83 84 -- Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No
Flat No 2, Building 'URVASHI' situated at Off Sayani

Road Prabhadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the IT. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Everest Builders

(Transferor)

(Transferce)

(2) 1 Miss Sushma Ramarao

2 Dr Wurinava Gandhi Ramarao,

(3) Everest Builders

(Person in occupation of the property)

(4) R D. Education Trust

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 2, 6th floor of Building 'URVASHI' Savani Road, Bombay-400025 The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Acqn Range-I/115 '82-83 dated 3rd Feb 1983 Serial No

> R K BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date 12 10 1983 Seal:

FORM ITNS--- -

(1) Shi Vithalbhai L. Patel.(2) Shri Sudhir J. Tanna.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/216/83-84,—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Room No. A-1, Jewellers Apartments situated at Pedder Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1-A, Jewellers Apartments, 56, Pedder Road, Bombay-400026. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/150/82-83 dated 21-2-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1983

Soal:

LORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr Alsyed Sudruddin Aljılanı

(Transferor)

(2) Mr Umesh V Bhatia Prop of M/s Umesh Corporation

(Transferee)

(3) Fransferce

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref No Acqn Range-J/37EE 119,83-84 --- Whereas, I R K BAOAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No Office Premises No 1 Rewa Chambers situated at New Maine Lines, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the JT Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3 2 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No 1, Ground Floor, Rewa Chambers Premises Co-op Society Ltd 31, New Marine Lines, Bombay 400020 The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No Acqn Range-I/124/82 83 dated 3-2-1983

R K BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——29—336GI/83

Date 12-10-1983

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferoi)

(2) M/s. Mehta Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/161/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Unit No. 345, Kewal Industrial Estate situated at Lower Parcl (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 10-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaernt consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Unit No. 345, 3rd floor, 'B' Building, Kewal Industrial Estate, Lower Parel, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No Acqn. Range-I/132/82-83 dated 10-2-1983.

> R K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pirsons, namely :-

Date: 14-10-1983

- (1) M/s R. B. Enterprises
- (2) Mr. Umar J. Shama & Mr. Usman J. Shama (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/134/83-84.—Whereas, I,

R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 2, Shiv Indl. Estate situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-..The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Shiv Industrial Estate, Parel Road Cross Lane, Byculla, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I/119/82-83 dated 3-2-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date : 14-10-1983

Sen1:

(1) Mrs. Narbadaben Vrajlal Mehta

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Lilawati P. Kothari

 Mrs. Vanita S. Kothari
 Mrs. Suman R. Kothari Mrs. Narbadaben Vrajlal Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN, Range-I/37EE/149/83-84.—Whereas, I,

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 23, 3rd floor, "Nitmala Mahal Co-op, Housing
Society Limited, situated at Bomkanji Petit Road Bombay. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, 'Nirmala Mahal' Co-operative Housing Society Limited Bomanji Petit Road, Bombay-26. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay on 11-2-1983 under Serial No. Acqn. Range-I/37EE/144/82-83.

> R, K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-10-1983,

(1) Shri Suresh S. Naik

(Transferoi)

(2) Shri Ravindra K. Puthran

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/80/83-84—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-20, Sumangal CHSL situated at Sion-Trombay Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said incmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-20, Sumangal Co-op. Housing Society Ltd., Sion-Trombay Road, Bombay-22, The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, Range-I/126/82-83 dated 3-2-1983.

R. Κ. ΒΑQΑΥΛ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-10-1983.

(1) Dr. George Paul Colaco

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Saifuddin A. Upletwala & Smt. Shirin S. Uplet-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/167/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, Sri Niketan situated at Maharshi Karve Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 24-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Sri Niketan, New Marine Lines, Maharshi Karve Road, Bombay-400 020. The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN, Range-I/153/82-83, dated 21-2-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAOAYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dyna Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

20921

(2) Viaj Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37FE/163/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 604, Dalmal Tower

situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 242-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the connideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfe.ee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 604, 6th floor, Dalamal Tower, Plot No. 211, Natiman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-1/166/82-83 dated 24-2-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-10-1983,

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/189/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 23, FAIZ-E-EDROOS

situated at Narsinatha Street

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the 1. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. at Bombay on 21-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s Gitilal Prakashchand

(Transferor)

(2) Shri Vijay T. Panmani & Smt, Sushila T. Pamnani T. Vijaykumar & Company

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 23, FAIZ-E-EDROOS, 371/373, Narsinatha Street, Bombay-400 009. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ACQN, Range-I/157/82-83 dated 21-2-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-10-1983,

S∕al:

FORM ITNS ____

(1) M/s Minoo Biulders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Esquire Video Film Services P. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN| Range-I/37EE/142/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B2, "Prithvi" Apartments Altamount Road situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. at Bombay, on 19-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person niterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B2, 2nd floor, 'Prithvi Apartments' Altamount The Agreement has been registered with the Road, Bombay. Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I/146/82-83 dated 19-2-1983.

> R, K, BAQAYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tex Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-30-336GI/83

Date: 12-10-1983,

(1) M/s Suessen Textile Bearing Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/165/83-84.—Whereas, I, R. K. BAOAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-102, Poornima Apartments situated at Junction of

Pedder Road & Carmichael Road,

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 10-21983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Nanubhai Desai Family Trust

(Transferee)

(3) Suessen Textile Bearings Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri S. P. Mehta, S. N. Desai D. N. Desai, Trustees of Nanubhai Desai Family Trust

(Person whom the undersigned knows to beinterest in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-102, Poornima Apartments, Pedder Road, Bontbay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I/137/82-83 dated 10-2-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-10-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/128/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 102, SAMUDRA SETU situated at Bhulabhai Desai Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the broperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gobind Kaliandas Daryanani, Proprietor of M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) 1. Ravi Arvind Palat

Mrs. Pushpa Palat
 Raghu Ravunni Palat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Samudra Setu, 51-E & 51-F, Bhulabhai Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/121/82-83 dated 3-2-1983

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/125/83-84.-- Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3, 'Urvashi' Building situated at Plabhadevi and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Everest Biulders.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Tara Ramarao.

(Transferee)

(3) Everst Biulders.

(Person in occupation of the property)

(4) R. D. Education Trust.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 6th floor, 'URVASHI, Sayani Road, Bombay-400 025. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/135/82-83, dated 10-2-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-10-1983.

(1) Shri Cowas A. Bilipodiwala.

(Transferor)

(2) Shri Jigarbhai Sattar Rangoonwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/250/83-84.—Whereas, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1, Sagar Darshan, New Sagar Darshan CHS Ltd.

situated at Bhulabhal Desai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MAN (OL

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Sagar Darshan of New Sagar Darshan CHS Ltd., 81/83, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/169/82-83, dated 24-2-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 12-10-1983 Seal

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Shetty Garments Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/255/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Unit No. 229, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 4-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ltability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 229, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate, Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/234/82-83, dated 4-2-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 258/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 135/2 situated at Vadlapudi Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Vizag in Februray 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Suryajanardhanarao & others, S/o late Padmatalah, Gavarapalem, Anakapalle, Vizag. (Transferor)

(2) Transport Corporation of India, Pvt. Ltd., 75 Feet Road, Vizag-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.No. 135/2, land of 1-50 Acrs, at Vadlapudi, registered with S.R.O. Viagz, vide document No. 1446, 752/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstf. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 259/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 19-1B situated at Lam Village, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Mallikarjunarao, S/o Srisailapathi, Lam Village, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri D. Vengalarao, M/g. Srl D. Venkateswarlu, Kakumarnuvari Thota, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 4-30 Acres, at D. No. 19-1B, Lam Village, Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 897/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

(1) Shri N. Nagulai, D/o Appalaraju, Yennamuruvari Street, Rajahmundry, E.G. District.

(Transferor)

(2) Shri K. Nageswararao & Sons, Sri Kanakam Satyanarayana, S/o Nageswarao, Jampeta, Rajahmundry, E.G. District.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 260/83-84.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

and/or

of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---31--336GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever an pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 14/231 C.S. No. 30-9-1, Rajahmundry, registered with S.R.O., Rajahmundry, vide document No. 1233/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 261/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1938/3 situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inklate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ch. Jagadish, D. No. 22-9-5/1, Korukonda Road, Veerabhadrapuram, Rajahmundry.
- (2) K. Varalaxmi, West Park Road, Surrereddy, Buildings, Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovwhile property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant sites at T.S. No. 1938/3, at Rajahmundry, area of 3920-5 Sq. yds. registered with S.R.O., Rajahmundry, vide document Nos. 1087, 1088, 1089/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 262/83-84.—Whoreas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 45-15-1, 8, 45-15-12 situated at Taditota Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—316 GI/83

(1) Ch. V. Hareesh, S/o Jagadishwara Rao, 22-9-5/1, & Others (2), Veerabhadrapuram, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) B. Raj Kumar, & Others, S/O Ramachandrarao, Cloth Merchants, Jayakrishnapuram, Rajahmundry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant sites of 4573 Sq. yds, broadipeta, Zone No. B. Block No. 27, at Tadithota, Rajahmundry, registered with S.R.O., Rajahmundry vide documents Nos. 629, 627, 628/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 263/83-84.—Whereas, I

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 469/2 situated at Palacherla Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering

Officer at Rajahmundry on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Y. Vijayakumar & Others, S/o Venkatagiri, Kolamuru Sivaru, Konthamuru.

(Transferor)

(2) P. Ramadas S/o Appalanaidu, Secretary. Andhra Pradesh Electricity Employees, Co-op. Building Society, Ltd., Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 5-50 Acrs., at Palacherla in S. No. 469/registered with S.R.O., Rajahmundry vide documents Nos. 1143, 1144, 1182. 724. 725/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-10-1983.

(1) G. Mareyanna & 2 others, Vijayawada Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Kishore, S/o Venkateswararno, Managing parter, Sri Scetha Authomobile Engg., Works, Vijavawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 264/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 153 situated at Autonagar Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saxt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 20-217, R. S. No. 153, Autonagar, Patamata, Vijayawada, area of 500 Sq. yds, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 1397/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 265/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. NTS 74 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Vijayawada on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S. Ramakrishna S/o Lakshminarayana, Congress Office Road, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) P. S. V. Prasad, Murthy Raju S/o Sitaramaraju, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 7366/9 Sq. yds, NTS No. 74, at Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1463/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (AP)

Date: 5-10-1983.

(1) M. Ramesh Babu, S/o. Kotes wararao, Vamakulamvari Seedhi, Kothapeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Muralikrishna alias Krishn unurthy, S/o Late Simhachalam, Pulipdivari Street, Vijayawada-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 11-17-7 sinated at Kothapeta Vijayawada

Ref. No. RAC No. 266/83-84.—Whereas, I

M. JEGAN MOHAN,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at D. No. 11-17-7 at Kothapeta, area of 488 sq. yds. registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1573/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 5-10-1983.

FORM-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 267/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. NTS No. 8 situated at Jagir Machavaram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada in Feb., 1983

Rs. 25,000/- and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dakshina Bhart Hindi Prachar Sabha (Andhra) Hyderabad Represented by its Managing Trustee, Radhakrishna Joshi Sceretary, Chiravuru, Subrahmanyam.

(Transferor)

Ch. Nagendra Kumar, Partner Visweswara Construction Hanumpeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in NTS No. 8 area of 518 sq yds, at Jagir Machavaam, near Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1593/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 268/83-84.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 200 situated at Vedari Jaggayyapeta Joggaiah peta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaggayyapeta in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--32-336GI/83

(1) K. Gopi Prasad S/o Srimananarayana Laxmipuram, Guntur. (Transferor)

(2) K. Srimannarayana S/o Pundarekashudu, Hemadri Cements Limited, Laxmipuram. Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land of 8-22 Acrs in S. No. 200 at Vedari Jaggayyapeta, registered with S.R.O., Jaggayyapeta, vide document Nos. 186, 156/83.

> M. IFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 269/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 174-2 situated at Chilakaluripeta Chikakaluripeta (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Samrajyamma, W/o Ramakota Reddy, Chilakaluripeta, Guntur.
- (2) A. Pullarao, S/o Chalapathirao, Chilakaluripeta Guntur Dt.

(Transferee)

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The worms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land of 1-20 Cents, in D. No. 174-2, Chilakaluripeta, Narasaraopeta, road, registered with S.R.O., Chilakaluripeta, vide document No. 126/83

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 270/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14-C situated at Vidyanagar Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Guntur in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Koteswararao, S/o Venkateswamy, Old Guntur.

(Transferor)

(2) K. Nageswararao, S/o Krishnayya, J. E. SFC, Coaxial Station, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 435 Sq. yds, at Vidyanagu, in D. No. 14/C, at Guntur registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 1982/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 271/83-84,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 40 situated Kopparavuru Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Y. Annapurnamba, W/o Ramanatham Babu, Karamchedu, Chirala Tq. Guntur.

(Transferor)

(2) D. Umamaheswari & other, M/G.D. Chinna Krishnaiah, S/o Vengayya, Arundalpeta, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Dry land of 4-23 Acis, at Kopparavuru in D. No. 40 registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 880/83.

M. JFGAN МОНАN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1983.

(1) P. Parvathi & 2 others, Nallapadu Sivaru, Laxminarasimhapuram, Guntur Tq.

(Transferor)
(2) The Guntur Co-op. Housing Construction Society,
Ltd., President G. Laxminarayana,
Guntur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 272/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See below situated Venigalla & Gorantla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Guntur on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land of 8-54 Acrs, at Venigandla, and Gorantia, near Guntur, in R. S. Nos, 37,53,42,30 /2, 133, 31, 116/B, & 133 registered with S.R.O., Guntur vide documents Nos. 1018, 1050, 1106, 1107, 1253, 1312, 1345, 1354, 1355, 1463/83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 273/83-84,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 228/2-B situated at Takkellapadu Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- V. Anasuya Devi, PAH P. Ankincedu Prasad, M.P. Nidubrolu, Ponnur Tq. Guntur
- (2) Ch Akila Devi W/o, Venkatarao, Nidubrolu, Guntur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 228/2-B-2, at Takkellapadu, village extent of 7-91 Acrs, & in D. No. 6/1, Vacant land extent of 3-50 Acrs, near Guntur registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 1497/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1933.

Scal:

20945

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP), the 5th October 1983

Ref. No RAC No 274/83-94—Whereas, I M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No S No 78/11 situated at Pellur Ongole (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on Feb, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) E Subbarao, S/o Venkata Subbarah, Retned Constable Emanipalem, Ongole.

(Transferor)

(2) V. Sirdhatarno, S/o Vecratah, President The Post & Telegraph Employees Co-op. Building Society, Ltd, Oncole.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land at Pellur, in S No 78/11, registered with SRO. Ongole, vide document No 460, 451, 474, 475, 486 83 area of Ac 3 06-1/4 Cents

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P

Date · 5-10-1983. Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) P. Bhanumathi & 5others, W/o Vittal, 6th Ward, Bhimavaram-1

(Transferor)

(2) R. Ramadas & 4 others S/o Srimannarayana, Koppanu, Natasapuram Tq. W. G. Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA Ob

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 275/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS, 378/3 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhimavaram on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 2032 Sq. yds., in R.S. No. 378/3, registered with S.R.O. Bhimavaram vide documents Nos., 396,400, 401, 402/83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 276/83-84.—Whereas. I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No 2 situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at Vizag in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—336GI/83

 T. Vijaya Gopalarao, S/o Govindarajulu, Kakinada,

(Transferor)

(2) C.V. Ramadevi, W/o Dr Ch. Umeshchandra, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 15 Acrs, in S. No. 2. Anakapallitalik, in registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 1777/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 500/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, 12, 13, 21 & 74, 75 situated at Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Fcb, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cncedment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Solomon Thougundla, St. John's Regional Seminary Society, Ramanthapur, Hyderabad.
 - Shaikh Meedan Saheb 14-37/5. Uppal Hyderabad.
 - 3. Shaik Meera Saheb 14-39/1, Uppal Hyderabad
 - 4. B.B. Singh R/o, Peerzadiguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Ramana Co-op, Housing Society, Registered T.B. 246, H. No. 11-76, President V.V.K.S. Sarma, Ramanthapur, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HI 'S HEDULE

Vacant dry land of 67-39 Acrs, at Ramanthapur, and Parvathpur, in D. Nos. S. Nos. 12, 13, 19, 20, 21, 14, 11, 74 & 75, registered with S.R.O., Uppal, vide documents Nos., 713, 1639, 2088, 2072, 274, 22, 90, 5029, 693, 1305, 1405, 1376, 363, 216, 1760, 6072, 2712, 2540, 195, 2795, 4423, 4968, 4379, 5322, 4915, 5351, 4243, 961, 1053, 852, 814, 742, 1410, 1963, 1814, 1915, 2003, 428, 490, 5178, 4306, 5440, 4442, 5600/83

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydenabad (AP.)

Date . 5-10 1983, Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 536/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Progressive Builders, Rep. by Sri Qadeer Sultan and other, 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bakir Hussain, R/o 3-6-309, Flat No. 21, in Second floor, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 21 in 2nd floor of 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1401 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 61/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 3-10-1983

(1) Sri Kota Mallaiah s/o Sri Ramaiah, R/o Ramannapet.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Nethaji Housing Co-operative Society Ltd., Rep. by Sri P. Yellappu, S/o Rama Latchaiah, R/o Ramannapet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 537/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Ramannapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ramannapet on Fcb., 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 6 acres 38 guntas situated at Ramannapet, registered by the S.R.O., Ramannapet vide three separate documents Nos. 2013/82, 2028/82, and 16/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (Λ. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-1983

Mir Ibrahim Ali Khan s/o
 M. A. Hussain Khan, r/o
 3-2-317, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sneha Latha, w/o Shri Prabhudayal, R/o 1841, Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 538/83-84,—Whereas, I, M. ICGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-6-527/4 situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-527/4 situated at Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 377/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 3-10-1983

Set* :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 539/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) farilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri J. Prabhakar Rao, and Ch. Satyanarayana Rao, R/o 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Abdul Salam, R/o 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1/2/282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 381/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 540/83-84 --- Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in February, 1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Sri J. Prabhakar Rao, and Ch. Satylandrayana Rao, R/o 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferou)

 Sri K. Durga Prasad, R/o 1-2-282 and 282/A, Doma¹guda, Hyderabad.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcei of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 379/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 3-10-1983

Scal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri K. Parma Reddy, R/o Nizampur, Medchal Taluk, R. R. Dt.

(Transferor)

(2) Sri B & P Ceramics, A-16, and A-17, Associated Private Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad.

(Trunsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 541/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Bollaram, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narsapur on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4.92 acres situated at Bollaram, Secundentiabad registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 789/83.

> M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:---

Date : 3-10-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 542/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land situated at Nizampet, Medchal Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-34-336GI/83

(1) 1. Sri K. Parma Reddy s/o Sri K. Bhadra Reddy, R/o Nizampet, Medchal Tq., R. R. Dt.,

2. Sri P. Ratanlal Jain s/o Sri Pukhrajmal Jain, 3. Sri K. Balreddy s/o

Sri Bhadra Reddy,

4. Sri K. Jayaram Reddy s/o Sri Balreddy,

Sri P. Ratanlal Jain s/o Sri Pukhraj Jain, R/o Hvderabad.

(Transferor)

(2) M/s. K.S.R. Financial Consultants and Investors (P) Ltd., Rep. by Sri K. S. Reddy s/o Sri Ramachandra Reddy, R/o H. No. 6-3-341, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 11 acres, 42 guntas situated at Medchal Taluk, Miyapur registered by the S.R.O., Narsapur vide 2 separte document Nos. 790/83 and 885/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 3-10-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prem Latha, w/o

(1) Sri Ibrahim Ali Khan s/o

(Transferor)

Sri Manik lal, R/o 1841, T. B., Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 543/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. House situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Sri M. A. Hussain Khan, R/o 3-2-317, Chappal Bazar, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (e) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 3-6-527/5, situated at Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 378/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;--

Date : 3-10-1983

20957

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Meera Bai w/o Shri Ramchand, R/o Cement Building, Ashoknagar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Narendra Jyothi w/o Shri Sivanarayana, R/o Suryapet, Vijayawada.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 544/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, in 4-1-938, Tilak Road, Hyderabad admeasuring 390 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 441/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 545/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shed with land situated at Himathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ibrahim Ali Khan s/o Sri M. A. Hussain Khan, R/o 3-2-317, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Gopal Babu s/o Shri Maniklal, R/o 1841, T. B., Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shed with land admeasuring 550 sq. yds, and 100 sft., plinth area situated at Himayathnagur, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 412/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:-

Date : 3-10-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 546/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Land situated at Janwada, R. R. Dt., (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. Dt., on Feb., 1983

R. B. Dt., on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. Vijender s/o Shri Gopalakrishnu & 6 Others, G.P.A. Sri A. Sadananda Rao, R/o 3-6-886, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Vinayak Enterprises, Rsp. by Smt. T. Maniyamma, W/o Sri T. Anjaiah, R/o Barkatpura, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 acres, 16 guntas situated at Janwada, Rajendranagar Taluk, R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 890/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 4-10-1983

Seal 4

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 547/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated wt Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vallabhnagar in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kum. Syamala Adolph and Sri Sckhar Adolph, R/o 6-3-907/5, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri I. Ahmed, R/o 11-6-183, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in Shahran Apartment, admeasuring 740 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 448/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 4-10-1983

Seal

FORM ITNS----

(2) Smt. S. Premlatha, GPA Sri S. Radhaswami, R/o 95-E, Park Lane, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri I. Koti Padmakar, R/o 245-C, Dr. Annie Bescht Rd. Prabhadevi, Bombay.

(Tilansferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 548/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Aparne Apartments, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nation is the Official Corrects. cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, Aparna Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 885 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 553/83-84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 4-10-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. S. Premalatha w/o Shri S. Radhaswami, R/o H. No. 95-E, Purk Lane, Serunderabad.

(2) Smt. Geeta Purander w/o Shri V. C. Purander, R/o 10-1-481, Nehrunagar, Secunderabad. (Transferor)

(Titansferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 549/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereintafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Ground floor, Aparna Apartments, Begumpet, Secunderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 359/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 550/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat, situated at Begumpet, Secunderabad

flat, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Vallabbragers on Sth. February, 1993

1908) in the office of the Registering Officer at Vallabinagar on 8th February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—
35—336GI/83

(1) M/s. Srinivasa Builders (P) Ltd., by Sri G. Srinivasulu Reddy, M.D., 1-2-593/4/A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri A. V. Ratnakar, d/o Purnachandra Rao, 52, Dr. B. N. Road, T. Nagar, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 in 17nd floor of Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad admeasuring 1700 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 371/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 551/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat, situated at Begumpet, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on February, 1983 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S. Premalatha, GPA Sri S. Radhaswami
 Park Lane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Janakiraman, 254-C, Dr. Annie Besent Road, Bombay-25.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14 in Aparna Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 976 sft., registered by the S.R.O. Vallabhnagar vide document No. 330/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 552/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Hakeempet, Hyuerabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Hashim Ali Khan and 13 Others, H. No. 3-6-361, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Mahalaxmi Cooperative Housing Society Ltd., 16-10-105/36-D, Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land, situated at Hakeempet, Hyderabad admeasuring 15 acres 20 guntas registered by the S.R.O., Khairatabad vide document $N \approx 388/83$ and 343/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. 553/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot, situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairtabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) \$mt. Satish Kumari w/o Satya Kumar Mathur, H. No. 5-10-188, Ritz Hotel Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rafat Hussain Ansari, and Others, 10-4-35/2, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admensuring 1712 sy. yds, situated at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 336/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 3-10-1983

 Sri Satyanarayan Gupta & Others, 15-6-41/1 Siddambar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Saleem s'o Abdul Gaffar, 22-7-516, Purana Havel, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No 554/83-84.—Whereas T, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House, situated at Noor Khan Bazar, Hyderabad

House, situated at Noor Khan Bazar, Hydenabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on February, 1983

Azampura on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULF

House property No 22-1-730/1, Noor Khan Bazar, Hyderabad registered by the SRO, Azampura vide document No. 219/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC No. 55/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Karmanghat R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at R.R. Dt., in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. S. Reddy and Others, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) A. P. Agricultural Department Employees Co-operative Housing Society Ltd.,
C/o. Directorate of Agriculture,
Hyderabad-500 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 acres situated at Karmanghat, R. R. Dt., registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 543/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 556/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Sahebnagar Khurd, RR. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at R.R. Dt., in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Panduga Agamaiah, and Others, R/o. Sahebnagar, Khurd, R.R. Dt.

(Transferor)

(2) M/s. Vysya Graduates' Cooperative Housing Society Ltd., Rep. by its President Shri V. Vittal Roa, 6-1-91, Secretariat Road, Hyderabad-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 10 acres 5 guantas situated at S ahebnagar village registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 847/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-10-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. Pedda Eeranna, Chinna Eeranna, Sons of K. C. Eeranna, Agriculturists, Karvanpet, Hyderabad.

(2) M/s. Shri Raghavendra Estate Traders, by Shri S. Venkata Subbaiah, S/o S. Changalaiah, XXI Ward, S.K.D. Colony, Adoni.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 557/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Mandigiri village, Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adoni in Feb., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mandighri Village, Adoni admeasuring 3 acres 94 cens registered by the S.R.O., Adoni vide document No. 256/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-10-1983

Scal:

I-ORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 558/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Mandigiri, Adoni
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Adoni in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-36-336GI/83

(1) Smt. Hugami Bee W to Abdotlah 135 / Other and Shij B. Abdul Salaam & Others, Adoni

(Transferor) (2) M, s. Shanti Estate Traders. Rep. by Shii A. Vijayakamar, SKD Colony, Adoni (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4 acres situated at Mandigiri, Adoni registered by the S.R.O., Adoni vide document No. 527 83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tare Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 559/83-84,---Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands situated at Kakkapalli village, Anantpur Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anantpur in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri H.K.M. Mallikarjuna Rao, S/o H. M. Kaloji Rao and others, Advocate. D. No. 26/74, Prabhakar Street, Old Town, Anantapur,

(2) M/s. Polytex Organics Ltd., Anantapur, Rep. by its M.D. Shri B. Mallikarjuna Reddy, Kakkallapalli village, Anantapur Dt.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kakkapalli village admeasuring 9 acres 62 cents registered by the S.R.O., Ananthapur vide document No. 1422|83, 1423|83, 1334|83, 1304|83, 1388|83 and 1389|83 (vide 6 separate sale deeds).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC, No. 560/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at King Kothi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Nataraj Builders, 3-6-796, King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarayana Balaprasad Kabra, S/o Balaprasadji Kabra, 3-5-141/2, Ramkoti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 2nd floor of Mahaveer Apartments, M. No. 3-6-796 King Kothi Road, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyedarabad vide document No. 676/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(QUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. RAC. No. 565 83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No.

House situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of

- (a) tachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section (69D) of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. K. Shakuntala, W/o K. K. Raghunath Rao, R/o 3-6-49/1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Madhukar Ganu, S/o Madhukar Ganu, and Others, Ro 3-4-494/1, Barkatpura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persens, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/15th share of house in 3-6-491, Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 505/83.

M. JEGAN MOH N Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 6-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Narayana Rao, S/o K. Venkaiah, 23-4-197, Sultan Shahi, Hyderabad. (Transferor)

(2) Shi K. Venkata Rao, S/o K. Venkaiah, 1-2-511, Domalguda, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. RAC. No. 566/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. House situated at Uma Bagh Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 5-8-322/17, Uma Bagh, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 607/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. RAC, No. 567/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Land situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Aktharunnisa Meetha alias Aktharunnisa Begum, W/o Osman Mitha, 5-9-43, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. B. L. Anand, S/o Late Shri Sohan Lal Anand, and Smt. Uma Seshi Anand, W/o M.B.L. Anand, 1-10-2/3, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 7 at Nana Bagh. Basheetbagh, Hyderabad admeasuring 500 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 737/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1983

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. 568/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Lingampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chikkadpally in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Chandraiah, s/o, Sayanna, Nallakuntam, Hyderabad

(Transferor)

 (2) Sri Padma Veeraiah and 2 Others,
 H. No. 1-30, Chiriyala Medical Taluk, R.R. Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of premises bearing No. 3-4-354/1, Lingampally, Hyderabad admeasuring 2205 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 107/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-10-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Rcf. No. RAC. No. 569/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Lingampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadapally in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti M. Chandroiah, s/o Sayanna, 2-1-527/4, Nallakunta, Hyderabad

(Transferor) (2) Shri Padma Nagabhushanam, S/o Padma Veeraiah

1-30, Chiriala Medical Taluk, R.R. Dt (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property ground floor bearing No. 3-4-354/1, I ingumpally, Hyderabad admeasuring 2425 sft registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 116/83.

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Hy terabad (A.P.)

Date: 6-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCAME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. 570/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

hyderabad in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—336GI/83

(1) Shri Harikishen Gir, s/o Sri Hem Gir Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. D. Padmavathi, w/o Dr. D. Venkata Ratnam, 3-6-216, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 3-6-611, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 421 sq. yds. or land area and building registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 686/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. RAC.571/83-84.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Land situated at Ameerpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad in February, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. Janardhan Reddy, s/o M. Raghava Reddy Plot No. 24, Andhra Bank Colony, Dilsukhnagar, Hyderabad, 2. Smt. M. Ramalaxmi, w/o M. Radhava Reddy, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. G. Satti Reddy and Others, 2-4, Mallipudi, Sevasadan Nursing Home, Penmetsavari Street, Bheemavaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Ward No. 7, Block No. 1 Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1634.31 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 427/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. RAC. No. 572/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Shaikhpet Village, R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following risons, namely.—

 Dr. V. Srinivasan, s o A. Venkata Ratnam, Chetan Society, New Padra Road, Baroda,

(Transferor)

Mr. P. M. Varma,
 s/o Sri P. J. J. Raju,
 H. No. 1-2-593/27, Gaganmahal Colony,
 Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if stay, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-2-293/82/A/299/A, Shaikhpet Village registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 353/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th October 1983

Ref. No. RAC. No. 573/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Bagh Ammeri Village, R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Sri T. Yadagiri and Others, Bagh Ammeri Village, Hyderabad-500 872.
- (Transferor) (2) Sangeethanagar Co-operative Housing Society Ltd., T.B.C. 89, Hyderabad-500 872.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 42 acres 23 guntas situated Open land admeasuring 42 acres 23 guntas situated at Bagh Ammeri Village, Rajendranagar Taluk, R.R. Dt., registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide 54 separate documents bearing Nos. 1022, 997, 996, 995, 947, 946, 945, 933, 932, 930, 929, 915, 914, 912, 911, 910, 903, 902, 901, 900, 899, 898, 897, 896, 895, 844, 843, 842, 840, 837, 835, 834, 833, 832, 831, 773, 710, 709, 706, 1023, 712, 711, 748, 747, 525, 526, 571, 578, 579, 580, 581, 610, 611, 637.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th Sepember 1983

Ref. No. RAC. No. 476/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Masab Tank, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ajantha Builders, M. No.10-5-3/A/1, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Azeemuddin Khan, H. No. 10-5-31/A/1, (Flat No. A), Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Masab Tank, Hyderabad admeasuring 1100 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 363/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 28-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th Sepember 1983

Ref. No. RAC. No. 477/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Hyderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shahjehan Apartment, M. No. 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss: Najma, Mohd. Iqbal Sanai, 702, Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, in Shahjehan Apartments, Khairatabad, Hyderabad admeasuring 1106 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 675/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 28-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th September 1983

Ref. No. RAC. No. 479/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

Land situated at Guddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. M. Anjamma and Others, H. No. 12-2-425, Guddimalkapur, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Navodaya Co-op. Housing Society Ltd., H. No. 12-2-709/81, Navodaya Colony, Guddimalkapur, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2 acres 12 guntas situated at Guddimalkapur, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 459/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-9-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th September 1983

Ref. No. RAC. No. 480/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Sri Naseeruddin Hasan, H. No. 6-3-1246, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mir Khusro Hasan & Other, GPA Smt. Halda Begum Haneez Khan, w/o Sri Muzaffar Hussain Khan, H. No. 6-2-905, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-1246, Nutees Gulshan, Rajbhavan Road, Somajiguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 674/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 28-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th September 1983

Ref. No. RAC. No. 482/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Gulam Mohiuddin Ahmed, GPA Sri Mohd Ashfaq Ahmed, r/o Domalguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Yousuf Ali Khan, 14-5-76, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house No. 10-2-7, A.C. Guards, Hyderabad admeasuring 350 sq. yds. of land registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 506/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—336GI/83

Date: 28-9-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th September 1983

Ref. No. RAC. No. 496/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 26

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Srinivasa Builders, Pvt. Ltd., H. No. 1-2-593/4 A, R.M. Road, Hyderabad.

(2) Miss Parneeta,

H. No. 8-2-678/4, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 in Srinivasa Towers, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 833/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 28-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th September 1983

Ref. No. RAC No. 497/83-84.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Begumpet Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vallabhnagar in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatlh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Srinivasa Buliders (P) Ltd., 1-2-593/4A, Ramakrishna Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Amar Kantha Aao, C/o. C. Rama Kanta Rao, 1-10-1/3, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 in Srinivasa Towers, 6-3-1187, Beguindet, Hyderabad admeasuring 1700 sft., registered by the S.R.O., Vallabhanagar vide document No. 971/83.

.M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Date: 28-9-1983

FORM-ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th September 1983

Ref. No. RAC. No. 498/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising, from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M-/s. Virgo Constructions, M. No. 6-1-1063/B/3, Punjagutta, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. P. Nagarajeswari Flat No. 21, Block-F, Kanti Sikhara Apartment, Punjagutta, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 Block "F" Kantl Sikhara Apartment, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 642 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1345/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mys. Virgo Constructions, M. No. 6-1-1063/B-3, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Neelaveni, Flat No. 66, Block F, Kanti Sikhara Apartment, Punjagutta, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th September 1983

Ref. No. RAC. No. 499/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat situated at Punjagutta, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 66, Block 'F' Kanti Sikhara Apartments, Punjagutta Hyderabad admeasuring 642 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1348/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-9-1983

Seál:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rattan C. Bhambhwani, S/o Govindram R. Bhambhwani & another, F. No. 804, 8th floor, S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)
(2) Smt. Radha Kalidas Harjani, w/o K. T. Harjani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 501/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at S. D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1983

at secunderation of rectuary, 1963
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

804, S. D. Road, Secunderabed.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 804 in premises No. 1-1-58/1 to 58/11 on 8th floor, at S.D. Road, Secunderabad admeasuring 1302 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 54/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Dato: 30-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 502/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Gandhinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Kamath Builders, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Santacruz, Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Sri C. Kondayya, C-8, 'Damodar Kripa' New Baka-ram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-8, on M. No. 1-1-524/A, Gandhinagar, Hyderabad admeasuroing 960 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 433/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1983,

Seal .

- (1) Smt. Nusarath Banu, 8-2-624/A, Road No. 11, Banjara Hills, Hyderabad.
- (2) Smt. Shahzadi Begum, and Other, 1-8-303/33, Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 503/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Resoolpura, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Rasoolpura, Secunderabad admeasuring 1100 sq. yds, registered by the SRO., Hyderabad vide document No. 366/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Konduri Chittalah, 2-67, Podduru Medchal R. R. District. village,

(Transferor)

(2) Sri Daranikota Sudhakar and Dharanikota Madhukar H. No. 4-2-121, Old Bhoiguda, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 504/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Hissamgunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;

(b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 7-2-920, Hissamgunj, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 109/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983.

Soal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs. ing persons, namely:-39-336GI/83

FORM ITNS----

- (1) M/s. Kabra & Co., M. G. Road, Secunderabad,
- (Transferor) (2) Sri V. Sunitha Reddy, 1-4-880/14, New Bakaram,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 505/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1983 MOHAN,

at Secunderabad on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 312, situated at IIIrd floor, Kabra Complex, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 471 sft., regiby the S.R.O., Secunderabad vide document No. 53/83. registered

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 I) of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 506/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Padmaraonagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Andrew Humphrey and two Others, 5/1 (6-1-259) Padmararaonagar, Secunderabad.
 - (Transferor)
- (2) Fin. Co-operative Housing Society Ltd., H. No. 5-8-499/502, Chiragali Lane, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 6-1-287 to 289 situated at Padmaraonagar, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 92/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 507/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Alwal, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vallabhnagar on February, 1983

far an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri P. Nagendara Rao, 2. Sri P. Laxmintarayana, 3. Sri P. Mallaiah, 4. Sri P. Madhav Rao and 5. Sri P. Jayender Rao, (1, 5, 6) H. No. 1-2-399, Domalguda, Hyderabad, (2, 3, 4) H. No. 17-14, Alwal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Father Balaihnagar Cooperative Housing Society Ltd., Alwal, Secretary: Sri P. Ananda Rao Canteen Manager, Lo yola Academy, Alwal, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 593, 597 and 598 Open land admeasuring 12 acres 22 guntas registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide 5 separate document Nos. 348, 343, 344, 346 and 345/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 508/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Theatre situated at Thipparthy, Nalgonda District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vallabhnagar on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri A. Malla Reddy & Other, Thipparthy, Nalgonda District.

(Transferor)

(2) Sri Alluri Lingaiah, Thipparthy village, Nalgonda District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Theatre G. P. No. 9-83/5, admeasuring 1883 sq. yds. situated at Thipparthy, Nalgonda District, registered by the S.R.O., Nalgonda vide document No. 352/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983

21000

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kabra & Co., M. G. Road, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Surya K. Baldev, H. No. 3-6-283/1, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 509/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922.) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 in M. No. 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 300 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 111/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983,

(1) M/s. Kabra & Co., M. G. Rcad, Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri C. Sivarami Reddy, s/o. Late Chenchi Reddy, R/O. Isandrapalli, via. Gopuvaram Project site, (P.O.) Cuddapah District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

Ref. No. RAC. No. 510/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg 25 000 /- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing Shop situated at M. G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explices later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 311 in 3rd floor of 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 471 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 52/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1983.

(1) Sri Kavall Balaiah and Other, 3-12-316, Tirumalghery, Secunderabad.

(Transferor)
(2) M/s Asha Cooperative Housing Society,
Tirumalghery, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

RAC No. 511/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Tirumalghery, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Marredpally on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 33 guntas of 3993 sq. yds. situated at Tirumalgherry, Secunderabad Cant., registered by the S.R.O., Marredapally vide document No. 245/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Balagari Narasimha and Others, H. No. 113, Qutubullapur, Hayathnagar Tq. R.R. Dt.

(Transferor)

21003

(2) Sri H. Karam Raj, H. No. 3-3-836 Qutbiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

RAC. No. 512/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at R. R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Uppal on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--40-336GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 13 acres 26 guntas situated at Qutubullapur, Hayathnagar Taluk, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 1042/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983

(1) M/s. Kabra & Co., M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sri C. Laxmamma, w/o Late Sri Chenchi Reddy, 1-4-880/2/20, New Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

RAC No. 513/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop situated at M.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registring Officer at

Secunderabad on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 309 in third floor of Kabra Complex, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 520 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 94/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

RAC No. 514/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Alwal, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Ramachander Rao, 16-2-147/R/1, Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) P.A.O. (ORS) AOC Employees Co-operative Housing Society Ltd., 2-2-1162/2, New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 9008 sq. yds. situated at Alwal, Secunderabad registered vide 2 separate documents by the S.RfiO., Vallabhnagar vide document Nos. 466/83 and 546/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th September 1983

RAC No. 515/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Thokatta Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marredatpally on February, 1983

at Merredatpally on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Srl B. V. Prakash Reddy and Others, 185, Bowenpally, Secunderabad.
- (Transferor)
 (2) The Sanjeevaiahnagar Co-operative Housing Society, 1-10-170, Sanjeevaiahnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thokatta village admeasuring 2420 sq. yds. registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 303/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

RAC No. 516/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Tarnaka, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S. Venkat Subba Laxmi, w/o Sri S. V. B. Subba Rao, r/o Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Karuna,
 w/o Dr. G. Vasudeva Reddy,
 H. No. 12-13-251, Street No. 15,
 Tarnaka, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 12-13-251, Street No. 15, Tarnaka, Secunderabad admeasuring 568 sq. yds. of land and 1300 sft., of plinth area registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 317/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 3-10-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

RAC No. 517/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Gandhi Chowk, Khammam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khammam on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt., Akula Rajamma, w/o Srl Purnanandhan, Gandhi Chowk, Khammam.

(Transferor)

(2) Sri Gella Narayanamurthy, s/o Sri Bakkalah, Hanuman Temple, Road, Khammam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 2-2-47/48, Gandhi Chowk, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 548/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

RAC No. 518/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Kuppam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kuppam on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri J. S. Srinath and J. S. Venkatachalapathi, Door No. 13-99, Kuppan, Kuppam Taluk.

(Transferor)

 Sri V. Laxmiram Setty, s/o Sri V. Venkateswara Rao, Door No. 3-15, Netaji Park Linc, Kuppam Post, Kuppam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 13-99, in Kuppam village, registered by the S.R.O., Kuppam vide document No. 172/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 3-10-1983, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

RAC. No. 519/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000/- and bearing

Land situated at Kotramangalam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, in the office of the Registration Officer at

Rs. 25,000/- and bearing
Land situated at Kotramangalam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tirupathi on February, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Assistant Commissioner of Endowments, Sri D. T. Narayanappa,
 o D. T. Narasimhappa,
 Gandhi Road, Tirupathi.

(Transferor)

(2) Sri C. Narasimhulu Setty, s/o Chedella Ramayya Setty, 107, Porla Street, c/o Sri Padmavathi Investments, Tirupathi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 18 acres 17 guntas situated at Kotramangalam village, Tirupathi, Chandragiri Taluk registered by the S.R.O., Tirupathi vide document No. 692/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri P. Venkata Krishnalah and 2 others, Buja Buja, Nellore Taluk, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Sri G. Venkateswarlu, Managing partner, Swamy Ayyappa Traders, Santhapeta, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

RAC. No. 520/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding its. 25,000/- and bearing No. and situated at Vedayapalem Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on March, 1983

Actions on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2 acres 68 cents situated at Vedayapalem, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1236/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-(ax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

owing

Date: 3-10-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—41—336GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 521/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Flat situated at Nampally Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fatchsultan Lanc, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ahalya Bai, 5-8-42, Fateh Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-201/21, 5-8-42, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 394/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

RAC. No. 522/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Flat situated at Nampally Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ahalya Bai, 5-8-42, Fateh Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 300 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 389/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 523/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Nampally Hyderabad

Flat situated at Nampally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb., 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 M/s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Neelu, Flat No. A-402/19, 5-8-42, Fatchsultan Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-402/19, situated at Nampally, Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 390/83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

5-8-42, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. L. Sujatamma, F. No. C-404, H. No. 5-8-42, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(1) M/s. Nandanam Construction Co.,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 524/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No Flat situated at Nampally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-404, situated at Fatehsultan Lanc, Nampally, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 391/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

39-326GI/83

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 525/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Domalguda Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri J. Prabhakar Rao, and Ch. Satyanarayana Rao, 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Jumani, 5-9-281/1, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

- (3) As at S. o. 2 above & tenants if any,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to the interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No 380/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 526/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Narsapur Medak Dt.,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri K. Parma Reddy, Nizampur village, Medchal Taluk R. R. Dt.

(Transferee)

 Sri G. Janardhan Reddy, Kothuru Village, Indukurpet takuk, Nellore Dt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres in S. No. 172 (E) situated at Ballaram village, Narsapur Taluk registered by the S.R.O., Nasapur vide document No. 788/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

Smt. Eswari Bai,
 N. Lalwani,
 5-8-42, Fatchsultan Lane,
 Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 527/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Nampally Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B-204/24, situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 393/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 528/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Nampally Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitatingt he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
42—336GI/83

 M/s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Razia Younus Khan, 5-8-42, Fatehsultan Lanc, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. A-301/9, 5-8-42, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 395/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 529/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at RTC X Roads Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhagyanagar Builders, Rep. by K. V. Ranga Reddy, 1-1-79, RTC X Roads, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. Ravi Krishna Raom s/o V. Hanumantha Rao, 1-1-79, RTC Cross Roads, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 83 F-2, 1-1-79, RTC Cross Roads, Hyderabad admeasuring 1540 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 882/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 530/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Unity House Abids, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any asoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hindustan Builders, Unity House, Abid Road, Hyderabad

(Transferor)

 Sri Kareemunnisa Begum, 4-6-326, Isamiah Bezar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 39 in 4th floor of Unity House, Abid Road, Hyderabad admeasuring 400 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 711/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 531/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat situated at Nampally Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nardanam Construction Co., 5-8-42, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nandanmani C. Kapadia, 5-8-42, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-104/20, Fatch sultan Lane, Nampaily, Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 392/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 532/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Moosarambagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri D. Shanker Reddy
 Sri D. Prasad,
 Raghunath B. Yadagiri Reddy,
 D. Nagi Reddy,
 M. Narasimha Reddy
 B. Rami Reddy,
 T. Yellaiah,
 B. Krishna Reddy,
 and C. Rajamallaiah,
 16-11-264, Moosarambagh,
 Hyderabad,

(Transferor)

(2) Addagutta Co. op. Housing Society Ltd., Rep. by B. Damodar, s/o late V. Chinnaiah, R/o Barkatpura, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 37,872 sq.yds. situated at Moosarambagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 418, 458, 491, 651, 627, 566, 547, 673, 1126/83, 1125/83, 1022/83, 1033|83, 872|83, 871|83, 781|83, 741|83, 732/83, 692/83, (vide 18 separate sale deeds).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (ΛΡ.)

Date: 3-10-1983

 M/s. Vinayak Enterprises, Rep. by Sri M. Vinayak, s/o Govinda Rao, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri T. R. Muralidhar, Flat No. 409,H. No. 3-5-585 and 586, Vittalwadi, Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 533/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Vittalwadi Hyderabad

Flat situated at Vittalwadi Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 409 in 3-5-585 and 586, Vittalwadi, Hyderabad admeasuring 1177 sft., registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 690/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section !69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Hindustan Builders, Unity House, Abid Road, Hyderabad

(2) Shri Ashfaq Hussain, 22-6-974, Irani Lane, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 534/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat situated at Unity House Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEUDLE

Office No. 22, 4th floor, Unity House, Abid Road, Hyd., admeasuring 242 sft., registered by the S.R.O, Hyderabad vide document No. 710/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd October 1983

Ref. No. RAC. No. 535/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Nampally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

 Nandanam Construction Co., 5-8-42, Fatch Sultan Lano, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. R. Irfan Khan, 4-8-42, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-503/59, in 5-8-42, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 396/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 3-10-1983

FORM ITNS----

 Shri D. Varadareddy, S/o Subbaramareddi, and others, Vakalapudi, E. G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. Kannayyakapu and 17 others S/o Suranna, D. No. 43-3-37, Market Street, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Rof. No. RAC. No. 236/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 13 situated at Ramanayyapeta Kakinada

S. No. 13 situated at Ramanayyapeta Kakinada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on Feb., 1983

Kakinada on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land of 10-60 Acrs, at Ramanayyapeta, village, Kakinada in S. No. 5, registered with S.R.O., Kakinada, vide document Nos. 1087, 1117, 1142, 1238, 1265, 1306, 1321, 1348, 1387, 1410, 1751, 1752, 1815, 1787, 2070, 2080, 2109, 2111/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
43—336GI/83

Date: 5-10-1983

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 237/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 11/1, 10/1 & 9/1 situated at Ramanayyapeta Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kakinada on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri G. Venkatarao & 2 others, S/o Appalaraju, Thimmapuram, Kakinada Tq., E. G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri Premchand S/ Longmal Gnanchand, President Vivekanada National Service Society, C/o Rohini Enterprises, Main Road, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land of Ac-9-00 At Ramananyyapette, village of Kakinada, in S. No. 11/1, 10/1, 9/1, registered with S.R.O., vide document Nos. 1211, 1283, 1307, 1340, 1380, 1485, 1462, 1573, 1619, 1629, 1675, 1808 1826, 1907, 2017, 2018, 2243, 2338/83. SRO Kakinada.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983

Lam Village,

Guntur NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shaik Hasan S/o. Fhakir Saheb,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri D. Venkateswarlu S/o Vengayya, Kakumaluvai Thota. Guntur.

(Transferee)

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. 238/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18-1 & 19-1 A situated at Lam village Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Dry land of 1-74 Cents in D. No. 18-1 and 19-1A, Lam village, Guntur Dt. registered with S.R.O., Guntur, document No. 898/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 239/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 252/3A, 3B, 251/6 situated at Vakalapudi Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on Feb. 83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri V. Veeraju and others, Vakalapudi Sivaru, Valasapakala Kakinada, E.G. Dt.
- (Transferor)
 (2) Ch. Srinivasa Raju and others, RS. No. 252/3A, 3B, 251/6, Vakalapudi, Valasapakala, Kakinada, E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saids Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Vakalapudi in R.S. No. 252/3A, 3B, 251/6, area of 7-41 Acrs, registered with S.R.O., Kakinada, vide documents 833/83, and 854/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983

21031

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 240/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-D, 626/1 situated at Laxmivarapupeta Eluru (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Eluru on Feb. '83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri A. Hema Chandra rao & Others S/o Nukaraju Eastern Street, Eluru W.G. Dt.

(Transferor)
(2) Shri J. Satyanarayana Rao, S/o. Seetha Ramarao,
The Eluru Wholesale Tobaco Merchants, Association Eluru, W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at T. S. No. 626/1, Laxmivarapu Peta, Eluru, area of 2391/2/3 Sq. yds, registered with S.R.O., Eluru, vide document Nos, 808, 883, 962, 991/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 241/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN

at Eluru on Feb. '83.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 115/2, situated at Sriparru Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely i-.

Shri K. Rama Mani & Others. W/o. Satyanarayana, Sriparru, Eluru Tq., W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri G. Narasimharao, S/o Venkatararayana, & Others, Gavaravaram, Eluru, WG Dt.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice mill named Sri Laxmi Ganapathi Rice Mill, area of Ac. 4-70 cents, situated at Sriparru village. Eluru, registered with S.R.O., vide document No. 885/83. S.R.O., Eluru.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 242/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS. No. 414 situated at Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on Feb. '83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri M. Venkata Siva Rama Sastry S/o Suryanarayana Rao, Ramachandrarao pet, Eluru, W.G. Dt.

(2) Shrimati K. Laila Kumari W/o. Satynarayana Rao, Eluu (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 343 Sq. yds, situated at Ramachandra-raopeta, Eluru, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 760/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mnaely:—

Date: 5-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 243/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32-108 situated a Sajjapuram Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Tanuku on Feb. '83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Ramakrishna Srinivasu & others, S/o. Dakshinamurthy, Tanuku. W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri B. Subbarao & others S/o Narayanarao, No. 32-108, Tanuku.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant sites of 188 Sq. yds, at Saljapuram, in D. No. 32-108, registered with S.R.O., Tanuku, vide documents Nos, 753, 751, 752/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date · 5-10-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th October 1983

Ref. No. RAC, No. 244/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the value

immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. %4") 3 '20 situated at Gundugolanu Eluru (and been transferred under the Registration Act, has been transferred under the Registration Act, 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on Feb. '83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—336GI/83 (1) Shri, K. U. Satyanarayanamurthy S/o. K. Viswa-nadham & others, Gudugolanu, Bhimadolu, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri N. Appalanaidu & 8 others, S/o. Lakshmaiaha, Gundugolanu, Bhimadoly, Tq. WG Dt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 3/20, area of 1455. 1/9 Sq. yds, at Gundugolanu, village, near Eluru, registered with S.R.O., Eluru vide document No. 499/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 245/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 232/2A situated at Kovvuru

and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kovvuru on Feb. '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. D. Kondamma & 14 others W/o Muneyya, Kovvuru, W.G. Dt. (Transferor)
- (2) Shri K. Balaramaraju. S/o. Bangarraju, Mg. Viswa Bharat Agro Products, Pvt., Ltd., P. B. No. 47, Mangala Giri Road, Guntur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of Ac. 4-09, in R.S. No. 232/2A, at Kovvuru, registered with S. R. O. Kovvuru, vide document Nos., 172, 173, 174, 175, 176/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 246/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot 12 & 13 situated at Palakollu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakollu on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri P. Suryanarayana Raju, S/o. Sitaramaraju, Lankala Koduru, Poduru Tq. W.G. Dt. (Transferor)

(2) Shri V. Rangaraju, S/o. Somaraju, State Bank of India Colony, Palakollu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 1130 Sq. yds., at 1st Ward, Palakollu, registered with S.R.O., Palakollu, vide document No. 247, 465/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 5-10-83

Satyanarayana, g. (Transferor)

FORM ITNS

(1) Shri A. Atchuta Ramarao, S/o. S. No. 3, 5-10-270, Siripuram, Vizag.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Ch. Vemsi Devi Wo. Ramachandrarao, Nidadavolu, W.G. Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THOOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 247/83-84. Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the Ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

299 situated at Nidadavolu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nidadayolu in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which bught to be disclosed by the Wankered for the purposes of the lindlan income tax Act. 1952 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby filitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :-

- (a) by any of the aforeside persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- "(b) by any other person interested in the said immovable property, willin 43 days from the time of the application of this dotter in the Official Cheste.

*EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same shearing as regiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant sites of 957 Sq. yds., and 957 Sq. yds., in S. No. 299, at Nidadavolu, registered with S.R.O., Nidadavolu, vide document Nos., 470, 471/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
'Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-83.

'Stal :

Shri P. Venkateswarara, S/o. Sriramulu, Ashoknagar Eluru & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOE-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 248/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 495, 494, 493 situated at Tadıkalapudi Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Elurur ori-'Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the patposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :---

(2) Shri K. Suryanarayana, S/o. Brahmayya, M/s. Gowtami Agro Industries Pvt., Ltd., Ashoknagar, Eluru. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by, any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 11-48 Acrs, at Tadikalapudi, RS. Nos., 495, 494, 493, registered with S.R.O., Eluru, vide documents Nos., 626, 572, 553/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 249/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 231/6m 7A/232/8, situated at Vundrajavaram Tanuku (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri B. B. Venkayya & Others, S/o, Sriramulu, Vundrajavaram, Tanuku W.G. Dt.

 (Transferor)
- (2) Shri B. Subbarao & Brothers, Proprietors, Srl Venkateswara Raw and Boiled Rice Mill, Vundrajavaram, Tanuku, W.G. Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 3-71 Acrs, at Vundrajavaram, village Tanuku, in R.S. Nos. 231/6, 232/8, 231/7A, registered with S.R.O., Tanuku vide document Nos., 559, 554, 553/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-83.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 250/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 130/24 situated at Palakollu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palukollu in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Smt. T. Susheela W/o. Subbarao, Konteru, Narasa-pur tq. W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri R. Rangarao, S/o Sri Subbarao, 16th Ward, Palakollu, W.G. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 5-13 Cents at Konteru village, in R.S. No. 134/1, 130/2A, registered with S.R.O. Palakollu, vide document Nos., 243, 245/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-10-83.

Shri M., Acchutarao & Others, Taratava, Akiveedu, W.G. Dt.

(2) Shri D. V. Ramanarao, S/o. Punnayya, & Others, Ch. Mallikarjunarao, S/o. Gandhiraja,

(Transferor)

Southern

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 251/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 105.1 situated at Chilikanivari Pothepalli, Bhimadolu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhimadolu in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

Street, Eluru & 7 others.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Dry land of 103-61 acres, at Chelikanivari Pothepalli village, Bhimadolu, registered with S.R.O., Bhimadolu, vide documents Nos.

| S. No. | Document Nos. | R.S. No. |
|--------|---------------|----------------------|
| 1. | 754 | 100/11 |
| 2. | 75 1 | 105/1 |
| 3. | 752 | 96 |
| 4. | 749 | 103/48 105/1 |
| 5, | 750 | 105/1 |
| б. | 753 | 228 |
| 7. | 801 | 100/11, 100/3, 105/1 |
| 8. | 748 | 105/1 |

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P)

Date: 5-10-83.

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC No. 252/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 57/3 & 4 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—45—336GI/83

(1) Shri R. Ramanayamma, W/o Venkataramaraju, 4th Ward, Bhimavaram.

(Transferor)

(2) Shii K. Ramachandia Raju, S/o Ramalingaraju, President the Cosmopolitan Club, Peddapulleru, Akiveedu, Tq., W. G. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land of 1-50 Cents, in R. S. No. 57/3, 57/4, at Bhimavaram registered with S.R.O., Bhimavaram, vide document No. 583/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 5-10-83

Pulla Co-op. Rural Bank Ltd. Vatti Venkataranga Pardhasaradhi, S/o. Pullayanaidu, M. M. Puram H/o Pulla West Godavari Dt.

(Transferor)

(2) Kostal Ship Form M/o Dotamsetty Someswara Rao, S/o Chandraya, Pulla Sivaru, M. M. Puram, Bhimadole W. G. Dt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderaland, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 253/83-84.-Whereas. I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 302/1E situated at Ambarupeta Bhimadole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bhimadole on Feb 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 10-05 Acrs, situated at Ambarupeta, Bhimadolu, in S. S. No. 302/1E and registered with S.R.O., Bhimadole, vide document No. 574/83.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 5-10-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri K. Appalanarasayya & 3 others, Bheemunipatnam Vizag, Dt.
 - (Transferor)
- (2) The Seethammadhara Co-op, House Building Society

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 254/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7 situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at R. S. No. 7, area of 2-66 Cents, at Vizag, registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 1458/83.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range. Hyderabad (A P.).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1983

Scal ;

(Transferce)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 255/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. TS 1008 situated at Waltair Ward Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Feb 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeshid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said vet, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Viswenadham, S/o Narasiniha Gupta, Town Hall Street, Vizag.
- (Transferor)
 (2) Sh. Parasaram Balchand, D. No. 50-57-2, near V. T. College, Vizag.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 600 Sq yd., at Waltair Ward, Block No. 39, T. S. No. 1008, at Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 1030/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 5-10-1983 Seal:

(1) Sh. J. Yellajirao, Corporator, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. C. Hirwat & Sons, Hirawat Stores, Vizag. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 256/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible in the impossibl property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 26-15-80 situated at Vizag.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3ble floor Building at D. No. 26-15-80, at Vizag, registered with S.R.O, Vizag, vide document No 1933/83, and area of 135 Sq. yds,

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 5-10-83.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. V. Lova Surya Prakasarao S. o Veeraraghavaswamy, Lalitha Road, Bangalore, 560001, Karnataka.

(Transferor)

(2) Smt. Sanka Eswaramma, W/o Venkaterao, D. No. 23-5-17 Matta Venkappa Street, Vizag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th October 1983

Ref. No. RAC. No. 257/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 26-14-380/A situated at Vizag,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property 26-14-380/A, area of 232 sq. yds. at Vizag, registered with S.RO., Vizag, vide document Nos. 854, 848/83.

> M. JEGAN MOHAN, Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hireby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th October 1983

Ref. No. AC-33/Acq. R-II/Cal/83-84.---Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable prperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 47, Block-BD situated at Sector-I, Salt lake City, Calciutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B.A. Calcutta on 17-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jagat Narayan Tandon of BD-47, Sector-I, Salt lake City, Cal.

(Transferor)

(2) 1. Rajesh Kumar Goel. (2) Lalit Kumar Goel. all of 10, Digambar Jain Temple Road, Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.4772671 cottans of land with building situated at Plot No. 47. Block-BD, Sector-I, Salt lake city, Calcutta, Deed No. 1472 of 1983.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 4-10-1983

(1) Mordecai Co-operative Housing Society Ltd. of 6 Short Street, Calcutta-700016

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2)Sri Sulalit Kumar Majumder Mordecai Co-operative Housing Society Ltd. 14/9, Dum-Dum Road, Cal-74.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1983

Ref. No. AC-34/Acq.R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 5 situated at Mordecai Lane, Calcutta.

No. 5 situated at Mordecai Lane, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed nereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at S. R. Cossipore on 25-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of 6K, 2ch, 27 sft. of land with building situated at Mouja-Bagiala, P.S. Municipal Holding No. of the property is S, Mordecai Lane, Cal More particularly described in deed no 282 of 1983 of S. R. Cessipore.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1983

FORM NO I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1983

Ref. No. AC-35/Acq.R-II/Cal/83-84.— Whereas, I, S. K. BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5 situated at Mordecai Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipore on 25-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
46—336GI/83

(1) Mordecai Co-operative Housing Society Ltd., 6, Short Street, Calcutta-700 016.

(Transferor)

(2) Sri Schindra Nath Dey, R/o Mordecai Co-Operative Housing Society Ltd., 14/9, Dum-Dum Road, Calcutta-74.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of 6k, 2ch. 27sft, of land with building situated at Mouja-Bagjala, P. S. Dum-Dum, Municipal holding no. of the property is 5, Mordecai Lane, Calcutta. More particularly described in deed No. 283 of 1983 of S. R. Cossipor.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-10-1983

Şeal :

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1983

Ref. No. AC-36/Acq.R-II/Cal/83-84,----Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5 situated at Mordecal Lune, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi S. R. Cossipore on 25-2-1983

S. R. Cossipore on 25-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Mordecal Co-operative Housing Society Ltd., 6, Short Street, Calcutta-700 016.
- (2) Shri Rajeswar Sharma, R/o 34, S. P. Mukherjee Rd., Cal.-28.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of 6k. 2ch. 27sft. of land with building situated at Mouja-Bagjala, P. S. Dum-Dum, Municipal holding no. of the property is 5, Mordecai Lane, Calcutta. More particularly described in deed No. 284 of 1983 of S. R. Cossipor.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1983

Seal ;

with the object of :---

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mordecai Co-operative Housing Society Ltd., 6, Short Street, Calcutta-700 016.

(Transferor)

(2) Shri Apurba Kumar Mallick, R/o Mordecai Co-Operative Housing Society Ltd., 14/9, Dum-Dum Road, Calcutta-74.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1983

Ref. No. AC-37/Acq.R-II/Cai/83-84.-Whereas, I, S. K. BANERJEE. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Mordecai Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipore on 25-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shere of 6k. 2ch. 27sft, of land with building situated at Mouja-Bagjala, P. S. Dum-Dum, Municipal holding no. of the property is 5, Mordecai Lane, Calcutta. More particularly described in deed No. 285 of 1983 of S. R. Cossipor,

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date . 7-10-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1983

Ref. No. AC-38/Acq.R-II/Cal/83-84,— Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 situated at Mordecai Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement has been Registered u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 by the Competent Authority S. R. Cossipore on 25-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Mordecal Co-operative Housing Society Ltd., 6, Short Street, Calcutta-700 016.

(Transferor)

(2) Sri Partha Sarathi Palchoudhury, R/o Mordecai Co-Operative Housing Society Ltd., 14/9, Dum-Dum Road, Calcutta-74.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of 6k. 2ch. 27sft. of land with building situated at Mouja-Bagjala, P. S. Dum-Dum, Municipal holding no. of the property is 5, Mordecai Lane, Calcutta. More particularly described in deed No. 286 of 1983 of S. R. Cossipor.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1983 Seal :

PART III -SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gouri Rani Dutta, P-468, C. I. T. Scheme-47, North Block, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Shri Satadal Gupta, 29/1B, Northern Avenue, Calcutta-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1983

Ref. No. AC-39/Acq.R-II/Cal/83-84.—

Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 862 situated at Mouja-Patipukur, Block-A, Calcutta-89

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 25-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A₁Cta 4k. 11ch. 18sft, vacant land situated at Mouja-Patipukur, P.S. Lake-town, Block-A, Cal-89, Plot No. 862, More patricularly described in deed No. 1808 of 1983 of R. A. Cal-

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-10-1983

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Minhal Ahmed.

(Transferor)

(2) Ayaz Ahmed.

(Transferce)

(3) Nargis Begum & Ors.

(Persons whom the undesigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1983

Ref. No. TR-33/83-84/Sl. 800/IAC/Acqn.R.I./Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 48/2, situated at Mcleod Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R.A., Culcutta on 10-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building at premises No. 48/2, Mcleod St., Calcutta with land measuring 3K-10Ch. Registered before the Sub-Registrer of Assurances, Calcutta vide deed No. 1204, dt. 10-2-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

ving Date: 11-10-1983 Seal:

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Nabyendu Sekhar Naskar,
 - 2. Shri Purnendu Sekhar Naskar, 3. Shri Bimalendu Sekhar Naskar,
 - 4. Shri Amalendu Naskar, all of 72, Beliaghata Main Rd., P. S. Beliaghata, Colcutta-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Brahmadutta Tandon, 2. Shri Surabala Tandon, Shri Sanjib Tandon, R/o All of 1/2A, Ramakrishna Naskar Lane, Calcutta-10, P. S. Beliaghata.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1983

Ref. No. AC-40/Acq.R-II/Cal/83-84.—
Whtreas I, S. K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/2A situated at Ramkrishna Naskar Lane, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sealdah on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the the top of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Area: 10k. 12ch. 28sft, land with building. Premise No. 1/2A, Ramkrishnu Naskar Lane, P. S. Beliaghata, Calcutta-10, More particularly described in deed No. 65 of 1983 of S. R. Sealdah.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-10-1983

(1) Sri Bhutnath Dutta, of No. 98, Serpentine Lane, Calcutta-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kalyani Chatterice, of No. 225, C. 1. T. Scheme, IVM, Belieghata, Cal.

(3) Tenanted

(Transferce)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1983

Ref. No. AC-41/Acq.R-II/Cal/83-84.—

Whereas I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 225 situated at Scheme No. IV, on C. I. T. Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 22-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said hamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3k. 2ch, 36sft, of land with building situated at Plot No. 225, Scheme No. IV on C.I.T. Rd., Beliaghata, Calcutta. More particularly described in deed No. 1635 of 1983 of S. R. A. Calcutta.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 11-10-1983

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1983

Ref. No. AC-56/Acqn.R-IV/Cal/83-84.—
Whereas, I, S. K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 1/A situated at Kustia Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 2-2-1983

Althore on 2-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-47-336GI/83

(1) M/S Jatiya Silponnayan -o-Punarbasati Samity (P) Ltd., 42, Nandan Road, P. S. Bhowanipore, Calcutta-25.

(Transferor)

(2) 1. Sri Mohanlal Shaw,

2. Smt. Sona Shaw, 3. Sri Bhola Nath Shaw,

4. Sri Biswanath Shaw, 5. Sri Tarak Nath Shaw,

7. Sri Goutam Shaw, R/o 6. Sri Sambgu Nath Shaw, & 21, Madhab Lanc,

P. S. Ballygunee, Calcutta-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 8 Cottahs, 10 Chattaks land with building. Address: 1/A, Kusthia Road, Mauja-Kusthia, P. S. Tiljula, Calcutta.

Deed No.: 774 of 1983,

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcuttu-16

Date: 11-10-1983

FORM I.T.N.S.---

 Shri Brij Mohan Mehra S/o Shri Shiv Charan Mehra, R/o Tylor Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Aslam, Shri Mohd. Sayeed, & Shri Anwar Ss/o Shri Mohd. Asghar, R/o 92/67, Hiruman Ka Purwa, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITÍON RANGE, 106/282, "KANCHAN BHAWAN" GANDHI NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 4th October 1983

Ref. No. K-10/R/KNP/83-84.—Whereas, I, BIBEK BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 16-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 91/80, Pench Bagh, Kanpur Pench Bagh, Dalelpurwa, Kanpur.

BIBEK BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th October 1983

Ref. No. P.R. No. K-113/KNP/83-84.—Whereas, I, BIBEK BANERII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
As per Schedule,

situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 26-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sudershan Kumria w/o Shri Satya Pal Kumria and Bipin Kumria, Sudhir Kumria s/o Shri Satyapal Kumria, r/o 15/291-B, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Chemi Chrome Industries Pvt. Ltd. 15/291-B, Civil Lines, Kanpur through its Director Shri Vishwanath Tandon s/o Shri Monohar Lal, r/o 128/391, Block H-2 Kidwai Nagar,

(Transferce)

(3) S. No. 2.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

limnovable property No. 84/79 Old No. 84/48, Ihakar-Kati, G. T. Road, Kanpur and total area is 3243 sq. yds.

> BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Kanpur

Date: 7-10-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th October 1983

Ref. No. M-815/P.R./Agra/83-84.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule,

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 25-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidya Devi w/o Late Babu Lal, r/o 6/127, Belanganj, Agra.

(Transferor)

(2) Dr. Rajinder Babu,
Dr. Narendra Babu,
Dr. Yoginder Babu,
Shri Bipin Babu,
Shri Mohan Babu,
Shri Arun Kumar Agarwal,
Raju Agarwal and
Shri Piyush Agarwal,
ss/o Dr. Chandra Bhan Agarwal (Sampadhak)
Congress Raja Weekly,
r/o Gali Barah Bhai,
Belanganj, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. Old 822 and Present No. 6/23 and 6/23/(1) situated at Gali Barah Bhal, Belanganj, Agia.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-10-1983

- (1) Shri Radha Krishan Sahai
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Shyam Sundar Sahai

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref No GIR No S-272/Acq -- Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No Land and building, squated at Mohalia Idgah, Disti Lakhimpur-Kheri (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration (Office at 1908) in the Office of the Registering Officer at Lakhimpur-Kheri on 2-2 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3285 sq ft and "Khandhar" (Runed structure) measuring 3295 sq ft out of which building measuring 682 sq ft situated at Mohalla-Idgah, Distt Lakhimpur-Kheri, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 716/83, which have duly been registered in the office of the Stab Property Lekhimpur Kheri, on 2.2-1983 of the Sub-Registrar, I akhimpur Kheri or 2-2-1983

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following fersons, namely:—

Date 10 10 1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ram Jiwan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above seiler. (Person in occupation of the property)

Through Shri Gopal Singh Bisht, Secretary,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Parvatiya Sahkari Avas Samiti Ltd.

Darshanganj, Aliganj,

Lucknow, the 14th October 1983

- Ref. No. G.I.R. P-107/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
- Plots of land No. 280 & 281, situated at village Batha Sabauli, Teh. Pargana and Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 14-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No 280 and 281 measuring one bigha nine biswa and six biswansi and ten kachhwansi, situated at Mauza-Batha Sabouli, Pargana, Tehsil and District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in in the sale deed and form 37G No. 6235, which have tluly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-2-1983.

> A. PRASAD Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1983

(1) Smt. Ganga Devi.

(Transferor)

(2) Parvative Sahkari Avas Samiti Ltd., Through Shii Gopal Singh Bisht, Secretary, Darshauganj, Aliganj, Lucknow,

(Transferor)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

> 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th October 1983

Ref. No. G.I.R. No. P-106/Acq.-Whereas I, A.

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plots of land No. 280 & 281,

situated at village Batha Sabauli, Teh. Pargana, Teh. & Distt. Laicknew

Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Lucknow on 14-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sud Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 280 and 281 measuring one bigha nine biswas, Six Biswansi and Ten Kachhwansi, situated at Mauza Batha Sabauli, Pargana, Tehsil and District Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 623, 6/83, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-2-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-10-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

B. H. Aswethnarayan Singh, Near Wardle High School, Bellary.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1983

C.R. No. 62/Notice No. 621/82-83/ACQ/D.-Wnerens I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 422, 423 and 424 Old Nos. 35/343 and 35/344 Hospet, situated at Station Road, Ranipet, Hospet, Bellary Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hospet under Document No. 65/82-83 on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Katta Nagaraj Shetty, M/s. Industrial Enterprises, Station Road, Hospet.

(Transferee)

(3) B. Narayana Shetty,
Door No. 422, 423 and 424,
Old No. 35/343 and 35/344,
Station Road, Ranlpet, Hospet.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 65/82-83 dated February, 83]

Shop Complex-cum-Residential Building. Door No. 422, 423 & 424 (Old No. 35/343 & 35/344) Station Road, Ranipet, Hospet, Bellary Dist.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A₁ to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Balbir Singh, Balvindra Singh and Ajit Singh, 14A/51, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Santosh Kumar (HUF), 21-A, Aurangzeb Lane, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III 412, 4th Floor, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/2-83/22.--Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land, situated at Village Chhattarpur, Teh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III New Delhi on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 6 bigha and 11 biswas Khasra No. 1682 Min (1-15), 1683 (4-16), with Tubewell, and fencing wire etc., Village Chlattarpur, Teh. Mch., New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-10-1983

Seal:

48-336G/|83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
412, 4TH FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/2-83/23.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Flat No. 46/3, situated at Bhika_H Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq). Range-III New Delhi, on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) B. L. Arora Trust, 105A, 1st Floor, Saraswati House, 27-Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-46 in 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi area 548 aft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.

Dete: 10-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
412, 4TH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELH

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq./III/37EE/2-83/24.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. GF-9 situated at 19, Rajendra Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inder Mohan Singh Shri Bikramji Shri Manmohan Singh H-478, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-9 Rajendra Place, New Delhi area 140 eft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 10-10-1983

Scal:

 Pramod Kumar & Sons (HUF), 2720, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pitam Chanl Charitable Truşt 2720, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi-6.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
412, 4TH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/2-33/25.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 332, situated at 6-Bhikaji Cama Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) Range-III in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957). (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

50% share in Flat No. 332 in 6. Bhikaji Capa Place, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1983

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Smt. Hardevi Bhatia, A-8, NDSE-I, New Delhi-110049.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, 412, 4TH FLOOR, C. R. BUILDING

I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/2-83/26.—Whereas, I, B, K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 407 situated at 17, Rajendra Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-III, New Delhi in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Veena Sarna W/o Sh. A. C. Sarna & Miss Radhika Sarna D/o Shri A. C. Sarna, B-3/27, Safdarjung Encl., New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, Prabhat Kiran Building, 17-Rajendra Place, N. Delhi, Plinth area 551 sft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 10-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Mrs. Roopa Sood W/o R. Sood, B-7/125A, Sufdarjung Encl., Extn., New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Surinder Nath Arora S/o Sh. Bindraban Mahandratha, 15-A, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, 412, 4TH FLOOR,
C. R. BUILDING
I. P. ESTATE, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-83/27.—Whereas I, B, K. GUPTA,

B. R. GUPIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-27, situated at 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi

B-27, situated at 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range-III, New Delhi in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-27, 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi area 410 sq. ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 412, 4TH FLOR C. R. BUILDING

I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/2-83/28.—Whereas, I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-33, Shop No. 'C' Luxmi Nagar situated at Vikas Marg, Delhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III, New Delhi on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27. of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. K. Jain, 47, Scindia House, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jai Devi, W/o Shri Guru Datt R/o 69-L, New Colony Palwal, Distt. Faridabad (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning τ_{f} given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. B-33, Shop No. 'C' Luxmi Nagar, Vikas Marg, Delhi-10092 (8×30' 6") carpet area.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1983

21074

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kalyani Paper Products Ltd., Atma Ram House, 1-Tolstoy, Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Miraksha Associates (P) Ltd., 1-Tolstoy Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 412, 4TH FLOOR,

I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/2-83/30.--Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, at 4th Floor situated at Bhikaji Cama

Place, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred in the schedule annexed in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III New Delhi on Feb., 1983, for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 at 4th Floor in Bhikaji Cama Place, New Delhi Area 513 sq. ft.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Krishan Kanta Vij, 2/95, Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 412, 4TH FLOOR

C. R. BUILDING
I. P. ESTAIL, NEW DEIHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/2-83/31.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 1206 on 12th Floor Padma Tower-I situated at 5-Rajendra Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III New Delhi on Feb. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Suman Raheja, C-70, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1206 on 12th floor Padma Tower I at 5, Rajendra Place, New Delhi mg. 375 sq. ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, C. R. BUILDING
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/2-83/32.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

Flat No. 410/6, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-III in Feb. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Col. Arvind Malhotra, Dr. Usha Malhotra, Miss Asha K. Malhotra, HUF A.D. Malhotra, Master Ashwin Malhotra C/o B-246A, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410/6, Bhikaji Cama Place, New Delhi mg. 641 sft

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 10-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, C. R. BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2.83/32A.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 730 situated at Jhandewelan Tower (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Shri Bhagwan Bansal, 1143 Kucha Harjas Mal Bazar Sita Ram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Randcep Singh Sandhu & Master Gurpreet Sandhu, R/o V.D.O. Sarkali Distt. Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 730 in Jhandewalan Tower.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 12-10-1983

(1) Bawa Glass Company, 3/9 D. B. Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (A) Lt. Col. Charanjit Singh (33% share), (B) Mrs. Avinas Patpatia (33% share),
(C) Mrs. Chandrika Tundon (33% share),
118. New Jawahar Nagar, Jalandhar G-5.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, C. R. BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2.83/32B.—Whereas, I. B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said fact, have leasn to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 608, Building No. 9 situated at Bhikaji Cama Place, Ring Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 608, Building No. 9, Bhikaji Cama Place, Ring Road, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date: 12-10-1983

Scal: